E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in

हिंदी दैनिक

गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

विकसित भारत समाचार

वर्ष : 12 | अंक : 216 | गुवाहाटी | गुरुवार, 12 मार्च, 2026 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 8 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

Government of Assam

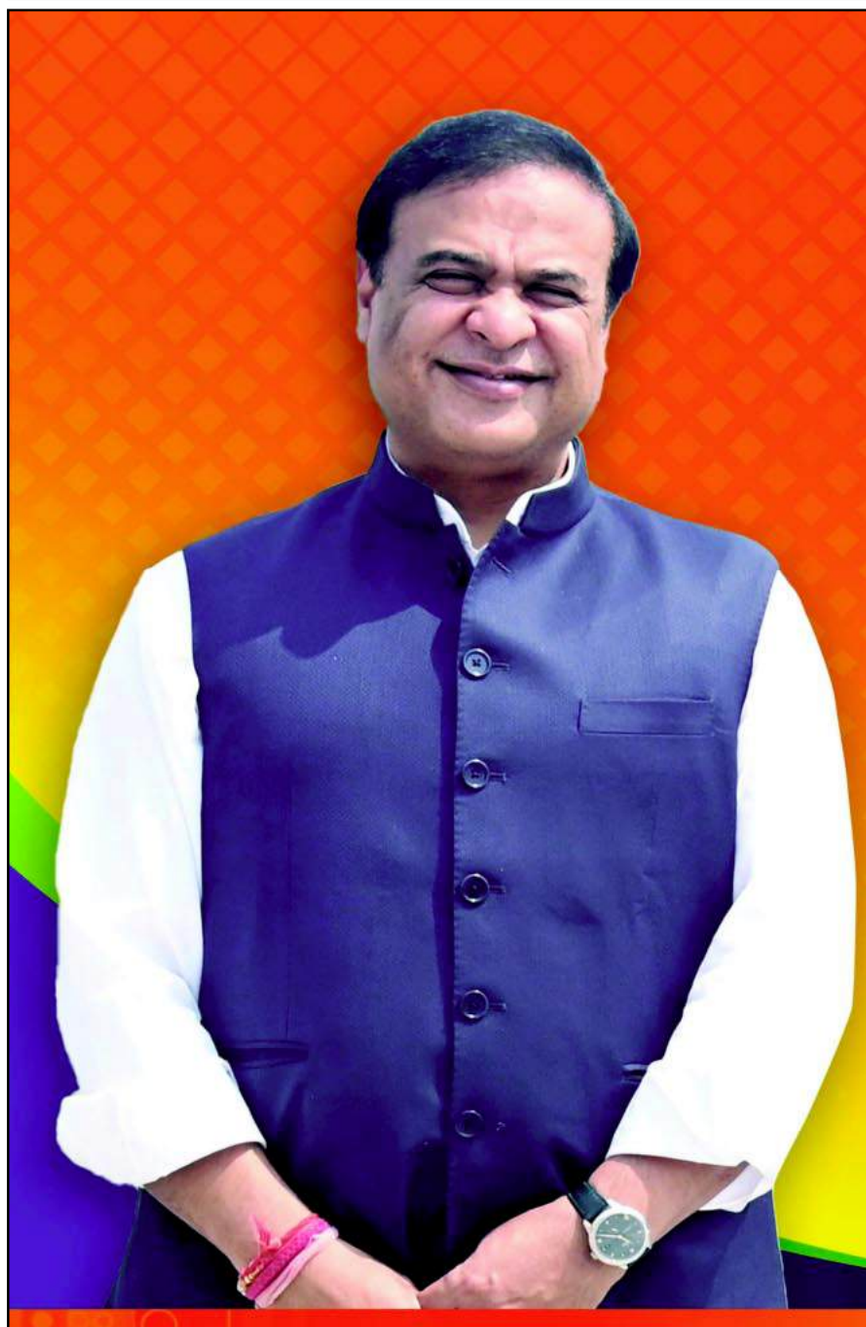

जनेताव चबकाव | my GOV मेरी सरकार

Continuing the journey of a transparent and merit-based recruitment process

Ceremonial Distribution of
Appointment Letters to 5,754 candidates

1 Lakh+ Jobs

Chief Guest

Dr Himanta Biswa Sarma
Chief Minister, Assam

August Presence

Dr Ranoj Pegu
Minister, Education, etc., Assam

Shri Prasanta Phukan
Minister, Power, etc., Assam

12 March 2026 | 10:00 AM

College of Veterinary Science Playground, Khanapara, Guwahati

Departments	Directorate/PSU	Post	Number of Candidates
Education	Elementary Education	Upper Primary School Teachers	3,515
		Lower Primary School Teachers	
		Provincialised (2017) Tutor promoted to Teacher	116
		Upper Primary Assistant/Science Teacher promoted to Headmaster	197
	Secondary Education	Promoted Headmasters of Provincialised High Schools	446
	Higher Education	Assistant Professor, Grade III & Grade IV	177
	Technical Education	Principal, Government Engineering Colleges	4
	State Council of Educational Research and Training (SCERT)	Lecturer	60
	Additionally, **1,175** contractual and state pool teachers working under Samagra Shiksha, Assam will be appointed to permanent posts under the Directorate of Elementary Education		
Power	Assam Power Distribution Company Limited	Assistant Accounts Officer	64

Recruitment Overview

Till 4 March 2026	1,58,669
12 March 2026	5,754

Total recruited
1,64,423

-- DIPR/D/VBS-219/12-Mar-26

Published by **Directorate of Information and Public Relations, Assam** | Connect with us @diprassam | dipr.assam.gov.in

विपक्षी गठबंधन के संदर्भ में गौरव गोगोई ने गांधारी की भूमिका निभाई : डॉ. देवजीत महंत

गुवाहाटी (हिंस)। *सबका साथ, सबका विकास* के महामंत्र के साथ हमारी सरकार के कार्यकाल में भूमि पूजन और उसके बाद समय पर शुभ उद्घाटन की नई कार्यसंस्कृति भाजपा ने स्थापित की है। गुवाहाटी में ब्रह्मपुत्र नदी पर तीसरे पुल कुमार भास्कर वर्मा सेतु का शिलान्यास प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने किया था और 14 फरवरी को स्वयं प्रधानमंत्री मोदी ने इसका उद्घाटन किया। इसी प्रकार महापुरुष श्रीमंत शंकरदेव की स्मृतियों से जुड़े बटद्रवा परियोजना का शिलान्यास और शुभारंभ केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने किया। यह बातें असम प्रदेश भाजपा के प्रवक्ता डॉ. देवजीत महंत ने आज जारी एक बयान में कही। उन्होंने कहा कि नई कार्य संस्कृति का उदाहरण है गुवाहाटी के दीघलीपुखुरी से बामुनीमैदाम को जोड़ने वाला 5.5 किमी लंबा महाराजा पृथु फ्लाईओवर ब्रिज, जिसे निर्धारित 36 महीनों के बजाय केवल 27 महीनों में पूरा किया गया है, जिससे असम के परिवहन ढांचे को नई मजबूती मिली है। जन आशीर्वाद यात्रा को *जन अभिशाप यात्रा* कहने पर असम जातीय परिषद के अध्यक्ष लुरिनज्योति गोगोई की कड़ी आलोचना करते

हुए डॉ. महंत ने कहा कि सीएए आंदोलन की पृष्ठभूमि से उभरी पार्टी के नेता लुरिनज्योति गोगोई कांग्रेस के सहारे विधायक बनने का सपना देख रहे हैं। उन्होंने कहा कि असम आंदोलन के 860 शहीदों की स्मृति में गुवाहाटी के बरागांव में बने शहीद स्मारक पर जाकर श्रद्धांजलि देने का सामान्य ज्ञान भी लुरिनज्योति गोगोई के पास नहीं है। विपक्षी गठबंधन पर टिप्पणी करते हुए डॉ. महंत ने कहा कि गौरव गोगोई ने इस मामले में धृतराष्ट्र की पत्नी गांधारी की भूमिका अपनाई है-आंखें होते हुए भी आंखों पर पट्टी बांधकर देखने से इनकार कर रहे हैं। कांग्रेस के निलंबित विधायक बाघबर के शेरमान अली और ग्वालपारा पश्चिम के विधायक अब्दुल रशीद मंडल को राइजर दल में शामिल करने के लिए गौरव गोगोई द्वारा लगाए गए आरोपों पर उन्होंने कहा कि ये दोनों विधायक काफी पहले ही राइजर दल में शामिल हो चुके हैं और इस बात की जानकारी गौरव गोगोई को पहले से थी। उन्होंने कहा कि यह धारणा गलत है कि धिंग विधानसभा क्षेत्र को लेकर दोनों दलों के बीच समझौता नहीं हो पाया है। धिंग में 91 प्रतिशत मतदाता अल्पसंख्यक समुदाय के हैं और वहां कांग्रेस तथा राइजर दल के बीच मैत्रीपूर्ण मुकाबला होने पर भी भाजपा नहीं जीत सकती। उनका कहना था कि असली समस्या यह है कि कांग्रेस और राइजर दल का राजनीतिक आधार एक ही है-अल्पसंख्यक बहुल 22 सीटें-जबकि बहुसंख्यक समाज में दोनों दल अपना जनाधार खो चुके हैं। कटाक्ष करते हुए डॉ. महंत ने कहा कि अखिल गोगोई आधुनिक असम के बदन बरफुकन हैं और गौरव गोगोई मुगलों के सेनापति राम सिंह के समान हैं। उन्होंने कहा कि 2026 के आगामी चुनावी रणक्षेत्र में दोनों की हार तय है। उन्होंने यह भी कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा और प्रदेश अध्यक्ष दिलीप सैकिया के नेतृत्व में पिछले दिनों चली जन आशीर्वाद यात्रा में पंद्रह लाख से अधिक लोगों की स्वस्फूर्त भागीदारी इसका प्रमाण है। डॉ. महंत ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी ने हमेशा दल से ऊपर उठकर देश और समाज के वीर पुरुषों को सम्मान देने का काम किया है। स्वतंत्रता आंदोलन के महान सेनानी और असम प्रदेश कांग्रेस के प्रथम अध्यक्ष बाबू छबीलाल उपाध्याय, जिन्होंने आंदोलन के दौरान छह महीने से अधिक समय जेल में बिताया, को भाजपा सरकार ने सम्मानित किया है। भाजपा नेतृत्व वाली एनडीए सरकार ने विश्वनाथ जिले के बिहाली में नव-निर्मित इंजीनियरिंग कॉलेज का नाम *छबीलाल उपाध्याय इंजीनियरिंग कॉलेज, बिहाली, विश्वनाथ* रखा है। इसके अलावा 21 जून 2020 को दिसपुर के आनंदचंद्र अग्रवाला उद्यान में मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने बाबू छबीलाल उपाध्याय की आदमकद प्रतिमा का अनावरण किया था। इसी कारण भारतीय जनता पार्टी को सर्वधर्मी, सर्वस्पर्शी और सर्वव्यापी पार्टी कहा जाता है।

बरपेटा में कट्टरपंथी गुटों से कथित संबंधों के आरोप में दो गिरफ्तार

बरपेटा (हिंस)। बरपेटा जिले में कट्टरपंथी गुटों से कथित संबंधों के आरोप में पुलिस ने बुधवार को दो लोगों को गिरफ्तार किया है। कट्टरपंथियों के विरुद्ध अभियान बीती रात को असम पुलिस की स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ) ने सरभोग पुलिस थाना क्षेत्र में चलाया था। असम पुलिस मुख्यालय के अधिकारियों ने बुधवार को बताया कि पुलिस टीम ने बीती रात बरपेटा से दो कट्टरपंथियों को पकड़ा है। उनसे पूछताछ चल रही है। इस संबंधित अन्य जानकारी शीघ्र ही सार्वजनित की जाएगी। बरपेटा जिला पुलिस के सूत्रों ने बताया कि यह अभियान स्थानीय पुलिस के सहयोग से चलाया गया था। ज्ञात हो कि पिछले साल दिसंबर में, सुरक्षा एजेंसियों ने असम और त्रिपुरा में 11 लोगों को गिरफ्तार किया था। इन पर बांग्लादेश स्थित कट्टरपंथी गुटों से कथित संबंध होने का आरोप था, जो कथित तौर पर पूर्वोत्तर क्षेत्र में अस्थिरता फैलाने की कोशिश कर रहे थे।

मुख्यमंत्री ने डिफू कैंसर सेंटर का किया उद्घाटन

कार्बी आंग्लांग (हिंस)। असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने बुधवार को कार्बी आंग्लांग जिला मुख्यालय शहर डिफू के लोगों को अत्याधुनिक डिफू कैंसर सेंटर समर्पित किया। इसका उद्देश्य इस क्षेत्र में स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत करना है। लगभग 270 करोड़ रुपए की अनुमानित लागत से बना यह उन्नत कैंसर उपचार सुविधा, कार्बी आंग्लांग और आस-पास के इलाकों के मरीजों के लिए विशेष ऑन्कोलॉजी देखभाल तक पहुंच को काफी बेहतर बनाने की उम्मीद है। इस सेंटर के बनने से मरीजों को अब विशेष कैंसर उपचार के लिए लंबी दूरी तय करने की जरूरत नहीं पड़ेगी, जिससे उन्नत और किफायती स्वास्थ्य सेवाएं लोगों के घर के पास ही उपलब्ध हो जाएंगी। यह पहल पूरे राज्य में स्वास्थ्य बुनियादी ढांचे को मजबूत करने के लिए असम सरकार के लगातार प्रयासों का एक हिस्सा है। मुख्यमंत्री ने डिफू में एक नया बीएससी नर्सिंग कॉलेज खोलने की भी घोषणा की, जिससे इस क्षेत्र में चिकित्सा शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं को और बढ़ावा मिलने की उम्मीद है।

जोरहाट से गौरव गोगोई बुरी तरह हारेंगे : डॉ. नुमल मोमिन

गुवाहाटी (हिंस)। असम विधानसभा के उपाध्यक्ष डॉ. नुमल मोमिन ने कहा कि गौरव गोगोई के नेतृत्व वाले विपक्ष को असम में होने वाले 2026 के विधानसभा चुनाव में करारी हार का सामना करना पड़ेगा। विधानसभा के उपाध्यक्ष डॉ. नुमल मोमिन आज यहां मीडिया से बातचीत कर रहे थे। गोगोई और उनकी टीम को अपनी *शुभेच्छा* देते हुए, डॉ. मोमिन ने कहा कि विपक्षी उम्मीदवार जिस भी सीट से चुनाव लड़ेंगे, वहां उन्हें हार का सामना करना पड़ेगा। उन्होंने खास तौर पर दावा किया कि अगर गोगोई जोरहाट से चुनाव लड़ते हैं, तो उन्हें भारी हार का सामना करना पड़ेगा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नेता मोमिन ने जोर देकर कहा कि 2026 के विधानसभा चुनावों के नतीजे ऐतिहासिक होंगे। उन्होंने भविष्यवाणी की कि सत्ताधारी भाजपा राज्य में रिकॉर्ड तोड़ जीत हासिल करेगी। डॉ. मोमिन ने कहा कि चुनाव नतीजे असम में सत्ताधारी गठबंधन और उसके शासन के प्रति जनता के लगातार मिल रहे समर्थन को साबित करेंगे। उम्मीद है कि 2026 के विधानसभा चुनाव में भाजपा के नेतृत्व वाले गठबंधन और कांग्रेस के नेतृत्व वाले विपक्षी दलों के बीच कड़ा मुकाबला देखने को मिलेगा। उल्लेखनीय है कि गौरव गोगोई जोरहाट लोकसभा सीट से वर्तमान में सांसद हैं। वहीं लोकसभा में सदन के उप नेता प्रतिपक्ष हैं। कांग्रेस पार्टी असम विधानसभा चुनाव 2026 गौरव गोगोई के नेतृत्व में लड़ने जा रही है। गौरव अपनी रणनीतियों से सत्ताधारी दल को कितनी मजबूत चुनौती देंगे, यह आने वाले दिनों में पता चलेगा।

असम विस चुनाव 2026 : नलबारी विस सीट पर आमने-सामने का मुकाबला

नलबारी (हिंस)। असम में आगामी विधानसभा चुनाव के दिन जैसे-जैसे निकट आ रहे हैं वैसे-वैसे विधानसभा-वार राजनीतिक हलचल शुरू हो गई है। असम विस चुनाव के तारीखों का ऐलान अभी नहीं हुआ है, इसके बावजूद राजनीतिक पार्टियां पहले से ही तैयारियां शुरू कर चुकी हैं। 39 नंबर नलबाड़ी विधानसभा सीट में भी चुनावी हवा बहने लगी है। नलबाड़ी सीट से कांग्रेस ने अशोक कुमार शर्मा को उम्मीदवार घोषित किया है, जबकि सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने अब तक किसी उम्मीदवार की घोषणा नहीं की है। असम विस का एक महत्वपूर्ण विधानसभा क्षेत्र है 39 नंबर का नलबारी। नलबाड़ी क्षेत्र का प्रतिनिधित्व वर्तमान में असम सरकार के एक प्रभावशाली मंत्री जयंत मल्लबरुवा कर रहे हैं। इससे पहले जयंत मल्लबरुवा 2011 में इस क्षेत्र से पहली बार कांग्रेस पार्टी से विधायक के रूप में चुने गए थे। इसके बाद 2021 में भाजपा के गठबंधन से जीतकर विधायक से मंत्री पद तक पहुंच गए। सामान्य मतदाताओं की राय है कि नलबारी में पिछले पांच वर्षों की तुलना में काफी विकास हुआ है। कुछ सामान्य मतदाता यह भी व्यक्त करते हैं कि मंत्री जयंत मल्लबरुवा के कार्यकाल में नलबारी में सर्वांगीण विकास हुआ है। नलबारी विस क्षेत्र में नए स्टेडियम, नया संयुक्त जिला आयुक्त कार्यालय, दो फ्लाईओवर ब्रिज, शहर की सड़कों-चौराहों, स्ट्रीट लाइट, सम्मेलन केंद्र आदि के साथ समग्र विकास में जयंत मल्लबरुवा की सलाह को कुछ मतदाताओं ने समर्थन दिया। हालांकि, कुछ काम बाकी हैं और आगामी कार्यकाल में उसके पूरा होने की उम्मीद मतदाताओं को है। दूसरी ओर, विधानसभा क्षेत्र में विपक्ष की स्थिति कमजोर होने की बात कुछ लोगों ने चिंता व्यक्त की। लोगों ने कहा कि सत्तारूढ़ भाजपा ने नलबारी विस क्षेत्र में पूर्ण गति से प्रयास किया है। इस दिशा में, मान सकते हैं कि नलबारी में सत्तारूढ़ भाजपा मजबूत स्थिति में है। गठबंधन के उम्मीदवार के रूप में वर्तमान विधायक और मंत्री जयंत मल्लबरुवा के फिर से विधायक के रूप में असम विधानसभा के लिए निर्वाचित होने की संभावना अधिक है, ऐसी संभावना आम मतदाताओं ने व्यक्त की है। उल्लेखनीय है कि, नलबारी में इस बार कांग्रेस का टिकट भाजपा के पूर्व विधायक अशोक कुमार शर्मा को दिया गया है। पूर्व विधायक अशोक कुमार शर्मा ने 2 अगस्त, 2024 को भाजपा छोड़ दी थी। भाजपा से अपमान का आरोप लगाते हुए उन्होंने इस्तीफा पत्र सौंपा था। अशोक शर्मा वर्ष 2016 के विधानसभा चुनाव में भाजपा के टिकट पर चुनाव जीता था। ऐसे में इस बार के चुनाव में भाजपा और कांग्रेस के बीच सीधी लड़ाई मानी जा रही है।

फकीराग्राम कॉलेज सप्ताह पुरस्कार वितरण समारोह संपन्न

कोकराझाड़ (हिंस)। कोकराझाड़ जिले के फकीराग्राम कॉलेज छात्र संघ के तत्वावधान में आयोजित कॉलेज के वार्षिक कॉलेज सप्ताह 2026 का पुरस्कार वितरण समारोह आज कॉलेज परिसर में संपन्न हुआ। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं, शिक्षक-शिक्षिकाओं तथा स्थानीय गणमान्य व्यक्तियों ने भाग लिया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में बोड़ोलैंड टेरिटोरियल कार्उंसिल (बीटीसी) की कार्यकारी सदस्य मुनमुन ब्रह्म उपस्थित रहीं। उन्होंने कॉलेज सप्ताह के दौरान आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्र-छात्राओं को पुरस्कार प्रदान किए और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। अपने संबोधन में मुख्य अतिथि ब्रह्म ने कहा कि शिक्षा जीवन के साथ-साथ खेलकूद भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। खेलकूद न केवल शरीर और मन को स्वस्थ रखता है, बल्कि जीवन में अनुशासन, एकता और नेतृत्व क्षमता के विकास में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। उन्होंने छात्रों को पढ़ाई में एकाग्रता और परिश्रम के साथ आगे बढ़ने तथा खेलकूद और सह-पाठ्यक्रम गतिविधियों में भी सक्रिय रूप से भाग लेने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने फकीराग्राम कॉलेज के वार्षिक कॉलेज सप्ताह के पुरस्कार वितरण समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित किए जाने पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कॉलेज प्रशासन और छात्र संघ को धन्यवाद ज्ञापित किया।

पति पर पत्नी की सोते समय हत्या करने का आरोप

बजाली (हिंस)। असम के बजाली जिले से एक चौंकाने वाली घटना सामने आई है, जहां एक महिला अपने बिस्तर पर मृत पाई गई। मृतक की पहचान कालीघाट की रहने वाली दीपाली दास (52) के तौर पर हुई है। शुरुआती जानकारी के मुताबिक, यह घटना बुधवार की सुबह तब प्रकाश में आई जब परिवार वालों ने उसे घर के अंदर बिस्तर पर बेजान पाया। घटना की जानकारी मिलते ही, पाठशाला पुलिस स्टेशन की पुलिस टीम तुरंत मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी। फिलहाल, शक की सुई मृतक के पति, गोपाल दास पर है, जिस पर आरोप है कि उसने रात में अपनी पत्नी की नींद में ही सोते समय हत्या कर दी। हालांकि, घटना की सही जानकारी अभी नहीं मिली है, लेकिन स्थानीय सूत्रों का दावा है कि आरोपित को शराब पीने की आदत थी और वह अक्सर अपनी पत्नी को शारीरिक और मानसिक, दोनों तरह से परेशान करने के लिए जाना जाता था।

सिपाझार में वर्तमान विधायक के सामने कड़ी चुनौती

दरंग (हिंस)। असम में आगामी विधानसभा चुनाव की तिथि की घोषणा कभी भी हो सकती है। ऐसे में क्षेत्रवार राजनीतिक हलचल तेज हो गई है। राजनीतिक दल अपनी तैयारियों में पूरे जोरशोर से जुट गये हैं। 49 नंबर सिपाझार क्षेत्र में भी चुनावी गतिविधि तेज हो गई है। सिपाझार क्षेत्र में कांग्रेस की तरफ से पूर्व विधायक बिनंद कुमार सैकिय को उम्मीदवार बनाया गया है, जबकि सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने अभी तक कोई उम्मीदवार घोषित नहीं किया है। वर्तमान भाजपा विधायक डॉ. परमानंद राजवंशी पुन: पार्टी का टिकट मिलने का दावा कर रहे हैं और इसी बीच असम गण परिषद (अगप) भी क्षेत्र को पुन: जीतने के लिए संगठनात्मक काम-काज तेज कर दिया है। दरंग जिले की प्रमुख विधानसभा क्षेत्रों 49 नंबर सिपाझार है। सिपाझार क्षेत्र एक कृषि प्रधान क्षेत्र है। क्षेत्र के कुछ लोग ही सरकारी नौकरी द्वारा जीवन यापन करते हैं। विधानसभा क्षेत्र पुनर्निर्धारण के बाद सिपाझार में लगभग 2 लाख 18 हजार वोटर हैं। क्षेत्र में ऐतिहासिक पथरूघाट के किसान आंदोलन का स्थान, ऐतिहासिक लेसाकोनिया गोविंद आताई द्वारा स्थापित खटरा सत्र (मठ), शियाला वैष्णव की भूमि देवमरनै, ढलपुर शिवधाम स्थित हैं। एक समय अगप का किला कहलाने वाली यह विधानसभा पिछले पांच वर्षों से भाजपा के कब्जे में है। विधायक डॉ. परमानंद राजवंशी सिपाझार विधानसभा का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं। सिपाझार विधानसभा में पहले ही कांग्रेस पार्टी ने पूर्व विधायक बिनंद कुमार सैकिया को पार्टी का उम्मीदवार घोषित करके चुनावी प्रचार जोरदार बना दिया है। इसके विपरीत सत्ताधारी गठबंधन की ओर से अब तक उम्मीदवार का नाम घोषित नहीं किया गया है।

कोकराझाड़ में कल प्रधानमंत्री मोदी की मेगा रैली

विकास परियोजनाओं को देंगे सौगात

कोकराझाड़ (विभास)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आगामी 13 मार्च को असम के कोकराझाड़ का दौरा करेंगे। यहां वे एक विशाल जनसभा को संबोधित करेंगे और बोड़ोलैंड क्षेत्रीय क्षेत्र (बीटीआर) के विकास के लिए कई महत्वपूर्ण परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास करेंगे। कोकराझाड़ में उमड़ेगा जनसैलाब प्रधानमंत्री की इस पहली जनसभा को ऐतिहासिक बनाने के लिए ग्रीन फील्ड में एक विशाल मंच और भव्य पंडाल का निर्माण किया गया है। अनुमान लगाया जा रहा है कि इस जनसभा में लगभग दो लाख से अधिक लोग प्रधानमंत्री को सुनने पहुंचेंगे। बीटीसी प्रशासन और स्थानीय नेतृत्व इस आयोजन को सफल बनाने के लिए दिन-रात जुटा हुआ है। प्रधानमंत्री कोकराझाड़ में बुनियादी ढांचे, स्वास्थ्य और शिक्षा से जुड़ी कई परियोजनाओं का लोकार्पण करेंगे। इस यात्रा के दौरान प्रधानमंत्री ऐतिहासिक कोकराझाड़-गेलेफू रेल लिंक परियोजना की आधारशिला रख सकते हैं, जो भारत और भूटान के बीच कनेक्टिविटी को नई ऊंचाइयों पर ले जाएगी। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा के अनुसार, प्रधानमंत्री चाय बागान श्रमिकों को भूमि अधिकार प्रमाण पत्र वितरित करने के कार्यक्रम की शुरुआत भी करेंगे। पीएम-किसान इसी दिन गुवाहाटी में होने वाले कार्यक्रम के दौरान प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि की अगली किस्त भी जारी कर सकते हैं।

असम कृषि विवि के 26वें दीक्षांत समारोह में शामिल हुए राज्यपाल

जोरहाट (हिंस)। असम के राज्यपाल और असम कृषि विश्वविद्यालय के कुलाधिपति लक्ष्मण प्रसाद आचार्य ने बुधवार को जोरहाट में आयोजित असम कृषि विश्वविद्यालय के 26वें दीक्षांत समारोह में हिस्सा लिया। इस अवसर पर 581 छात्रों को उनकी डिग्रियां प्रदान की गईं। छात्रों को संबोधित करते हुए, राज्यपाल ने स्नातक होने वाले छात्रों और उपस्थित सभी लोगों को अपनी हार्दिक शुभकामनाएं और बधाई दीं। उन्होंने असम कृषि विश्वविद्यालय को देश के सबसे प्रतिष्ठित कृषि संस्थानों में से एक बताया और असम तथा पूरे पूर्वोत्तर क्षेत्र में कृषि के विकास में विश्वविद्यालय के योगदान पर प्रकाश डाला। राज्यपाल ने कहा कि चूंकि असम मुख्य रूप से एक कृषि प्रधान

राज्य है, इसलिए विश्वविद्यालय की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण हो जाती है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि अनुसंधान, नवाचार और आधुनिक तकनीकों को अपनाने के माध्यम से, यह संस्थान राज्य की कृषि-आधारित अर्थव्यवस्था को मजबूत करने में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता रहेगा। उत्तीर्ण होने वाले छात्रों को बधाई देते हुए, लक्ष्मण प्रसाद आचार्य ने दीक्षांत समारोह को न केवल शैक्षणिक उपलब्धि का उत्सव बताया, बल्कि जिम्मेदारी की एक नई यात्रा की शुरुआत भी कहा। इस मौके पर, उन्होंने पद्मश्री से सम्मानित यानुंग जामोह लेगो को भी बधाई दी, जिन्हें विश्वविद्यालय द्वारा मानद डॉक्टरेट की उपाधि से सम्मानित किया गया। कृषि शिक्षा के व्यापक महत्व को रेखांकित करत हुए, राज्यपाल ने कहा कि कृषि हमेशा से भारत की सभ्यता और संस्कृति में गहराई से रची-बसी रही है। उन्होंने कहा कि प्राचीन काल से ही, जिसमें सिंधु घाटी सभ्यता का दौर भी शामिल है, भारत के पास खेती, जल प्रबंधन और अनाज भंडारण की उन्नत प्रणालियां थीं, जो कृषि ज्ञान और प्रकृति के साथ तालमेल की एक लंबी परंपरा को दर्शाती हैं। भारत की बौद्धिक विरासत का जिक्र करते हुए, उन्होंने बताया कि प्राचीन अर्थशास्त्री कौटिल्य ने अपने ग्रंथ *अर्थशास्त्र* में इस बात पर जोर दिया था कि किसी भी राज्य की समृद्धि मूल रूप से कृषि पर ही निर्भर करती है- एक ऐसा विचार जो आज के आधुनिक युग में भी उतना ही प्रासंगिक है। कृषि के बदलते परिदृश्य पर प्रकाश डालते हुए, लक्ष्मण प्रसाद आचार्य ने कहा कि यह क्षेत्र विज्ञान और प्रौद्योगिकी के माध्यम से तेजी से बदल रहा है।

कोकराझाड़ में चुनाव खर्च की निगरानी पर जिला प्रशासन की अहम बैठक

कोकराझाड़ (विभास)। असम में होने वाले आगामी विधानसभा चुनाव 2026 की पूर्व तैयारियों के मद्देनजर, कोकराझाड़ के जिला आयुक्त (डीसी) और जिला चुनाव अधिकारी (डीईओ) पंकज चक्रवर्ती (एसीएस) ने आज एक महत्वपूर्ण बैठक की अध्यक्षता की। जिला कार्यालय में आयोजित इस बैठक में मुख्य रूप से चुनाव व्यय निगरानी की गतिविधियों पर चर्चा की गई। बैठक में विभिन्न बैंकों के प्रतिनिधियों, प्रमुख एजेंसियों और निर्वाचन विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों ने हिस्सा लिया। डीसी पंकज चक्रवर्ती ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि चुनाव के दौरान धन-बल के दुरुपयोग को रोकने के लिए सख्त निगरानी तंत्र स्थापित किया जाए। बैठक के दौरान जिला आयुक्त ने बैंकों को निर्देश दिए कि वे चुनाव आयोग के दिशा-निर्देशों के अनुसार संदिग्ध लेन-देन और भारी नकद निकासी पर पैनी नजर रखें। उन्होंने स्पष्ट किया कि चुनावी प्रक्रिया को निष्पक्ष और पारदर्शी बनाने के लिए बैंक और जिला प्रशासन के बीच रीयल-टाइम समन्वय आवश्यक है। इस महत्वपूर्ण बैठक में अतिरिक्त जिला आयुक्त (एडीसी), चुनाव अधिकारी, एलडीएम (एलडीएम) और अन्य संबंधित सरकारी विभागों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे। बैठक में व्यय निगरानी तंत्र को प्रभावी ढंग से लागू करने के लिए विभिन्न पहलुओं पर विस्तृत चर्चा की गई और आयोग द्वारा जारी नवीनतम गाइडलाइन्स की समीक्षा की गई।

रंगिया : संवाददाता दिनेश अग्रवाल रूपोही रंगिया-2026 सम्मान से सम्मानित

रंगिया (विभास)। वृहत्तर रंगिया क्षेत्र की प्रमुख सामाजिक-सांस्कृतिक स्वयंसेवी संस्था *रूपोही रंगिया* ने रंगिया के संवाददाता दिनेश अग्रवाल को प्रतिष्ठित *रूपोही रंगिया डिजिटल/प्रिंट मीडिया सम्मान-2026* से सम्मानित किया। यह सम्मान संस्था के सातवें स्थापना दिवस के अवसर पर रविवार को रंगिया आईटीआई (प्राइवेट) के सभागार में आयोजित भव्य समारोह में प्रदान किया गया।कार्यक्रम की शुरुआत मंगल गान और दीप प्रज्ज्वलन से हुई, जिसमें संस्था के संचालक अरूप कुमार दास ने सभी अतिथियों का स्वागत किया। मुख्य अतिथि के रूप में नगाड़ा नामक के प्रसिद्ध पाठक अच्युत मालाकर, कैलाश तालुकदार तथा सेवानिवृत्त अध्यापक पविन कलिता सहित कई गणमान्य लोगों ने शिरकत की। उल्लेखनीय है कि दिनेश अग्रवाल को यह सम्मान उनके लंबे समय से स्थानीय पत्रकारिता में उत्कृष्ट योगदान के लिए दिया गया है। बता दे कि पत्रकार दिनेश अग्रवाल असम के अग्रणी दैनिक समाचार पत्रों के माध्यम से रंगिया और आसपास के क्षेत्रों की सामाजिक, सांस्कृतिक, शैक्षिक और खेल संबंधी घटनाओं को पाठकों तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते आ रहे हैं।

रंगापाड़ा अअभोप की नई समिति गठित

शोणितपुर (हिंस)। शोणितपुर जिलांतर्गत रंगापाड़ा अखिल असम भोजपुरी परिषद (अअभोप) ईकाई की नई समिति का गठन किया गया है। आज रंगापाड़ा नगर स्थित शिव मंदिर प्रांगण में अअभोप की केंद्रीय समिति के सुबोध ठाकुर, शोणितपुर जिला अध्यक्ष संतोष साहनी, पप्पू राय और सभा के अध्यक्ष तथा रंगापाड़ा क्षेत्र अअभोप के पूर्व अध्यक्ष रोहित गुप्ता और सचिव पिंटू कुमार साह के नेतृत्व में पुरानी समिति को भंग कर नई समिति का गठन किया गया। अअभोप की रंगापाड़ा ईकाई के अध्यक्ष पिंटू कुमार साह, कार्यकारिणी अध्यक्ष जितेन्द्र जयसवाल, उपाध्यक्ष अर्जुन सिंह समेत अन्य पदाधिकारियों को शामिल कर नई समिति का गठन किया गया। आज की सभा में रंगापाड़ा के भोजपुरी भाषी सैकड़ों की संख्या में लोग उपस्थित थे।

असम लेखिका समारोह समिति, दिल्ली और गुरुग्राम शाखा का अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस आयोजित

नगांव (निसं)। अखिल लेखिका समारोह समिति की दिल्ली शाखा ने गुरुग्राम शाखा के सहयोग से 8 मार्च को श्रीमंत शंकरदेव भवन के प्रेक्षागृह में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस का आयोजन किया। गुरुग्राम शाखा की अध्यक्षा डॉ. गीता बरुवा नाथ के संचालन में आयोजित इस सभा में दिल्ली शाखा की संपादिका शर्मिष्ठा बर्मन ने सबसे पहले उपस्थित लोगों का स्वागत करते हुए कार्यक्रम के उद्देश्य पर प्रकाश डाला। इसके बाद दीप प्रज्वलन के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। अगले कार्यक्रम में दिल्ली शाखा की सांस्कृतिक संपादिका रीम पाठक के निर्देशन में *चिर स्नेही मोर भाषा जननी* गीत सामूहिक स्वर में प्रस्तुत किया गया। इसके बाद असम एसोसिएशन की अध्यक्ष दीपांजलि दत्ता ने भारत के स्वतंत्रता संग्राम में असमिया महिलाओं की भूमिका पर भाषण दिया। सभा में असम से आई लेखिकाओं डॉ. मरमी हजारिका राभा, बानी फुकन और रूपा चुतिया-को फूलाम गमोछा भेंट कर सम्मानित किया गया। इसके पश्चात डॉ. जयंतीमाला

देवी ने अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के महत्व पर संक्षिप्त वक्तव्य दिया। कार्यक्रम के अनुसार दिल्ली शाखा की ओर से विशेष महिला सम्मान भी प्रदान किया गया। सम्मानित व्यक्तियों में डॉ. मलया खौंद (दिल्ली शाखा की अध्यक्षा, जिन्होंने बारह से अधिक पुस्तकें लिखी हैं और *दादिबुड़ा* नामक एक उड़िया पुस्तक का अनुवाद कर साहित्य अकादमी पुरस्कार प्राप्त किया), डॉ. गीता बरुवा नाथ (एक कुशल चिकित्सक तथा गुरुग्राम शाखा की अध्यक्षा, जिन्होंने कई पुस्तकें प्रकाशित की हैं और साहित्य के क्षेत्र में विशेष पुरस्कार प्राप्त किए हैं), डॉ. जयंतीमाला देवी (असमिया भाषा के शुद्ध प्रयोग के प्रति जागरूकता फैलाने और विशेष रूप से अनुवाद साहित्य पर कार्य करने वाली, जिनकी अब तक सोलह पुस्तकें प्रकाशित हो चुकी हैं), तथा रूपशिखा सैकिया बोरा (दिल्ली स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स से स्नातक, चार्टर्ड अकाउंटेंट और ऑयल इंडिया लिमिटेड के वित्त विभाग की निदेशक के रूप में सेवानिवृत्त) शामिल थीं। इन सभी सम्मानित महिलाओं का परिचय अगमनी दत्ता ने उपस्थित लोगों के सामने प्रस्तुत किया। इसके बाद प्रसिद्ध गायिका झीम पाठक ने गीत प्रस्तुत कर दर्शकों को भावविभोर कर दिया। कार्यक्रम के अगले चरण में सात लेखिकाओं की पुस्तकों का लोकार्पण किया गया। इनमें डॉ. जयंतीमाला देवी, अरुणिमा शर्मा महापात्र, अवंती चक्रवर्ती, रूपांजलि सइकिया, श्यामलिमा काकती, डॉ. दीपज्योति कोंवर, शर्मिष्ठा बर्मन और रोजी बरुवा की पुस्तकें शामिल थीं। बाद मे अवंती चक्रवर्ती ने एकल अभिनय प्रस्तुत कर दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। कार्यक्रम के अंतिम चरण में डिमासा बैदिमा नृत्य और एक बिहू नृत्य प्रस्तुत किया गया। डिमासा नृत्य जॉनाली लांगथासा, सुस्मिता बर्मन, सुनंदा हासनु और शर्मिष्ठा बर्मन ने प्रस्तुत किया, जबकि बिहू नृत्य प्रीति फुकन ने प्रस्तुत किया। सभा के समापन पर सभी ने सामूहिक रूप से असमिया गीत प्रस्तुत किया।

शर्मा हार्डवेयर
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in
हिंदी दैनिक
गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

विकसित भारत समाचार

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

वर्ष : 12 | अंक : 216 | गुवाहाटी | गुरुवार, 12 मार्च, 2026 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 8 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

बिना हिंसा के हम बुंदेलखंड राज्य लेकर रहेंगे : राजा बुंदेला पेज 5
भारत के सबसे बड़े बिटकाइन घोटाले में पहली गिरफ्तारी, दो भाइयों ने ... पेज 6
खाड़ी क्षेत्र में संकट के कारण टी20 वर्ल्ड कप टीमों की वापसी में देरी : आईसीसी पेज 7
बेकार रस्सियों से बनाएं घर के लिए क्रिएटिव पेज 8

असम में एलपीजी का कोई संकट नहीं : सीएम

गुवाहाटी। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने बुधवार को कहा कि राज्य में एलपीजी सिलेंडर का कोई संकट नहीं है। यहां पत्रकारों से बात करते हुए शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार पश्चिम एशिया में चल रहे युद्ध की पृष्ठभूमि में देश भर में उत्पन्न हो रही स्थिति पर नजर रख रही है। उन्होंने कहा कि मैं इस मामले की जांच कर रहा हूं और घरेलू एलपीजी की कोई कमी नहीं है। भारत ने 40 देशों से गैस लाने की व्यवस्था की है। शर्मा ने आगे कहा कि रूस ने भारत को तेल और गैस भेजना शुरू कर दिया है। इसलिए, मुझे नहीं लगता कि एलपीजी की कोई कमी होगी। कोविड-19 महामारी के दौरान, जब ऑक्सीजन की उपलब्धता को लेकर व्यापक चिंताएं थीं, तब प्रधानमंत्री ने व्यक्तिगत रूप से पूरे देश में आपूर्ति सुनिश्चित करने के प्रयासों का समन्वय किया था। मुख्यमंत्री ने कहा कि इसी तरह, यदि एलपीजी आपूर्ति में कोई चुनौती उत्पन्न होती है, तो सरकार स्थिति को प्रभावी ढंग से संभालेगी। इससे पहले दिन में, सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी इंडियन ऑयल कॉर्प, जो पूरे पूर्वोत्तर बाजार के लगभग 85 प्रतिशत हिस्से को एलपीजी सिलेंडर की आपूर्ति करती है, ने कहा कि पश्चिम एशिया में युद्ध की पृष्ठभूमि में आने वाले समय में इस क्षेत्र में खाना पकाने के ईंधन की आपूर्ति करने के लिए उसके पास पर्याप्त स्टॉक है। आईओसी के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि पूर्वोत्तर में स्थित उसके सभी नौ बॉटलिंग प्लांट अपनी अधिकतम क्षमता से एलपीजी सिलेंडर का उत्पादन कर रहे हैं और सरकार के निर्देशों के अनुसार उनका वितरण कर रहे हैं। पूर्वोत्तर के संपूर्ण बाजार के लिए प्रतिदिन 14.2 किलोग्राम क्षमता वाले 1.91 लाख घरेलू सिलेंडरों की आवश्यकता है। इसमें से अकेले असम में 1.34 लाख सिलेंडरों की खपत होती है। 19 किलोग्राम सिलेंडर के वाणिज्यिक सेगमेंट में, पूर्वोत्तर बाजार का आकार 5,777 यूनिट प्रति दिन है, जिसमें असम में 4,112 यूनिट शामिल हैं।

सीएमएएए योजना के तहत लगभग 13 हजार युवाओं को मिली दूसरी किस्त

गुवाहाटी। असम सरकार ने बुधवार को मुख्यमंत्री के आत्मनिर्भर असम अभियान (सीएमएएए) 1.0 के तहत वित्तीय सहायता की दूसरी किस्त 12,900 युवा उद्यमियों को वितरित की, जिसमें उनके व्यवसायों के विस्तार में सहायता के लिए 2 लाख रुपए से 5 लाख रुपए तक की सहायता प्रदान की गई। मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने कहा कि दूसरी किस्त उन लाभार्थियों को दी गई है जिन्होंने प्रारंभिक वित्तीय सहायता का प्रभावी ढंग से उपयोग किया है और व्यवहार्य उद्यम स्थापित करने में प्रगति प्रदर्शित की है। कार्यक्रम के बाद मीडिया से बातचीत करते हुए शर्मा ने कहा कि यह योजना पहली बार सितंबर 2023 में असम के युवाओं में उद्यमिता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से शुरू की गई थी। उन्होंने कहा कि सितंबर 2023 में जब यह योजना शुरू की गई थी, तब 25,000 युवा पुरुषों और महिलाओं को 1 लाख रुपए की वित्तीय सहायता दी गई थी। जिन लोगों ने इस राशि का प्रभावी ढंग से उपयोग किया और अपने उद्यमों के निर्माण में प्रगति दिखाई, उन्हें अब सहायता की दूसरी किस्त मिल रही है। मुख्यमंत्री के अनुसार, लगभग 13,000 लाभार्थी एक व्यवहार्य व्यवसाय स्थापित करने के पहले मील के पत्थर को सफलतापूर्वक हासिल करने के बाद दूसरी किस्त के लिए पात्र हो गए हैं। शुरुआती अनुदान प्राप्त करने वाले 25,000 युवाओं में से लगभग 13,000 को आज दूसरी किस्त दी जा चुकी है। शेष 12,000 लाभार्थियों को पहली किस्त का सही उपयोग करने और प्रगति प्रदर्शित करने के लिए 90 दिनों का अतिरिक्त समय दिया गया है। एक बार जब वे मानदंडों को पूरा कर लेंगे, तो उन्हें भी अगली किस्त मिल जाएगी, शर्मा ने कहा। दूसरी किस्त का उद्देश्य उद्यमियों को अपने उद्यमों को बढ़ाने और अपनी वित्तीय स्थिरता को मजबूत करने में सक्षम बनाना है। सरकार लाभार्थियों के लिए बैंकों से संपर्क स्थापित करने में भी सहायता करेगी ताकि उन्हें ऋण आसानी से मिल सके। मुख्यमंत्री ने -शेष पृष्ठ छह पर

राइजर दल के साथ कांग्रेस का नहीं होगा गठबंधन : गौरव

गुवाहाटी (हि.स.)। इस वर्ष असम विधानसभा चुनाव में कांग्रेस ने राइजर दल के साथ गठबंधन की संभावनाओं पर विराम लगा दिया। असम प्रदेश कांग्रेस कमेटी (एपीसीसी) के अध्यक्ष एवं सांसद गौरव गोगोई ने बुधवार को विधानसभा चुनाव में राइजर दल के साथ गठबंधन न होने का औपचारिक एलान कर दिया है। असम प्रदेश कांग्रेस कमेटी (एपीसीसी) के अध्यक्ष एवं सांसद गौरव गोगोई नेयह जानकारी फेसबुक पर एक पोस्ट कर दी। अपनी पोस्ट में सांसद गौरव गोगोई ने लिखा है कि असम की जनता की चाहत के अनुसार आगामी विधानसभा चुनाव में एकजुट विपक्ष के रूप में लड़ने के लिए हम राइजर दल से गठबंधन करना चाहते थे। -शेष पृष्ठ छह पर

राज्य सरकार का बड़ा एलान

बरपेटा मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल के नाम से जाना जाएगा फखरुद्दीन अली अहमद मेडिकल कॉलेज

गुवाहाटी। असम सरकार ने पूर्व राष्ट्रपति फखरुद्दीन अली अहमद के नाम पर बने मेडिकल कॉलेज का नाम बदल दिया है। अब इसका नाम बरपेटा मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल करने का निर्णय लिया गया है। असम कैबिनेट की बैठक में ये फैसला लिया गया है। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने कहा कि पूर्व राष्ट्रपति फखरुद्दीन अली अहमद के नाम पर बने मेडिकल कॉलेज का नाम बदल दिया है। कैबिनेट की बैठक में इसे मंजूरी दी गई है। उन्होंने नाम बदलने के पीछे कारण भी बताया है। सीएम हिमंत ने कहा कि प्रदेश के अधिकांश सरकारी मेडिकिल कॉलेजों का नाम उन शहरों के नाम पर रखा गया है, जहां वे स्थित हैं। -शेष पृष्ठ छह पर

door graph Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

सुप्रभात

दंड से संपदा का आयोजन होता है।

– आचार्य चाणक्य

पीएम मोदी के कोकराझाड़ दौरे से पहले उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक, यातायात संबंधी चेतावनी जारी

चिरांग/कोकराझाड़। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कोकराझाड़ दौरे से पहले, 13 मार्च के कार्यक्रम की तैयारियों पर चर्चा करने के लिए गुरुवार को चिरांग जिले के धलीगांव स्थित बंगाईगांव रिफाइनरी टाउनशिप में मानस गेस्ट हाउस में एक उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में असम विधानसभा के अध्यक्ष बिस्वजीत डाइमरी, असम के मंत्री जयंत मल्ल बरुआ, बीटीसी के मुख्य कार्यकारी सदस्य हाग्रामा मोहिलारी, बीटीसी के उप प्रमुख रिहान डाइमरी, कई विधायक, कार्यकारी सदस्य और पार्षद, साथ ही विभिन्न बीटीसी जिलों के उपायुक्त, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक और अन्य अधिकारी उपस्थित थे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 13 मार्च को कोकराझाड़ का दौरा करेंगे। इस दौरे के दौरान, उनके द्वारा कई महत्वपूर्ण विकास परियोजनाओं की आधारशिला रखने की उम्मीद है, जयंत मल्ल बरुआ ने कहा। मंत्री ने आगे कहा कि कार्यक्रम में लगभग 1.5 लाख लोगों के शामिल होने की उम्मीद है। लोगों में उत्साह है। भारतीय जनता पार्टी और बोडोलैंड पीपुल्स फ्रंट के नेता आज इस बात पर चर्चा करने के लिए एकत्रित हुए कि इस कार्यक्रम का सफल आयोजन कैसे किया जा सकता है। मुझे विश्वास है कि कम से कम 1.5 लाख लोग इसमें भाग लेंगे, उन्होंने आगे कहा। इसी तरह की भावना व्यक्त करते हुए, बीपीएफ प्रमुख हाग्रामा मोहिलारी ने कहा कि क्षेत्र में सभी समुदायों और जनजातियों की भागीदारी सुनिश्चित करने के प्रयास किए जा रहे हैं। मोहिलारी ने कहा कि -शेष पृष्ठ छह पर

पीएम मोदी तीन शहरों में करेंगे रैली, चाय बागान श्रमिकों को देंगे जमीन का मालिकाना हक : मुख्यमंत्री शर्मा

गुवाहाटी। मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 13 और 14 मार्च को असम का दौरा करेंगे, जहां वे कई विकास परियोजनाओं का उद्घाटन करेंगे और चाय बागान समुदाय को भूमि अधिकार प्रमाण पत्र वितरित करेंगे। एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि पीएम मोदी गुवाहाटी में 10,000 रुपए की परियोजनाओं का शुभारंभ करेंगे। अपने दो दिवसीय दौरे के दौरान, प्रधानमंत्री कोकराझाड़, गुवाहाटी और सिलचर में जनसभाएं करेंगे। मुख्यमंत्री शर्मा ने बताया कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह 15 मार्च को गुवाहाटी में भाजपा के युवा संकल्प समावेश में शामिल होंगे। मुख्यमंत्री ने पत्रकारों से कहा कि सबसे पहले, वे (प्रधानमंत्री मोदी) कोकराझाड़ पहुंचेंगे और कोकराझाड़ से राष्ट्र को विभिन्न परियोजनाओं का लोकार्पण करेंगे। कोकराझाड़ की कुछ विशेष परियोजनाएं हैं जिनका उद्घाटन या शिलान्यास प्रधानमंत्री द्वारा किया जाएगा। 13 मार्च को, वे गुवाहाटी आएंगे और गुवाहाटी से ही किसान सम्मान निधि की एक किस्त जारी करेंगे। उन्होंने आगे कहा कि इस यात्रा का मुख्य आकर्षण चाय बागान समुदाय को भूमि पट्टे का वितरण होगा। चाय बागान समुदाय पिछले 200 वर्षों से असम में रह रहा है, लेकिन उन्हें आज तक भूमि अधिकार नहीं मिले हैं। इसलिए, पहला भूमि पट्टा या भूमि -शेष पृष्ठ छह पर

न्यूज गैलरी

गारो पहाड़ में हिंसा के चलते टला ऑटोनॉमस डिस्ट्रिक्ट काउंसिल का चुनाव

शिलांग (हि.स.)। मेघालय सरकार ने राज्य में हिंसा चलते 10 अप्रैल को होने वाले गारो हिल्स ऑटोनॉमस डिस्ट्रिक्ट काउंसिल (जीएचएडीसी) के चुनाव टालने का फैसला लिया है। मंगलवार को हिंसक घटनाओं में दो लोगों की मौत हो गई और कई लोग घायल हो गए थे। बुधवार को -शेष पृष्ठ छह पर

होर्मुज में इंडिया आ रहे जहाज पर मिसाइल अटैक, मचा हड़कंप

नई दिल्ली। होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजरते समय थाई ध्वज वाले एक मालवाहक पोत पर हमला हुआ, जिसके बाद थाईलैंड की नौसेना और अंतर्राष्ट्रीय समुद्री अधिकारियों ने तुरंत कार्रवाई की। थाई अधिकारियों के अनुसार, ओमान के तट के पास रणनीतिक जलमार्ग में नौकायन करते समय मालवाहक पोत मयूरी नारी पर ईरानी मिसाइलों से हमला किया गया। यह घटना ओमान के तट से लगभग -शेष पृष्ठ छह पर

लखीमपुर में टोल गेट से कार की टक्कर, एक ही परिवार के चार की मौत

उत्तर लखीमपुर। बुधवार को लखीमपुर जिले में एक अप्रयुक्त टोल गेट पर हुई एक दुखद दुर्घटना में एक ही परिवार के चार सदस्यों की मौत हो गई। यह हादसा बांदरदेवा पुलिस चौकी के अंतर्गत पथली पहाड़ पर दोपहर करीब 3.30 बजे हुआ, जब उनकी कार राष्ट्रीय राजमार्ग 15 पर एक सुनसान टोल प्लाजा पर डिवाइडर से टकरा गई। मृतकों की पहचान वाहन चला रहे दीपांकर हजारिका और उनकी पत्नी पोरी हजारिका के रूप में हुई है, जिनकी मौके पर ही मृत्यु हो गई। उनकी एक वर्षीय बेटी बिदिशा हजारिका और दीपांकर के पिता जग्याराम हजारिका ने अस्पताल ले जाते समय दम तोड़ दिया। पंजीकरण संख्या एएस07जे 6514 वाला वाहन कथित तौर पर टोल प्लाजा पर एक डिवाइडर से टकरा गया, जो पिछले पांच वर्षों से अप्रयुक्त पड़ा है। खबरों के मुताबिक, परिवार केटेला कैथोलिक अस्पताल से लौट रहा था, जहां दीपांकर अपने बीमार पिता को इलाज के लिए ले गया था। इसके बाद परिवार लखीमपुर के हारमुट्टी स्थित अपने घर -शेष पृष्ठ छह पर

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला को हटाने का विपक्ष का प्रस्ताव खारिज

नई दिल्ली (हि.स.)। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला के खिलाफ विपक्ष का उन्हें पद से हटाए जाने का प्रस्ताव बुधवार को ध्वनि मत से खारिज कर दिया गया। गृहमंत्री अमित शाह के वक्तव्य के बाद विपक्ष के हंगामे के बीच प्रस्ताव पर मत विभाजन हुआ। प्रस्ताव कांग्रेस के सदस्य मोहम्मद जावेद ने पेश किया था। इस दौरान अध्यक्षीय चेयर पर पीठासीन अधिकारी जगदंबिका पाल मौजूद थे। लोकसभा अध्यक्ष के खिलाफ प्रस्ताव खारिज होने के बाद कार्यवाही दिनभर के लिए स्थगित कर दी गई। गृहमंत्री अमित शाह के वक्तव्य के दौरान ही विपक्षी सदस्य सदन के बीचोंबीच आकर हंगामा करने लगे। इसी बीच प्रस्ताव पर मत विभाजन हुआ और ध्वनि मत से प्रस्ताव को अस्वीकृत कर दिया गया। पीठासीन अधिकारी जगदंबिका पाल ने कहा कि प्रस्ताव अध्यक्ष के खिलाफ लाया गया था लेकिन कई सदस्यों -शेष पृष्ठ छह पर

बुकिंग के ढाई दिन के अंदर मिलेगा घरेलू गैस सिलेंडर : केंद्र

नई दिल्ली (हि.स.)। केंद्र सरकार का कहना है कि देश में कच्चे तेल का आयात बाधित नहीं है और विविध स्रोतों से आवश्यकता के अनुरुप आयात सुनिश्चित किया जा रहा है। वहीं, घरेलू गैस की सप्लाई कुछ हद तक बाधित होने के कारण सरकार प्राथमिकता के आधार पर सप्लाई सुनिश्चित कर रही है। लोगों को घबराने की जरूरत नहीं है। वर्तमान में बुकिंग के ढाई दिन के अंदर सिलेंडर उपलब्ध कराया जा रहा है। कालाबाजारी रोकने के लिए क्यूआर कोड के जरिए बुकिंग की व्यवस्था की गई है। पश्चिम एशिया में युद्ध के हालात के बीच ईरान के करीब जलमार्ग होरमुज जलडमरूमध्य से जहाजों की आवाजाही बाधित है। इस कारण इस मार्ग से विभिन्न देशों को होने वाला आयात प्रभावित है, भारत भी इससे अछूता नहीं है। इसे देखते हुए आज सरकार ने स्थिति स्पष्ट करने के लिए राष्ट्रीय मीडिया केंद्र में विभिन्न मंत्रालयों की ओर से संयुक्त प्रेस वक्तव्य दिया। पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय में संयुक्त सचिव सुजाता शर्मा ने बताया -शेष पृष्ठ छह पर

ईरान का यूएन को सख्त संदेश : हमले रुकवाओ, चुप्पी पड़ेगी दुनिया पर भारी

तेहरान। मिडिल ईस्ट में बढ़ते सैन्य तनाव के बीच सैयद अब्बास अराघची ने यूनाइटेड नेशन से अमेरिका और इजरायल के हमलों की खुलकर निंदा करने की मांग की है। ईरान के विदेश मंत्रालय के अनुसार अराघची ने यह बात एन्टोनियो गुटारेस, महासचिव यूनाइटेड नेशन, से फोन पर हुई बातचीत के दौरान कही। ईरानी विदेश मंत्री ने कहा कि क्षेत्र में जारी हमलों के दौरान स्कूल, अस्पताल, रिहायशी इलाके, ऐतिहासिक इमारतें जैसी नागरिक जगहों को निशाना बनाया गया है। उन्होंने इसे अंतर्राष्ट्रीय कानून और मानवीय कानून के सिद्धांतों का खुला उल्लंघन बताया। अराघची ने कहा कि ईरान को इस *थोपे गए युद्ध* में आत्मरक्षा का अधिकार है। उन्होंने पहले ही चेतावनी दी थी कि यदि -शेष पृष्ठ छह पर

कभी भी कर सकता हूं युद्ध खत्म : ट्रंप

वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि ईरान के साथ चल रहा युद्ध जल्द खत्म हो सकता है, क्योंकि अब हमले के लिए ज्यादा टारगेट नहीं बचे हैं। ट्रंप ने कहा कि युद्ध थोड़ा-बहुत बाकी है, मैं जब भी चाहूंगा, यह युद्ध खत्म हो जाएगा। हालांकि ट्रंप के बयान के बावजूद -शेष पृष्ठ छह पर

इच्छामृत्यु को सुप्रीम कोर्ट की रजामंदी

12 साल से कोमा में रहने वाले हरीश राणा को मिलेगी मौत

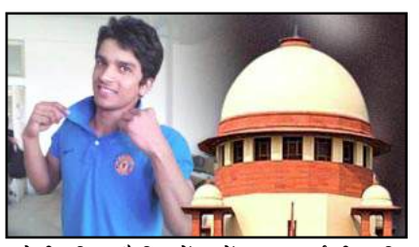

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने आज बुधवार को अपने एक फैसले के तहत 31 साल के आदमी को पैसिव यूथेनेशिया की इजाजत दे दी, जो 12 साल से अधिक समय से कोमा में है। इसके लिए कोर्ट ने उसका आर्टिफिशियल लाइफ सपोर्ट हटा दिया। पैसिव यूथेनेशिया एक ऐसी प्रक्रिया है जिसमें किसी मरीज को जान-बूझकर मरने दिया जाता है, इसके लिए उसे लाइफ सपोर्ट या जिंदा रखने के लिए जरूरी इलाज रोक दिया जाता है या हटा दिया जाता है। देश की सबसे बड़ी अदालत ने गाजियाबाद के 32 साल के हरीश राणा के लिए निष्क्रिय इच्छामृत्यु की अनुमति दे दी है। बेटे की मौत की गुहार लगाते हुए पिता ने सुप्रीम कोर्ट में गुहार लगाई थी। जस्टिस जेबी पारदीवाला और जस्टिस केवी विश्वनाथन की बेंच यह फैसला सुनाया। इच्छामृत्यु की मांग वाली याचिका पर जस्टिस -शेष पृष्ठ छह पर

संपादकीय

संसद में चर्चा का ड्रामा

संसद के बजट सत्र का दूसरा चरण 9 मार्च, सोमवार, को शुरू हुआ, लेकिन हंगामे, नारेबाजी, पोस्टरबाजी की बलि चढ़ गया। अजीब सियासी ड्रामा देखने को मिला। विपक्ष ने लोकसभा स्पीकर ओम बिरला के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव दिया था, जिसे कार्यसूची में रखा गया। अर्थात प्रस्ताव पर चर्चा होगी और फिर मत-विभाजन होगा। कायदे से विपक्ष को अविश्वास प्रस्ताव पर चर्चा का आगाज करना चाहिए था, लेकिन उसने ईरान युद्ध और उससे प्रभावित हालात पर वैकल्पिक चर्चा की नई मांग की। विदेश मंत्री एस. जयशंकर को अपना वक्तव्य शोर के बीच ही पढ़ना पड़ा। उधर राज्यसभा में भी ईरान युद्ध पर चर्चा के लिए नियम 267 के तहत नोटिस दिए गए। अविश्वास प्रस्ताव स्पीकर के खिलाफ था, लिहाजा विपक्ष की नई मांग को खारिज कर दिया गया और स्पीकर के मुद्दे पर चर्चा के लिए आग्रह पीठासीन अधिकारी ने किया और संसदीय कार्य मंत्री रिजिजू ने भी कहा। नतीजतन हंगामा होता रहा। अंततः लोकसभा की कार्यवाही अगले दिन तक स्थगित करनी पड़ी। सवाल है कि लोकसभा में विरोधाभास की स्थिति थी, लेकिन राज्यसभा में ईरान युद्ध पर चर्चा क्यों नहीं कराई गई? वीपी सिंह और अटलबिहारी वाजपेयी के प्रधानमंत्री कालों के दौरान हमारी संसद ने ऐसे युद्धों, हमलों पर चर्चा की थी और हमलावर आक्रांता देश की निंदा की थी। लिहाजा ऐसी चर्चाओं की संसदीय परंपरा रही है। कमोबेश राज्यसभा में तो अविश्वास प्रस्ताव जैसा कोई महत्वपूर्ण विषय कार्यसूची में नहीं था। ईरान और खाड़ी के अन्य अरब देशों में तबाही का जो दौर चल रहा है, भारत उससे अछूता नहीं है। बल्कि भारत भी प्रभावित हो रहा है, बेशक सरकारी सूत्र कुछ भी दावे करते रहें। कच्चे तेल की कीमत 118 डॉलर प्रति बैरल तक उछली। शुक्र है कि अंततः यह कीमत 96.88 डॉलर तक लुढ़क गई। मीडिया में यह कीमत 102 डॉलर भी छपी है। यदि कच्चे तेल के दाम 120 डॉलर हो जाते हैं, तो विश्व में 0.4 फीसदी महंगाई बढ़ेगी। दस मार्च मंगलवार की दोपहर में कच्चे तेल की कीमत गिर कर 90 डॉलर पर आ गई। संभावनाओं के मद्देनजर तेल की कीमतें 200 डॉलर प्रति बैरल के 'चरम' तक पहुंचती हैं, तो दुनिया में औसतन जीडीपी 2 फीसदी कम हो सकती है। यदि ईरान युद्ध 15 और दिन जारी रहा, तो तेल 150 डॉलर तक महंगा होना लगभग तय है। चूंकि ईरान के लगातार हमलों के मद्देनजर सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात, बहरीन, कतर, कुवैत आदि खाड़ी देशों ने तेल और गैस के उत्पादन कम कर दिए हैं अथवा बंद करने पड़े हैं, क्योंकि रिफाइनरियां, तेल डिपो और ठिकाने धू-धू करके जल रहे हैं। नतीजतन विश्व में तेल और गैस का व्यापक संकट सामने दिख रहा है। कोई भी देश मुगालते में न रहे। अमरीका को लेकर 1929 वाली 'महामंदी' के आकलन सामने आ रहे हैं। युद्ध के 10 दिनों में अमरीका को करीब 6 अरब डॉलर खर्च करने पड़े हैं। यह उसके बजट से परे की यथार्थ स्थिति है। भारत की बात करें, तो हमारे 4 लाख टन बासमती चावल का निर्यात अवरुद्ध हो गया है। करीब 41,000 करोड़ रुपए के इलेक्ट्रॉनिक्स सामान का निर्यात फंसा है। करीब 5000 करोड़ रुपए की दवाओं का निर्यात रुक गया है। चीनी, चाय, मांस, फल और डेयरी उत्पादों की कीमत करोड़ों में है, जो युद्ध के कारण फंसे हुए हैं। अनुमान है कि करीब 1 लाख करोड़ रुपए का भारतीय निर्यात प्रभावित हुआ है, जाहिर है कि इसका असर हमारी अर्थव्यवस्था पर भी पड़ेगा। क्या ऐसे विषय पर संसद में चर्चा नहीं होनी चाहिए? सांसद शशि थरूर का कहना उचित है कि संसद हमारे लोकतंत्र का सर्वोच्च मंच है, वहां बहस होनी चाहिए। संसद 'नोटिस बोर्ड' नहीं है कि मंत्री ने वक्तव्य दे दिया और मुद्दे का इति सिद्धम। खाड़ी देशों के साथ भारत का 200 अरब डॉलर का कारोबार है। यदि भारत पर युद्ध का कोई भी असर नहीं है, तो बेंगलुरु में होटलों ने बंद होने की घोषणा क्यों की है? राजधानी दिल्ली में भी रेस्तरां एसोसिएशन ने कमर्शियल गैस की उचित आपूर्ति न किए जाने पर होटल, रेस्तरां बंद करने की चेतावनी क्यों दी है? तेल कंपनियों ने वितरकों को गैस सप्लाई रोकने के आदेश क्यों दिए हैं? जरूर ऐसा कुछ है, जो सरकार देश से छिपा रही है। अलबत्ता संसद में चर्चा तो होनी ही चाहिए। दलीय राजनीति के कारण असल मुद्दों पर संसद में चर्चा नहीं हो पा रही है। यह देशहित में नहीं है। दलीय राजनीति को किनारे रखकर चर्चा होनी चाहिए।

विपक्ष ने लोकसभा स्पीकर ओम बिरला के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव दिया था, जिसे कार्यसूची में रखा गया। अर्थात प्रस्ताव पर चर्चा होगी और फिर मत-विभाजन होगा। कायदे से विपक्ष को अविश्वास प्रस्ताव पर चर्चा का आगाज करना चाहिए था, लेकिन उसने ईरान युद्ध और उससे प्रभावित हालात पर वैकल्पिक चर्चा की नई मांग की। विदेश मंत्री एस. जयशंकर को अपना वक्तव्य शोर के बीच ही पढ़ना पड़ा। उधर राज्यसभा में भी ईरान युद्ध पर चर्चा के लिए नियम 267 के तहत नोटिस दिए गए। अविश्वास प्रस्ताव स्पीकर के खिलाफ था, लिहाजा विपक्ष की नई मांग को खारिज कर दिया गया और स्पीकर के मुद्दे पर चर्चा के लिए आग्रह पीठासीन अधिकारी ने किया और संसदीय कार्य मंत्री रिजिजू ने भी कहा। नतीजतन हंगामा होता रहा। अंततः लोकसभा की कार्यवाही अगले दिन तक स्थगित करनी पड़ी। सवाल है कि लोकसभा में विरोधाभास की स्थिति थी, लेकिन राज्यसभा में ईरान युद्ध पर चर्चा क्यों नहीं कराई गई? वीपी सिंह और अटलबिहारी वाजपेयी के प्रधानमंत्री कालों के दौरान हमारी संसद ने ऐसे युद्धों, हमलों पर चर्चा की थी और हमलावर आक्रांता देश की निंदा की थी। लिहाजा ऐसी चर्चाओं की संसदीय परंपरा रही है। कमोबेश राज्यसभा में तो अविश्वास प्रस्ताव जैसा कोई महत्वपूर्ण विषय कार्यसूची में नहीं था। ईरान और खाड़ी के अन्य अरब देशों में तबाही का जो दौर चल रहा है, भारत उससे अछूता नहीं है।

भारत सरकार भी इन विदेशों हरामखोर चालों से सावधान है और जो जवाबी कूटनीतिक मोर्चेबंदी करती जा रही है

जितनी जल्दी अमेरिका, भारत के कूटनीतिक संदेशों को समझ लेगा, उसकी तिलमिलाहट दूर हो जाएगी!

कमलेश पांडेय

समकालीन कलह के लिए अमेरिका-यूरोप की साम्राज्यवादी शह-मात के खेल जिम्मेदार हैं। इसमें जिस तरह से अरब व खाड़ी देश पिस रहे हैं, यूक्रेन से लेकर ईरान तक बर्बादी ही बर्बादी नजर आ रही है, वह भारतीय कूटनीति के लिए एक अलग ही चुनौती पैदा करती जा रही है। लेकिन हमारी जेन-जेड पीढ़ी इतनी जांबाज और कार्यकुशल है कि निकट भविष्य में एक मजबूत भारत का डंका पीट देगी और दुनिया के मुल्क देखते रह जाएंगे। कहना न होगा कि जिस तरह से रायसीना डायलॉग 2026 में अमेरिकी उप विदेश मंत्री क्रिस्टोफर लैंडौ ने अपने बेबाक अंदाज में कहा कि अमेरिका, भारत को चीन जैसी आर्थिक सुविधाएं नहीं देगा, क्योंकि इससे चीन प्रतिद्वंद्वी बन गया। उनका तातपर्य यह कि चीन के अभूतपूर्व विकास का दंश झेल रहा अमेरिका अब यह कभी नहीं चाहेगा कि भारत भी उसी वैश्विक स्थिति को प्राप्त करे।

वैश्विक सम्बन्धों को नया आयाम देने वाले रायसीना डायलॉग 2026 में अमेरिकी उपविदेश मंत्री क्रिस्टोफर लैंडौ के एक बेबाक से अब यह बात साफ हो चुकी है कि जब भारत के दोस्त अमेरिका जैसे हों, तो उसे बर्बाद होने के लिए चीन जैसे आस्तीन के सांपों की भी जरूरत नहीं पड़ेगी। तब शायद यूरोप और रूस मिलकर भी भारत को न बचा पाएं। ऐसा इसलिए कि जो जहर ब्रिटेन और अमेरिका जैसे साम्राज्यवादी देशों के दिलोदिमाग में भरा हुआ है, उससे न तो ब्रिटेन का कल्याण हुआ, न ही अमेरिका का होगा। हां, इनकी क्षुद्र चालों से भारतीय उपमहाद्वीप और अरब-खाड़ी देशों में भयंकर धार्मिक कलह पैदा होगी। हालांकि भारत सरकार भी इन विदेशों हरामखोर चालों से सावधान है और जो जवाबी कूटनीतिक मोर्चेबंदी करती जा रही है, वैसी बानगी अतीत में कभी नहीं दिखती। इसलिए भारत का भविष्य उज्ज्वल है। वह वीर भोग्या वसुंधरा की तर्ज पर वसुधैव कुटुम्बकम और सर्वे भवंतु सुखिनः की राह पर अग्रसर है। समकालीन कलह के लिए अमेरिका-यूरोप की साम्राज्यवादी शह-मात के खेल जिम्मेदार हैं। इसमें जिस तरह से अरब व खाड़ी देश पिस रहे हैं, यूक्रेन से लेकर ईरान तक बर्बादी ही बर्बादी नजर आ रही है, वह भारतीय कूटनीति के लिए एक अलग ही चुनौती पैदा करती जा रही है। लेकिन हमारी जेन-जेड पीढ़ी इतनी जांबाज और कार्यकुशल है कि निकट भविष्य में एक मजबूत भारत का डंका पीट देगी और दुनिया के मुल्क देखते रह जाएंगे। कहना न होगा कि जिस तरह से रायसीना डायलॉग 2026 में अमेरिकी उप विदेश मंत्री क्रिस्टोफर लैंडौ ने अपने बेबाक अंदाज में कहा कि अमेरिका, भारत को चीन जैसी आर्थिक सुविधाएं नहीं देगा, क्योंकि इससे चीन प्रतिद्वंद्वी बन गया। उनका तातपर्य यह कि चीन के अभूतपूर्व विकास का दंश झेल रहा अमेरिका अब यह कभी नहीं चाहेगा कि भारत भी उसी वैश्विक स्थिति को प्राप्त करे। हालांकि, हमारे दिग्गज विदेश मंत्री एस जयशंकर ने इसका तगड़ा जवाब देते हुए स्पष्ट किया कि भारत का उदय (अभ्युदय) अपनी आंतरिक शक्ति और क्षमताओं से होगा, न कि दूसरों की गलतियों पर निर्भर रहकर। इसे अंतरराष्ट्रीय

कूटनीतिक बयानबाजी में नहले पर दहले की तरह लिया गया और इसपर गंभीर बहस छिड़ी हुई है। अमेरिकी उपविदेश मंत्री क्रिस्टोफर लैंडौ ने रायसीना संवाद में चेतावनी दी कि अमेरिका भारत को वह आर्थिक लाभ नहीं देगा जो उसने चीन को दिए थे, क्योंकि इससे चीन वैश्विक प्रतिद्वंद्वी बन गया। उनका यह बयान भारत-अमेरिका आर्थिक संबंधों पर सवाल उठाता प्रतीत होता है। भारतीय विदेश मंत्री जयशंकर ने उनके ईर्ष्यालु बयान के दो दिन बाद दो टूक शब्दों में साफ-साफ कहा कि, "देशों का उत्थान खुद तय होता है। भारत का उदय हमारी ताकत से निर्धारित होगा, न कि दूसरों की गलतियों से।" उन्होंने हिंद महासागर क्षेत्र में भारत की केंद्रीय भूमिका पर जोर दिया, और इशारा किया कि यहां सहयोग करने वालों को ही अधिक लाभ मिलेगा। यह वैचारिक घटना मार्च 2026 के रायसीना डायलॉग से जुड़ी है, जहां जयशंकर ने भारत की स्वतंत्र नीतियों को रेखांकित किया। यह रूस, चीन, यूरोपीय-संघ, अरब-खाड़ी देशों, जापान-कोरिया, आशियान देशों, ऑस्ट्रेलिया, अफ्रीका के देशों, दक्षिण अमेरिका के देशों और कनाडा आदि को वह बेबाक कूटनीतिक संदेश है जो वैश्विक संघर्षों में भारतीय उपमहाद्वीप के प्रभुत्वशाली देश भारत के अंतरराष्ट्रीय महत्व को उजागर करता है। अमेरिका जैसे देश भारत की गुटनिरपेक्षता और रणनीतिक स्वायत्तता की अडिग नीति बौखलाहट दिखा रहे हैं, जो खिसियानी बिल्ली खम्भा नोचे वाली कहावत को चरितार्थ करते हैं। ऐसा इसलिए कि रायसीना डायलॉग 2026 में अमेरिकी उप विदेश मंत्री क्रिस्टोफर लैंडौ के बयान पर भारत के विदेश मंत्री जयशंकर ने स्पष्ट किया कि भारत का उदय अपनी आंतरिक शक्ति से होगा। उन्होंने कहा कि देशों का उत्थान खुद तय होता है, न कि दूसरों की गलतियों पर निर्भर। जयशंकर ने जोर देकर कहा कि भारत हिंद महासागर क्षेत्र में केंद्रीय भूमिका निभाएगा, जहां सहयोग करने वालों को अधिक लाभ मिलेगा। उन्होंने अमेरिकी चेतावनी को खारिज करते हुए भारत की स्वतंत्र क्षमताओं पर भरोसा जताया। यह जवाब रायसीना डायलॉग के सत्रों के दौरान आया, जहां जयशंकर ने वैश्विक साझेदारियों पर भारत की रणनीति रेखांकित की। उल्लेखनीय है कि विदेश मंत्री एस जयशंकर ने 2025 में रूस यात्रा के दौरान एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में दो टूक शब्दों में अमेरिकी विदेश नीति को "पेरप्लेक्सेड" (perplexed)/ (कन्फ्यूजिंग या समझ से परे) कहा। इसका कारण स्पष्ट करते हुए जयशंकर ने बताया कि अमेरिका ने पहले भारत को रूस से तेल खरीदने की अनुमति दी थी ताकि वैश्विक ऊर्जा बाजार स्थिर रहे। लेकिन बाद में उसी रूसी तेल खरीद पर भारत पर टैरिफ लगाने की नीति अपना ली, जो विरोधाभासी लगती है। इसलिए अतिरिक्त टिप्पणी करते हुए उन्होंने जोर दिया कि भारत न तो रूसी तेल का सबसे बड़ा खरीदार है (क्योंकि ऐसा चीन है) और न ही एलएनजी (LNG) का (क्योंकि ऐसे यूरोपीय देश हैं), फिर भी भारत पर विशेष रूप से टारगेट क्यों? यह अमेरिकी नीति उनकी समझ से बाहर थी। इस बात में कोई दो राय नहीं कि भारत के प्रति अमेरिका का नजरिया पूरी तरह से नकारात्मक नहीं है, बल्कि दोनों देशों के बीच मजबूत रणनीतिक साझेदारी है, लेकिन व्यापार, भू-राजनीति और घरेलू नीतियों पर मतभेद तनाव पैदा करते हैं। इससे व्यापारिक विवाद पैदा होते हैं। ट्रंप प्रशासन ने भारत के रूसी तेल खरीद पर जो 25% टैरिफ लगाया था, उसे भारत ने अपनी संप्रभुता का उल्लंघन बताया। चूंकि अमेरिका भारत से डेयरी और कृषि उत्पादों पर टैरिफ कम करने की मांग करता रहा है, लेकिन भारत ने अपने स्थानीय हितों की रक्षा की है, इसलिए अमेरिकी बौखलाहट स्वाभाविक है। जहां तक भू-राजनीतिक मतभेद की बात है तो भारत के रूस और ईरान से रक्षा व ऊर्जा संबंध अमेरिका को चिंतित करते हैं, जिसके कारण प्रतिबंधों की धमकियां दी गईं। वहीं ऐतिहासिक रूप से 1974-98 के परमाणु परीक्षणों पर अमेरिका ने कड़े प्रतिबंध लगाए थे। उसकी मानवाधिकार चिंताएं भी गैरवाजिब हैं क्योंकि अमेरिकी रिपोर्ट्स में भारत में धार्मिक अल्पसंख्यकों, पत्रकारों और असहमतियों पर 'गंभीर उल्लंघन' की आलोचना की गई। वहीं खालिस्तानी मुद्दे और आंतरिक राजनीति पर भी बयानबाजी ने तनाव बढ़ाया। इससे अमेरिका को कुछ नहीं हासिल होने वाला है क्योंकि उसके यूरोपीय मित्र तक उससे दूर जाने की राह तलाश रहे हैं। भारत-यूरोपीय संघ के नजदीक आने की एक वजह यह भी है। इसकी खिसियाहट में अमेरिका ने बेनेजुएला और ईरान के राष्ट्रपतियों के साथ जो सुलूक किए, उससे उसकी वैश्विक दबंगई भले बढ़ी, लेकिन भारत में एक कहावत है कि हर गुंडा 12 वर्षों के उत्पात के बाद मारा जाता है। शायद रूस-चीन का शह पाकर मुस्लिम देशों का संघ ओआईसी भी अमेरिका के साथ कुछ यही करें। यह उसके लिए बहुत बड़ी दुर्भाग्यपूर्ण घटना होगी और इससे यूरोपीय वैभव लौट सकता है। भारत के लिए यह न तो सुखद न ही दुःखद स्थिति होगी।

देश | दुनीया से

समरसता की चेतना का पोषण दूर करेगा विभाजन

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) द्वारा प्रस्तावित नए नियमों को लेकर देशभर में विवाद पूरी तरह थमा नहीं है। बुद्धिजीवी वर्ग से लेकर शिक्षाविदों, छात्र संगठनों और आम नागरिकों तक, विभिन्न स्तरों पर इस प्रस्ताव का विरोध दिखाई दे रहा है। आलोचकों का मानना है कि इन नियमों से उच्च शिक्षा की स्वायत्तता और शैक्षणिक ढांचे पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है, जबकि सरकार और आयोग का तर्क है कि ये बदलाव शिक्षा व्यवस्था को अधिक पारदर्शी और प्रभावी बनाने के उद्देश्य से किए जा रहे हैं। यही कारण है कि यह मुद्दा केवल शैक्षणिक संस्थानों तक सीमित न रहकर सार्वजनिक बहस का विषय बन गया है। इस विरोध की तीव्रता का अंदाज़ा राजधानी दिल्ली में हुए प्रदर्शनों से लगाया जा सकता है। जंतर-मंतर पर बड़ी संख्या में प्रदर्शनकारी एकत्रित हुए और यूजीसी द्वारा प्रस्तावित नियमों का खुलकर विरोध किया। गौरतलब है कि कुछ ही दिनों पूर्व में जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय की कुलपति शांतिश्री धुलिपुड़ी पंडित से विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के 'प्रमोशन ऑफ इक्विटी इन हायर एजुकेशन इंस्टीट्यूशंस रेगुलेशन्स, 2026' के संदर्भ में पूछे गए प्रश्न के उत्तर ने व्यापक बहस को उत्पन्न कर दिया। अवांछित तर्कों के बीच हमें एक गंभीर विषय पर विचार करने की आवश्यकता है कि क्या वास्तव में हमारे उच्च शिक्षण संस्थानों में जाति-आधारित भेदभाव उस रूप में विद्यमान है, जिस रूप में यह प्रचारित और प्रसारित किया जा रहा है? सत्ताईस वर्षों के अध्यापन अनुभव और हजारों विद्यार्थियों के निकट संपर्क के आधार पर मेरा अनुभव रहा है कि महाविद्यालयीन परिसर जातिगत भेदभाव से मुक्त सामाजिक संरचना का उदाहरण प्रस्तुत करते हैं। वहां का वातावरण मूलतः संवाद, सहभागिता और मित्रता के आधार पर विकसित होता है, जहां पारस्परिक संबंध जातिगत पहचान के बजाय मानवीय संपर्क और साझा शैक्षणिक जीवन से निर्मित होते हैं। दुर्भाग्य यह है कि भारतीय समाज आज जातिगत विमर्श के ऐसे जाल में उलझता जा रहा है, जहां पूर्व धारणाएं प्रायः तथ्यों पर भारी पड़ती प्रतीत होती हैं। हम वास्तविकताओं की शांत और गहन पड़ताल करने के बजाय प्रचलित मान्यताओं को ही अंतिम सत्य मान लेने की प्रवृत्ति विकसित कर चुके हैं। यह भी एक व्यापक धारणा बन गई है कि भारतीय परंपराएं स्वयं जातिगत भेदभाव का पोषण करती रही हैं परंतु क्या यह सत्य है? या ऐसा कुछ है जिससे हम परिचित नहीं हैं। एएल बाशम ने 1954 में 'द वन्डर दैट वाज इण्डिया' में लिखा था कि 'मध्य युग के पूर्व भारत में जाति व्यवस्था सरल थी।' बहुत से उदाहरण ऐसे भी मिलते हैं जहां वर्ग परिवर्तित होता रहा है। कार्य को बदलने पर सामाजिक स्थिति बदलती रहती है। वैदिक वाङ्मय और प्राचीन संस्कृत साहित्य में कहीं भी जाति व्यवस्था या अस्पृश्यता के उदाहरण परिलक्षित नहीं होते हैं। शूद्र' शब्द को 'क्षुद्र' से बना हुआ मानना भाषाशास्त्रीय रूप से प्रामाणित नहीं है। इसकी व्युत्पत्ति को लेकर विद्वानों में मतभेद हैं, अतः इसे सीधे 'हीन' अर्थ से जोड़ना उचित प्रतीत नहीं होता। अथर्ववेद के शब्दों की निरुक्ति में अपने श्रम के स्वेद (पसीने) से विविध उत्पादकीय कार्य में रत वर्ग को शूद्र कहा गया है। अर्थात् परिश्रमपूर्वक विविध प्रकार की मूल्यवान वस्तुओं के उत्पादन में रत (संलग्न) रहने वाले वर्ग को शूद्र कहकर संबोधित किया गया। इसमें किंचित भी संशय नहीं कि भारत पर हुए बाहरी आक्रमणों से पूर्व अपने उत्पादन कार्यों के प्रतिफल के स्वरूप शूद्र का समाज में आर्थिक एवं सामाजिक दृष्टिकोण से उच्च स्थान था। इसलिए कामन्दक नीतिसार में कहा गया है कि राजा को नया नगर बसाते समय शूद्र जो कि विभिन्न मूल्यवान वस्तुएं उत्पादित करते हैं उन्हें व वैश्य जो उन वस्तुओं के व्यापार से आय उत्पन्न करके राजस्व बढ़ाते हैं उन्हें अधिक संख्या में बसाना चाहिए। एगंस मेड्सिन ने अपने अध्ययन में स्पष्ट उल्लेखित किया है कि विश्व का एक-तिहाई उत्पादन भारत में होने व प्राचीन वाङ्मय के अनुसार समग्र उत्पादन का दायित्व शूद्रों के नियंत्रण में होने से ही शूद्र प्राचीन काल से ही राज्य की अर्थव्यवस्था का आधार रहे हैं। ऐसे में यह प्रश्न उठना स्वाभाविक ही है कि यकायक शूद्र निम्न श्रेणी में कैसे अवस्थित हो गए? अगर इस प्रश्न पर गंभीरता से विचार किया जाए तो यह विदित होगा कि इस वर्ग के पास कौशल और परिश्रम की निधि थी जिसे औद्योगीकरण के प्रभाव ने समाप्त कर दिया और परिणामस्वरूप रोजगार का अभाव उनकी आर्थिक विपन्नता का कारण बना। अंग्रेजों द्वारा उन्हें यह विश्वास निरंतर दिलाया गया कि उनके साथ जो कुछ भी नकारात्मक हुआ है और हो रहा है उसका कारण श्रेष्ठी वर्ग हैं। असत्य को निरंतर दोहराने पर वह सत्य प्रतीत होने लगता है। ब्रिटिश काल में बोया गया जातिगत विभाजन का बीज धीरे-धीरे एक ऐसी बेल में परिवर्तित हो गया, जो समाज के अनेक हिस्सों में फैलता चला गया। समय के साथ हमने यह कठोर सत्य भी भुला दिया। जब-जब समाज बिखरता है तब तब राष्ट्र की शक्ति क्षीण होती है। इतिहास साक्षी है कि आंतरिक विभाजन किसी भी देश की प्रगति को धीमा कर देता है। हमारे पूर्वजों द्वारा स्थापित 'वर्ण व्यवस्था' 'जाति व्यवस्था' का आवरण पहन समय के साथ विकृत रूप ग्रहण करती गई और बीती कई सहस्राब्दियों में उसने भारतीय समाज के मूल आदर्श सहिष्णुता, सामाजिक समरसता तथा एकत्व भाव पर कुठाराघात किया। देश की सुदृढ़ता और अखंडता को सुरक्षित रखने के लिए आवश्यक है कि हम उन विखंडित इतिहास-कथनों और विभाजनकारी आख्यानों से स्वयं को मुक्त करें, जो हमें बार-बार यह विश्वास दिलाने का प्रयास करते हैं कि हम किसी से श्रेष्ठ हैं या किसी से निम्नतर हैं। हमें यह स्मरण रखना होगा कि समाज किसी एक व्यक्ति, समुदाय या समूह से नहीं बनता; उसका प्रत्येक अंग राष्ट्र-निर्माण में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। अतः आवश्यक है कि हम जातिगत पहचान से ऊपर उठकर व्यक्ति के व्यक्तित्व, उसकी प्रतिभा और उसके चरित्र की विशेषताओं को महत्व दें। किसी भी समाज की वास्तविक उन्नति व्यक्ति की क्षमता, परिश्रम, सामाजिक उत्तरदायित्व और नैतिक दृढ़ता पर आधारित होती है, न कि जन्माधारित पहचान पर। हम यह कैसे विस्मृत कर सकते हैं कि भारत वह राष्ट्र है जिसने 'वसुधैव कुटुम्बकम्' का उद्घोष किया है। जब हमारी सभ्यता विश्व को एक परिवार के रूप में देखने का आदर्श प्रस्तुत करती है, तब जाति की संकीर्ण विचारधाराओं में उलझे हमारे ही आदर्शों की खिल्ली उड़ाते प्रतीत हो रहे हैं। ध्यान रहे कि एक ऐसा समाज, जो स्वयं को लगातार खांचों में बांटता रहता है, अंततः अपनी सामूहिक शक्ति खो देता है। इसलिए आवश्यक है कि हम विभाजन की मानसिकता को नहीं, बल्कि समरसता की चेतना को पोषित करें।

आप का | नजरीया

एक और महिला शगुन

महिला आत्मसम्मान की पलकों पर नए आदर्श सवार करते हुए, सरकार ने सैद्धांतिक तौर पर यह स्वीकार किया है कि यह वर्ग कितना महत्त्वपूर्ण है। महिला दिवस के प्रांगण में हुए उद्घोष की बानगी यह कि तृतीय श्रेणी के पदों में 25 प्रतिशत आरक्षण मिलेगा। महिला सब इंस्पेक्टर की विशेष भर्ती होगी, जबकि महिला सम्मान राशि अब दो लाख तक पहुंचा दी गई। महिला शगुन की बयार में फैसलों की एक लंबी कतार सुक्खू सरकार खड़ी कर रही है, फिर भी इस वर्ग को अपने हित की गारंटी में पंद्रह सौ रुपए की राशि की दरकार है। हिमाचल में महिला सशक्तिकरण की विभिन्न योजनाओं से हटकर एक अहम पहलू यह कि प्रदेश की बच्चियां स्वावलंबन के पथ पर हर क्षेत्र को अपना रही हैं। यह सरकारी नौकरी या रोजगार गारंटी योजना तक ही सीमित नहीं, बल्कि हर प्रोफेशन में महिला की जीत का परचम है। स्वयं सहायता समूहों के जरिए आई उद्यमशीलता का तकाजा यह कि अब ग्रामीण महिलाओं ने आत्मनिर्भरता की डगर पर आर्थिक संभावनाएं ढूंढ ली हैं। हिमाचल में महिला साक्षरता दर अस्सी फीसदी से ऊपर पहुंच रही है, तो इस वर्ग की सफलता का पाठ्यक्रम बदल चुका है। हिमाचल में महिला वर्क फोर्स राष्ट्रीय दर से काफी ऊपर है। तकरीबन पचास फीसदी हिमाचली महिलाएं किसी न किसी तरह के रोजगार से सीधी जुड़ी हैं। कुछ महिलाओं ने नए प्रोफेशन भी अपनाए हैं। राष्ट्रीय मंच पर ऐसी महिला खिलाड़ी यहां से निकली हैं, जिन्होंने लड़कियों को खेलों में उपलब्धियों का सारथी बना कर, जिंदगी को सार्थक करने का हुनर सिखा दिया है। ऐसे में सरकार अगर 25 प्रतिशत क्लास थ्री पद महिलाओं के नाम कर रही है, तो इस रसीदी पत्र पर इकबाल दिखाई दे रहा है। राजनीतिक तौर पर आधी आबादी का उत्थान कम से कम पचास फीसदी की महत्त्वाकांक्षा रखता है, लेकिन शुरुआती तौर पर कुछ कदम बढ़ा कर सुक्खू सरकार ने इस वर्ग की उत्कंठा बढ़ा दी है। जाहिर है महिलाएं तो यह चाहेंगी कि सरकारी नौकरियों का बंटवारा कुछ इस तरह से हो कि उन्हें सीधे आरक्षण का ज्यादा लाभ मिले। यह आरक्षण अन्य आरक्षणों से बाहर अगर ताज सजा रहा है, तो यह कैटेगिरी अपने अधिकारों की श्रेणी को बुलंद करेगी। फैसले आजकल जिस संभावना से तराशे जाते हैं, वहां समाज के बीच सियासी सहयोग के समीकरण काफी महत्त्व रखते हैं। जाहिर है आरक्षित पदों के बीच एक और कैटेगिरी जुड़ रही है, तो यह स्पेस विशेषाधिकार की तरह सामान्य महिलाओं को भी न्याय देगा। अभी आरक्षण के वर्गीकरण में केवल चतुर्थ श्रेणी पद ही चुने गए हैं, जबकि आइंदा तमाम बड़ी नियुक्तियों में महिलाएं कम से कम 25 प्रतिशत आरक्षण के कोटे का प्रसार चाहेंगी। मसलन पुलिस, शिक्षा व चिकित्सा भर्ती में अगर सभी पदों के लिए 25 प्रतिशत आरक्षण का फार्मूला चस्पां हो जाए, तो प्रतीक्षारत महिलाओं के नाम नौकरियों का बड़ा पिटारा खुल जाएगा। बहरहाल महिला पुलिस सब इंस्पेक्टर की विशेष भर्ती से एक दरवाजा खुल रहा है। सुक्खू सरकार अब अपने राजनीतिक आईने में अपने पक्ष को प्रतिबिंबित होते देखना चाहती है और इस संदर्भ में महिलाओं की आशाओं को गुलाब सौंपा जा रहा है। पिछले चुनाव के बकाया वादे में, हिमाचल की जागरूक महिलाएं पंद्रह सौ रुपए प्रति माह जोडक़र देखती रही हैं। सरकार ने कुछ कबाइली क्षेत्रों के अलावा कुछ खंड क्षेत्रों में आबंटन की यह राशि जारी की है। अब आगामी विधानसभा चुनावों से पर्दा उठने से पहले सरकार को अपनी इस गारंटी को फूंक मारनी है। खैर आरक्षण की सीधी ताल ठोंकते हुए सुक्खू सरकार ने महिलाओं के करिश्माई घोड़े दौड़ाए जरूर हैं।

महिला सब इंस्पेक्टर की विशेष भर्ती होगी, जबकि महिला सम्मान राशि अब दो लाख तक पहुंचा दी गई। महिला शगुन की बयार में फैसलों की एक लंबी कतार सुक्खू सरकार खड़ी कर रही है, फिर भी इस वर्ग को अपने हित की गारंटी में पंद्रह सौ रुपए की राशि की दरकार है। हिमाचल में महिला सशक्तिकरण की विभिन्न योजनाओं से हटकर एक अहम पहलू यह कि प्रदेश की बच्चियां स्वावलंबन के पथ पर हर क्षेत्र को अपना रही हैं। यह सरकारी नौकरी या रोजगार गारंटी योजना तक ही सीमित नहीं, बल्कि हर प्रोफेशन में महिला की जीत का परचम है। स्वयं सहायता समूहों के जरिए आई उद्यमशीलता का तकाजा यह कि अब ग्रामीण महिलाओं ने आत्मनिर्भरता की डगर पर आर्थिक संभावनाएं ढूंढ ली हैं। हिमाचल में महिला साक्षरता दर अस्सी फीसदी से ऊपर पहुंच रही है, तो इस वर्ग की सफलता का पाठ्यक्रम बदल चुका है। हिमाचल में महिला वर्क फोर्स राष्ट्रीय दर से काफी ऊपर है। तकरीबन पचास फीसदी हिमाचली महिलाएं किसी न किसी तरह के रोजगार से सीधी जुड़ी हैं। कुछ महिलाओं ने नए प्रोफेशन भी अपनाए हैं। राष्ट्रीय मंच पर ऐसी महिला खिलाड़ी यहां से निकली हैं, जिन्होंने लड़कियों को खेलों में उपलब्धियों का सारथी बना कर, जिंदगी को सार्थक करने का हुनर सिखा दिया है। ऐसे में सरकार अगर 25 प्रतिशत क्लास थ्री पद महिलाओं के नाम कर रही है, तो इस रसीदी पत्र पर इकबाल दिखाई दे रहा है। राजनीतिक तौर पर आधी आबादी का उत्थान कम से कम पचास फीसदी की महत्त्वाकांक्षा रखता है, लेकिन शुरुआती तौर पर कुछ कदम बढ़ा कर सुक्खू सरकार ने इस वर्ग की उत्कंठा बढ़ा दी है।

कुछ | अलग

श्रीकृष्ण ने युधिष्ठिर को दिया रक्षा सूत्र बांधने का मंत्र

यह प्रसंग उस समय का है जब महाभारत का युद्ध प्रारंभ होने वाला था। दोनों ओर ही युद्ध की विभीषिका को लेकर चिंता और तनाव व्याप्त था। युधिष्ठिर ज्येष्ठ भ्राता होने के कारण बेहद परेशान थे और इधर से उधर घूम रहे थे। तभी अचानक कृष्ण ने वहां पर प्रवेश किया। कृष्ण ने युधिष्ठिर के चेहरे पर उभरी चिंता की रेखाओं को भांप लिया। वह अपने चिर-परिचित अंदाज में मुस्कुराते हुए बोले, 'किस सोच में डूबे हो?' युधिष्ठिर बोले, 'ऐसा अनुमान है कि महाभारत का युद्ध एक महायुद्ध होगा। मैं अपने सैनिकों की सुरक्षा को लेकर चिंतित हूं। इनकी सुरक्षा का कोई उपाय सुझाइए।' कृष्ण बोले, 'तुम्हारा युद्ध धर्म बचाने को लेकर है। युद्ध में तो हानि होती ही है। लेकिन हां, युद्ध में अन्याय की जीत कभी नहीं होनी चाहिए। इसलिए यह प्रयत्न करो कि सदाचार, सत्य और न्याय पृथ्वी पर बना रहे।' इस पर युधिष्ठिर बोले, 'हे विश्व ज्ञाता! जब आप सब कुछ जानते ही हैं तो फिर विजय का उपाय भी बताइए।' कृष्ण बोले, 'आज का दिन बेहद शुभ है। आज श्रावण मास की पूर्णिमा है। तुम आज के दिन अपनी पूरी सेना के हाथों में रक्षा का सूत्र बांध दो। यह रक्षा का सूत्र अवश्य ही अधर्म पर धर्म की जीत कराएगा। पवित्र भावना से बांधे गए रक्षा सूत्र में बेहद शक्ति होती है।

दृष्टि | कोण

उच्च शिक्षा का दृष्टिकोण बदले

भारत में हर साल लाखों छात्र डिग्री लेकर कॉलेजों और विश्वविद्यालयों से निकलते हैं। उम्मीद होती है कि पढ़ाई पूरी करते ही उन्हें अच्छी नौकरी मिलेगी और वे अपने करियर की मजबूत शुरुआत कर पाएंगे। हालांकि, जमीनी हकीकत इससे अलग नजर आती है। हाल ही में टीमलीज एडटेक की एक नई रिपोर्ट ने भारत की उच्च शिक्षा व्यवस्था की इस सच्चाई को सामने रखा है, जिसने शिक्षा और रोजगार के बीच बढ़ते अंतर को लेकर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। इस रिपोर्ट के अनुसार भारत के करीब 75 प्रतिशत उच्च शिक्षा संस्थान (कॉलेज और विश्वविद्यालय) अपने छात्रों को उद्योग-अनुकूल यानी जॉब-रेडी स्किल्स देने में असफल हो रहे हैं। दूसरे शब्दों में छात्र डिग्री तो हासिल कर लेते हैं, लेकिन उनमें वह व्यावहारिक कौशल नहीं होता, जिसकी आज के नियोक्ताओं को जरूरत है। इस रिपोर्ट के अनुसार कई संस्थान सिर्फ डिग्री बांटने का काम कर रहे हैं, न कि छात्रों को रोजगार के लिए तैयार कर रहे हैं। उच्च शिक्षा की स्थिति कितनी चिंताजनक है? देश में सिर्फ 16.67 प्रतिशत संस्थान ही ऐसे हैं, जो अपने 76 से 100 प्रतिशत छात्रों को स्नातक होने के छह महीने के भीतर नौकरी दिला पाते हैं। यह आंकड़ा उन संस्थानों के लिए भी निराशाजनक है, जो खुद को बेहतर प्लेसमेंट देने वाला बताते हैं। आज के समय में शिक्षा का उद्योग से जुड़ा होना बहुत जरूरी है, लेकिन ऐसा बहुत कम जगहों पर हो रहा है। इस रिपोर्ट के अनुसार सिर्फ 8.6 प्रतिशत संस्थानों ने माना कि उनके पाठ्यक्रम पूरी तरह से उद्योग की जरूरतों के अनुरूप हैं। वहीं 51 प्रतिशत से ज्यादा संस्थानों ने साफ कहा कि उनके कोर्स का उद्योग से कोई तालमेल ही नहीं है। यह स्थिति आकांक्षाओं और जमीनी हकीकत के बीच गहरे अंतर को दिखाती है। उन्होंने यहां तक कहा कि भारत की उच्च शिक्षा प्रणाली अपने तय किए गए लक्ष्यों को हासिल करने में संरचनात्मक रूप से कमजोर है। रिपोर्ट में यह भी सामने आया कि कॉलेजों में इंडस्ट्री से जुड़े अनुभवी प्रोफेशनल्स की भागीदारी बहुत कम है।

सिर्फ 7.56 प्रतिशत संस्थानों ने ही कई कोर्सों में प्रोफेसर ऑफ प्रैक्टिस को शामिल किया है। इसका असर यह होता है कि ज्यादातर छात्रों को असली दुनिया की नौकरी, बदलती भूमिकाओं और काम करने के तरीकों की सही समझ नहीं मिल पाती है। आज के समय में कंपनियां सिर्फ डिग्री नहीं, बल्कि मान्यता प्राप्त इंडस्ट्री सर्टिफिकेट्स को भी महत्व देती हैं। लेकिन रिपोर्ट बताती है कि 60 प्रतिशत से ज्यादा संस्थानों ने अपने पाठ्यक्रम में ऐसे सर्टिफिकेट्स को शामिल करने पर कभी विचार ही नहीं किया। इससे छात्र ऐसे कौशल के बिना ग्रेजुएट हो जाते हैं, जिन्हें नियोक्ता तुरंत पहचान कर सकें और महत्व दें। नौकरी के लिए तैयार होने में इंटर्नशिप और अनुभवात्मक सीख की भूमिका बहुत अहम होती है। लेकिन यहां भी हालात कमजोर हैं। सिर्फ 9.4 प्रतिशत संस्थानों में सभी कोर्सों के लिए अनिवार्य इंटर्नशिप होती है। वहीं 37.8 प्रतिशत संस्थानों में इंटर्नशिप की कोई व्यवस्था ही नहीं है। इसके अलावा, लाइव इंडस्ट्री प्रोजेक्ट्स, जिनमें छात्र असली समस्याओं पर काम करते हैं, सिर्फ 9.68 प्रतिशत संस्थानों में ही कराए जाते हैं। इन कमियों की वजह से बड़ी संख्या में छात्र बिना किसी व्यावहारिक अनुभव के नौकरी बाजार में कदम रखते हैं। ऐसे में क्लासरूम से वर्कप्लेस तक का सफर उनके लिए बेहद कठिन हो जाता है। इस रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि कॉलेज अपने पूर्व छात्रों के नेटवर्क का सही इस्तेमाल नहीं कर पा रहे हैं, जबकि यह उद्योग और संस्थानों के बीच एक मजबूत कड़ी हो सकता है।

बिना हिंसा के हम बुंदेलखंड राज्य लेकर रहेंगे : राजा बुंदेला

बांदा (हिंस)। न हम कोई तोड़फोड़ करेंगे और न हिंसा का सहारा लेंगे। केवल जनशक्ति से बुंदेलखंड राज हासिल करेंगे। बुंदेलखंड की 5 करोड़ जनता को अपना खोया हुआ राज्य चाहिए। 12 मार्च 1948 को 35 रियासतों को मिलाकर बने पृथक बुंदेलखंड राज्य को एक साजिश के तहत 1956 में समाप्त कर दिया गया। अब हमें अपना बुंदेलखंड राज्य चाहिए। यह बात बुंदेलखंड संयुक्त मोर्चा के नेतृत्व में पृथक बुंदेलखंड राज्य निर्माण की मांग के लिए शुरू की गई गांव-गांव, पांव-पांव यात्रा के नेतृत्वकर्ता सिने अभिनेता राजा बुंदेला ने बुधवार को सह नेतृत्वकर्ता जय राम सिंह बछेउरा के निवास पत्रकारों से बातचीत के दौरान कही। उन्होंने कहा कि 1948 में 35 रियासतों को मिलाकर बनाया गया। पृथक बुंदेलखंड राज्य जिसकी राजधानी उस समय नौगांव को बनाया गया था और स्व. कामता प्रसाद सक्सेना इस राज्य के प्रथम मुख्यमंत्री थे। लेकिन बाद में राजनीतिक घटनाक्रमों में हमारी इस पहचान को उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश के बीच बांट दिया गया। उत्तर प्रदेश सरकार 7 जिलों झांसी, जालौन, ललितपुर, बांदा, चित्रकूट हमीरपुर, महोबा को बुंदेलखंड क्षेत्र मानती है। मध्य प्रदेश सरकार 7 जिलों सागर, पन्ना, दमोह, छतरपुर, टीकमगढ़, निवाड़ी व दतिया को बुंदेलखंड क्षेत्र मानती है। केंद्र सरकार इन 14 जिलों को बुंदेलखंड पैकेज देती है। इस प्रकार

बुंदेलखंड क्षेत्र को लेकर कोई विवाद नहीं है। बुंदेलखंड के 14 जिलों में 5 करोड़ लोग निवास करते हैं, जिन्हें अपना अलग राज्य चाहिए। उन्होंने गांव-गांव, पांव-पांव यात्रा का उद्देश्य बताते हुए कहा कि शहरी क्षेत्र के लोग बुंदेलखंड राज्य के प्रति जागरूक हो चुके हैं। अब हम गांव के लोगों को जगाने निकले हैं। यह यात्रा 12 अक्तूबर 2024 को ललितपुर के सुप्रसिद्ध तुवन मंदिर सरकार के प्रांगण से शुरू हुई थी। अब यह यात्रा बांदा आ चुकी है। बांदा में यह यात्रा 6 मार्च को जसपुरा से शुरू की गई थी। आज 11 मार्च को यह यात्रा महुआ ब्लॉक पहुंच चुकी है और 15 मार्च को इस यात्रा का बांदा के रामलीला मैदान अलीगंज में समापन होगा। इसके बाद अगले चरण में चित्रकूट में यह यात्रा शुरू होगी। चित्रकूट में पदयात्रा समाप्त होने के बाद दिल्ली में बुंदेलखंड राज्य के लिए विशाल प्रदर्शन किया जाएगा। जिसमें बुंदेलखंड राज्य की मांग करने वाले सभी जनपदों के 23 संगठनों के लोग शामिल होंगे। एक प्रश्न के जवाब में राजा बुंदेला ने बताया कि मेरी कुछ महीने पहले देश के गृहमंत्री अमित शाह से बातचीत हुई थी और उन्होंने कहा था कि आप अपना आंदोलन जारी रखें। अभी हमारे पास राज्यसभा में प्रस्ताव को पारित करने के लिए पर्याप्त सदस्य नहीं है। राजा बुंदेला ने कहा कि हाल के राज्यसभा चुनाव के बाद भाजपा सरकार को राज्यसभा में भी बहुमत मिलने जा रहा है। अब बुंदेलखंड राज्य के लिए बहुत अच्छा मौका है, यह प्रस्ताव पहले लोकसभा में पास होगा। इसके बाद राज्यसभा जाएगा राज्यसभा से पारित होने के बाद राष्ट्रपति के पास जाएगा। राष्ट्रपति के अनुमोदन के बाद बुंदेलखंड राज्य का मार्ग प्रशस्त हो जाएगा। उन्होंने यह भी कहा कि हम राज्य के लिए न तो कोई हिंसा करेंगे न कोई तोड़फोड़ करेंगे। हम केवल जनशक्ति के बूत बुंदेलखंड राज्य हासिल करके ही दम लेंगे। उन्होंने यह भी कहा कि बुंदेलखंड राज्य बन जाने के बाद यहां का पलायन रुक जाएगा क्योंकि यहां से करीब 67 प्रतिशत युवा अन्य राज्यों में रोजगार की तलाश में जाते हैं । अपने साथ अपना परिवार ले जाते हैं लेकिन गांव में बुजुर्गों को छोड़ जाते हैं। राज्य बनने के बाद स्थानीय युवाओं को मौका दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि अब बुंदेलखंड राज्य बनने में किसी तरह की समस्या नहीं है। भाजपा छोटे राज्यों की पक्षधर है। उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश में भाजपा की सरकार है और केंद्र में भी भाजपा की सरकार है। ऐसे में अब राज्य बनाने में कोई बहाना नहीं चलेगा। इसी तरह जयराम सिंह बछेउरा सह नेतृत्वकर्ता ने कहा कि बुंदेलखंड से हीरा, पत्थर और बालू के जरिए सरकार को अरबों का राजस्व मिलता है लेकिन यह पैसा लखनऊ और दिल्ली के विकास में खर्च हो जाता है।

मुख्यमंत्री ने जन संवाद कार्यक्रम में गिनाए विकास कार्यों का लेखा जोखा

अररिया (हिंस)। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार बुधवार को अररिया कॉलेज परिसर में आयोजित जन संवाद कार्यक्रम में शामिल हुए। जन संवाद कार्यक्रम में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने अपने कार्यकाल में किए गए बिहार में विकास कार्यों को गिनाया। उन्होंने कहा कि 2005 के बाद राज्य में कानून का राज स्थापित किया गया है और लगातार विकास के काम में लगे हुए हैं। आज बिहार में किसी प्रकार का डर एवं भय का वातावरण नहीं है। मुख्यमंत्री ने कहा कि सर्वप्रथम शिक्षा के क्षेत्र में विशेष ध्यान दिया गया। हमलोगों ने नियोजित शिक्षकों की बहाली की। बड़ी संख्या में नए स्कूल खोले और लड़के-लड़कियों के लिए पोशाक एवं साइकिल योजना चलायी। वर्ष 2023 से बिहार लोक सेवा आयोग द्वारा 2 लाख 58 हजार सरकारी शिक्षकों की बहाली की गई है। वर्ष 2006 से 3 लाख 68 हजार नियोजित शिक्षक बने थे जिसमें से बिहार लोक सेवा आयोग द्वारा 28 हजार 976 सरकारी शिक्षक बन गये। मुख्यमंत्री ने कहा कि पहले स्वास्थ्य व्यवस्था बहुत खराब थी, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों में इलाज के लिए प्रतिमाह मात्र 39 मरीज ही आते थे यानी प्रतिदिन 1 या 2 मरीज आते थे। वर्ष 2006 से अस्पतालों में मुफ्त दवा और इलाज की पूरी व्यवस्था की गई है। अब प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में हर महीने औसतन 11 हजार 800 मरीज आते हैं। पहले मात्र 6 मेडिकल कॉलेज थे जिनकी संख्या अब 12 हो गई है। इस वर्ष 6 मेडिकल कॉलेज और बन जायेंगे तथा शेष 21 जिलों में मेडिकल कॉलेज का निर्माण भी शीघ्र पूरा किया जाएगा। उन्होंने कहा कि राज्य में सड़कों, पुल-पुलियों का निर्माण कराया गया है। राज्य के सुदूर क्षेत्रों से 6 घंटे में पटना पहुंचने के लक्ष्य को वर्ष 2016 में पूरा कर लिया गया है। अब राज्य में बड़ी संख्या में सड़कों, पुल-पुलियों, रेल ओवरब्रिज, बाईपास एवं एलिवेटेड रोड के निर्माण से लगभग 5 घंटे में सुदूर क्षेत्रों से पटना पहुंचना संभव हुआ है। वर्ष 2008 से कृषि रोड मैप बनाकर काम किया जा रहा है जिससे कृषि के क्षेत्र में बहुत अच्छी प्रगति हुई है। वर्ष 2008 से 2012 तक पहला, 2012 से 2017 तक दूसरा 2017 से 2023 तक तीसरे कृषि रोड मैप पर काम हुआ है। अनाज का उत्पादन काफी बढ़ गया है। फल, सब्जी, दूध, अंडा, मांस एवं मछली का उत्पादन ढाई गुना से अधिक हो गया है जिससे मछली के उत्पादन में बिहार आत्मनिर्भर हो गया है। साथ ही किसानों की आय बढ़ी है। वर्तमान में चौथे कृषि रोड मैप के तहत योजनाओं पर तेजी से काम हो रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्ष 2015 में सात निश्चय के तहत आर्थिक हल-युवाओं को बल, आरक्षित रोजगार महिलाओं का अधिकार, हर घर तक बिजली, हर घर नल का जल, हर घर शौचालय, टोलों को पक्की सड़कों से जोड़ने तथा अवसर बढ़े आगे पढ़ें का काम किया गया है।

डीएफएससी ने बुलाई एजेंसी संचालकों की आपात बैठक

कमर्शियल गैस सिलेंडरों की सप्लाई बंद

हिसार (हिंस)। जिले में कमर्शियल गैस सिलेंडरों की सप्लाई बंद होने से होटल, ढाबा और रेस्टोरेंट संचालकों के सामने संकट खड़ा हो गया है। गैस एजेंसियों के अनुसार फिलहाल कंपनियों की ओर से कमर्शियल सिलेंडर की आपूर्ति रोक दी गई है, जिससे कारोबार प्रभावित होने लगा है। इसी तरह घरेलू गैस सिलेंडर अब करीब 25 दिन के अंतराल पर ही मिल पाएगा। ऐसे में कई होटल संचालकों को वैकल्पिक इंतजाम करने पड़ रहे हैं। स्थिति को देखते हुए जिला खाद्य एवं आपूर्ति नियंत्रक (डीएफएसई) अमित शेखावत ने बुधवार को जिले की सभी गैस वितरक एजेंसियों की आपात बैठक बुलाकर उन्हें आवश्यक निर्देश दिए। बैठक में कंपनियों से सप्लाई की स्थिति, स्टॉक और उपभोक्ताओं को होने वाली परेशानी पर चर्चा की जाएगी। उधार, गैस एजेंसी संचालकों का कहना है कि कमर्शियल सिलेंडर की सप्लाई रुकने से सबसे ज्यादा असर होटल, ढाबा और रेस्टोरेंट कारोबार पर पड़ रहा है। शहर में रोजाना बड़ी संख्या में कमर्शियल सिलेंडरों की खपत होती है, जबकि शादी-समारोह का सीजन भी शुरू होने वाला है। अगर जल्द सप्लाई शुरू नहीं हुई, तो शादी-समारोह और कैटरिंग से जुड़े कारोबार पर भी असर पड़ सकता है। ऐसे में गैस की कमी से कारोबार प्रभावित होने की आशंका है। गैस एजेंसी संचालकों के अनुसार हिसार में घरेलू सिलेंडर की लगभग चार लाख सिलेंडर प्रतिमाह की खपत है। वहीं कमर्शियल सिलेंडर (19 किग्रा) की करीब 50-52 हजार सिलेंडर प्रतिमाह खपत है। अगर दैनिक औसत की बात करें, तो घरेलू सिलेंडर की करीब 13-14 हजार सिलेंडर प्रतिदिन खपत है।

गैस एजेंसियों पर रसोई गैस उपभोक्ताओं की भीड़, हंगामा

अजमेर (हिंस)। अजमेर में रसोई गैस आपूर्ति में व्यवधान गहराता जा रहा है। कमर्शियल गैस की कमी से होटल और रेस्टोरेंट संचालकों के लिए अपना व्यवसाय सामान्य रख पाने की मुसीबत खड़ी हो गई है। वहीं घरेलू रसोई गैस सिलेंडरों के लिए गैस एजेंसियों के बाहर उपभोक्ताओं की भीड़ लगने लगी है जिससे दिन भर वहां हंगामा खड़ा हो रहा है। गैस की कमी के चलते होटल व्यवसायियों को वैकल्पिक व्यवस्थाओं पर विचार करने को मजबूर होना पड़ रहा है। जबकि गैस एजेंसियों पर सिलेंडर के लिए लोगों की कतारें लग रही है। लोगों का कहना है कि उन्हें सिलेंडर बुक करने के बाद भी कई दिनों तक इंतजार करना पड़ रहा है। होटल व्यवसायी कंवल प्रकाश ने बताया कि कामर्शियल गैस आपूर्ति बंद होने से होटल एवं रेस्टोरेंट इंडस्ट्री पर सबसे बड़ा संकट आ गया है। रेस्टोरेंट इंडस्ट्री पूरी तरह गैस पर ही निर्भर है। इसी को ध्यान में

रखते हुए होटल व्यवसायियों की ओर से तीन अलग अलग प्लान तैयार किए जा रहे हैं उन्होंने सरकार से इस समस्या का जल्द समाधान करने की मांग भी की है। उन्होंने बताया कि प्लान ए के तहत गैस पाइपलाइन कनेक्शन लेने का प्रयास किया जा रहा है। संबंधित कंपनी को जल्द सप्लाई शुरू करने के लिए पत्र भेजे गए हैं। यदि यह व्यवस्था शीघ्र शुरू नहीं हो सकती है तो डीजल से चलने वाली भट्टी शुरू करने का विकल्प देखा जा रहा है। हालांकि इससे धुएं और बदबू की समस्या हो सकती है, जिसका असर खाने की गुणवत्ता पर पड़ने की आशंका है। इसके अलावा प्लान सी में इलेक्ट्रिक सिस्टम पर जाने का भी विचार किया जा रहा है लेकिन इस व्यवस्था में खाना बनने में अधिक समय लग सकता है। उन्होंने कहा कि समस्या यह भी है कि मोबाइल एप के माध्यम से जहां गैस बुकिंग होती थी वह भी इन दिनों काम नहीं कर रहा है जिससे लोगों में घबराहट और बैचेनी बढ़ रही है। गौरतलब है कि गैस बुकिंग नहीं होने पर अजमेर के रावण की बगीची स्थित अवंतिका गैस एजेंसी पर सिलेंडर लेने के लिए लोगों की लाइन लग रही है और लोग हंगामा खडा कर रहे हैं एजेंसी संचालन के पास लोगों के लिए किसी तरह का संतुष्ट जवाब भी नहीं है। पहाड़गंज निवासी वर्षा ने बताया कि उन्होंने 10 दिन पहले सिलेंडर बुक कराया था अभी तक उन्हें डिलीवरी नहीं हुई। उन्होंने कहा कि उन्होंने सिलेंडर के दाम बढ़ने से पहले बुक कराया था। फिर भी उनसे ज्यादा रुपए लिए गए व गैस की सप्लाई भी अभी तक नहीं हुई

गुरुग्राम विश्वविद्यालय में नो मोर पाकिस्तान विषय पर हुई संगोष्ठी

गुरुग्राम (हिंस)। राष्ट्रीय सुरक्षा जागरण मंच एवं गुरुग्राम विश्वविद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में गुरुग्राम विश्वविद्यालय परिसर में नो मोर पाकिस्तान विषय पर एक महत्वपूर्ण संगोष्ठी आयोजित की गई। कार्यक्रम का उद्देश्य देश की राष्ट्रीय सुरक्षा, सामाजिक जागरूकता तथा राष्ट्र की एकता और अखंडता के प्रति समाज विशेषकर युवाओं को जागरुक करना था। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि गुरुग्राम विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. संजय कौशिक ने बुधवार को अपने संबोधन में कहा कि राष्ट्र की सुरक्षा और मजबूती के लिए समाज के प्रत्येक नागरिक का जागरूक और जिम्मेदार होना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने कहा कि युवाओं को राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखते हुए सकारात्मक सोच और जिम्मेदारी के साथ समाज में अपनी भूमिका निभानी चाहिए। अति विशिष्ट अतिथि राष्ट्रीय उपाध्यक्ष एवं सेवानिवृत आईजी राजपाल सिंह ने कहा कि देश की सुरक्षा केवल सीमाओं तक सीमित नहीं है, बल्कि समाज में जागरूकता, एकता और राष्ट्र के प्रति समर्पण की भावना भी उतनी ही महत्वपूर्ण है। मुख्य वक्ता विक्रमादित्य सिंह (राष्ट्रीय संगठन महामंत्री) ने अपने संबोधन में कहा कि वर्तमान वैश्विक परिस्थितियों में भारत की राष्ट्रीय सुरक्षा और राष्ट्रवाद की भावना को सुदृढ़ करना समय की आवश्यकता है। उन्होंने युवाओं से राष्ट्रहित में सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया। संगोष्ठी में डॉ. नीरा वर्मा (डीन अकादमिक अफेयर्स, गुरुग्राम विश्वविद्यालय) ने भी छात्रों को राष्ट्र निर्माण में सक्रिय योगदान देने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता सद्भावना संगठन विभाग प्रमुख डॉ. अशोक दिवाकर ने की। उन्होंने अपने अध्यक्षीय संबोधन में कहा कि राष्ट्र की एकता और अखंडता बनाए रखने के लिए समाज के सभी वर्गों को मिलकर कार्य करना होगा।

पंप कैनाल पर कर्मचारियों को गैरहाजिर देख जलशक्ति मंत्री नाराज, एक्सईएन की लगाई क्लास

मीरजापुर (हिंस)। उत्तर प्रदेश सरकार के कैबिनेट मंत्री एवं जल शक्ति विभाग के प्रमुख स्वतंत्रदेव सिंह ने बुधवार को अदलपुरा स्थित पंप कैनाल का बुधवार औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान पंप कैनाल पर कोई भी कर्मचारी मौजूद नहीं मिला, जिस पर मंत्री ने कड़ी नाराजगी जाहिर की। मंत्री के औचक निरीक्षण से विभागीय अधिकारियों में हड़कंप मच गया और मौके पर व्यवस्था दुरुस्त कराने की कवायद शुरू कर दी गई। जलशक्ति मंत्री अदलपुरा स्थित शीतला माता मंदिर में दर्शन-पूजन के लिए आए थे। इसी दौरान उन्होंने पास स्थित पंप कैनाल का हाल जानने के लिए अचानक निरीक्षण करने का निर्णय लिया। जब वे पंप कैनाल परिसर पहुंचे तो वहां कोई भी जिम्मेदार कर्मचारी ड्यूटी पर नहीं मिला। मौके पर केवल एक स्थानीय युवक को रखा गया था, जो उस समय अपने घर पर था। सूचना मिलने पर वह दौड़ते हुए मौके पर पहुंचा।

पुष्कर में 15 मार्च को होगा विप्र फाउंडेशन का 18वां राष्ट्रीय परिषद अधिवेशन

पुष्कर (हिंस)। विप्र फाउंडेशन का 18वां राष्ट्रीय परिषद अधिवेशन 15 मार्च को तीर्थराज पुष्कर में आयोजित किया जाएगा। अधिवेशन में देशभर से संगठन के प्रतिनिधि भाग लेकर विभिन्न संगठनात्मक और सामाजिक विषयों पर विचार-विमर्श करेंगे। संस्था के संगठन महामंत्री डॉ. सीए सुनील शर्मा ने बताया कि अधिवेशन रविवार प्रात: 11 बजे पारीक आश्रम में आयोजित होगा। इसके बाद सायं चार बजे शत गायत्री पुरश्चरण महायज्ञ परिसर में संकल्प सभा का आयोजन किया जाएगा। उन्होंने बताया कि संगठन के तेजी से विस्तार को देखते हुए अधिवेशन में सिस्टम आधारित संचालन, संगठनात्मक अनुशासन और मजबूत संरचना को लेकर महत्वपूर्ण निर्णय लिए जाएंगे। साथ ही सदस्यता अभियान, दायित्वयुक्त नियुक्तियों की प्रक्रिया, एक परिवार से एक ही पद का सिद्धांत तथा युवा प्रकोष्ठ की आयु सीमा जैसे विषयों के प्रभावी क्रियान्वयन पर भी चर्चा की जाएगी। राष्ट्रीय उपाध्यक्ष परमेश्वर शर्मा ने बताया कि परशुराम ज्ञानपीठ (जयपुर) और परशुराम कुंड (अरुणाचल प्रदेश) में स्थापित की जा रही 54 फीट ऊंची पंचधातु की *स्टैच्यू ऑफ स्ट्रेंथ* सहित संगठन के प्रमुख प्रकल्पों की पूर्णता की समयसीमा और उनके उद्घाटन कार्यक्रम के स्वरूप पर भी विचार किया जाएगा। विप्र फाउंडेशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष राधेश्याम शर्मा *गुरुजी* ने कहा कि अधिवेशन में ब्राह्मण सभ्यता और परंपरा के वैशिष्ट्य पर शोध कर उन्हें विभिन्न माध्यमों से व्यवस्थित रूप में प्रस्तुत करने तथा राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उनके प्रचार-प्रसार के लिए नए प्रकल्पों पर भी मंथन किया जाएगा। संस्था के महामंत्री पवन पारीक ने बताया कि अधिवेशन के द्वितीय सत्र में महायज्ञ स्थल पर संकल्प सभा आयोजित होगी, जिसमें सभी प्रतिनिधि सामूहिक रूप से 108 गायत्री मंत्रों का जाप करेंगे। इस अवसर पर प्रखर महाराज का विशेष संबोधन भी होगा।

राजस्थानी फिल्म *टाईगर ऑफ राजस्थान* कल होगी प्रदर्शित

बीकानेर (हिंस)। राजस्थानी फिल्मों के जाने-माने लेखक, निर्देशक और अभिनेता अरविन्द कुमार बाघेला की श्री ब्रदर्स फिल्म्स प्रजेंट्स के बैनर तले बनी नई राजस्थानी फिल्म *टाईगर ऑफ राजस्थान* बीकानेर के सिने मैजिक सिनेमा हॉल में 13 मार्च शुक्रवार को प्रदर्शित होने जा रही है। राजस्थान की एक सच्ची घटना पर आधारित यह फिल्म ना केवल सामाजिक संदेश देती है, साथ ही साथ यह अन्याय के खिलाफ लड़ने और एकजुट होकर मुकाबला करने की बात को प्रमुखता से उठाती है। फिल्म संबंधी अधिकृत जानकारी देने के लिए इस संबंध में बुधवार को होटल वंदावन रिजेन्सी में एक प्रेसवार्ता का आयोजन किया गया। जहां फिल्म के निर्देशक एवं अभिनेता अरविन्द कुमार ने बताया कि राजस्थानी भाषा को बढ़ावा देने, अपनी माटी से प्यार होने के कारण वह मरते दम तक राजस्थानी फिल्मों के माध्यम से मान्यता के लिए संघर्ष करते रहेंगे। साथ ही कहा कि इसमें आप सभी का प्यार और आशीर्वाद चाहिए। उन्होंने बताया कि फिल्म के मुख्य किरदार के साथ न्याय करने के लिए स्वयं अरविन्द कुमार ने चुनौती के रूप में स्वीकार करते हुए महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। साथ ही फिल्म में बॉलीवुड के जाने माने कलाकारों ने भी किरदार निभाए हैं। प्यार, इमोशन, ड्रामा और एक्शन के साथ धांसू गीत और संगीत से सजी फिल्म टाईगर ऑफ राजस्थान संपूर्ण प्रदेश में ही नहीं अपितु राज्य के बाहर भी लोकप्रियता हासिल कर रही है। बीकानेर के दर्शकों की मांग को देखते हुए सिने मैजिक सिनेमा हॉल में प्रतिदिन 12 बजे से

3 बजे तक शो संचालित किए जाएंगे। फिल्म में नच बलिए फेम अरविन्द बाघेला के साथ उपासना सिंह, रंजीत राजू श्रेष्ठा, देबोलिना भट्टाचार्जी, दीप्ति नागपाल, भूपेश रसिन, अरविंदर सिंह, दीपेंद्र सिंह, हर्षित माथुर, हेमा चंदानी, भावना शर्मा, शिवराज गुर्जर, मुमताज खान, राजवीर, सामिर खान और असलम खान नजर आएंगे। फिल्म का संगीत दिलीप सेन, आदित्य गौर और निषेध सोनी ने दिया है। टाईगर ऑफ राजस्थान के गीत छोटू सिंह रावणा, यशपाल तंवर, रफीक राजस्थानी और साबिर खान ने लिखा है, स्वर पूर्निमा श्रेस्ठा, छोटू सिंह रावणा, सौरिन भट्ट, मोहम्मद सलामत, सना अजीज, रेखा राव, सुनीता सगोतिया और रवि जैन ने दिए हैं। फिल्म के निर्माता हितेश कुमार, जैस्मिन कुमार, प्रवीण सगोतिया और सुनीता सगोतिया हैं। डिनेश असीवाल और राज राठौड़ को-प्रोड्यूसर के तौर पर जुड़े हैं। एक्जीक्यूटिव प्रोड्यूसर की भूमिका में सलीम गौर, अनिल सिंह राठौड़, चंद्रकांत वर्मा, ध्रुव निनामा और मनीष अग्रवाल हैं। कैमरामैन हितेश बेलदार, एडिटर प्रकाश झा, एक्शन निर्देशक बुट्टा सिंह और कोरियोग्राफर सरोज खान व राजू शबाना हैं। फिल्म के क्रिएटिव डायरेक्टर अमर कुमार सोलंकी और एसोसिएट डायरेक्टर अशोक बाफना व जैस्मिन कुमार हैं।

रसोई गैस आपूर्ति संकट को लेकर अशोक गहलोत ने केंद्र सरकार पर साधा निशाना

जयपुर (हिंस)। पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने खाड़ी देशों में युद्ध की स्थिति के बीच देश में रसोई गैस (एलपीजी) आपूर्ति पर संभावित संकट को लेकर केंद्र सरकार की कार्यशैली पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए लिखा कि इस तरह के संभावित राष्ट्रीय संकट को लेकर केंद्र सरकार की लापरवाही बेहद चिंताजनक है। गहलोत ने लिखा कि खाड़ी देशों में युद्ध के कारण देश में एलपीजी आपूर्ति प्रभावित होने की आशंका है, लेकिन केंद्र सरकार ने समय रहते स्थिति का सही आकलन नहीं किया। उन्होंने इसे सरकार का स्पष्ट *कलेक्टिव फेलियर* बताया। पूर्व मुख्यमंत्री ने आमजन से अपील करते हुए लिखा कि वर्तमान परिस्थितियों को देखते हुए लोग रसोई गैस और पेट्रोल-डीजल का उपयोग जिम्मेदारी और मितव्ययता के साथ करें, ताकि संसाधनों का संतुलित उपयोग हो सके।

शीतला माता मेला : अष्टमी पर शीतला माता को लगाया ठंडे पकवानों का भोग

घर-घर हुई पूजा-अर्चना, मंदिर में दर्शनों को उमड़ी भीड़, बीमारियों से बचाव की मांगी मन्नत

जोधपुर (हिंस)। जन-जन की आस्था का प्रतीक लोकपर्व शीतलाष्टमी बुधवार को पारम्परिक हर्षोल्लास से मनाया गया। आज सुबह से कागा स्थित शीतला माता मंदिर में दर्शनों के लिए श्रद्धालुओं की भारी भीड़ रही। इस अवसर पर घर-घर में शीतला माता की पूजा-अर्चना हुई और सौभाग्यवती महिलाओं ने पति और पुत्र की लंबी आयु के लिए प्रार्थना की। मान्यता के अनुरूप सुबह घरों में शीतला माता का पूजन किया गया। बच्चों को शीतला माता के समक्ष धोक लगवाई गई। ऐसी आस्था है कि शीतला माता की धोक लगाने से बच्चे स्वस्थ रहेंगे। शीतलाष्टमी पर घरों में शीतला माता, ओरी माता, अचपड़ाजी एवं पंथवारी माता का प्रतीक बनाकर पूजन किया गया। खास बात यह है कि आज के दिन माता शीतला को शीतल और एक दिन पहले पकाए गए पकवानों का भोग लगाया गया। कुछ घरों में

सूर्योदय से पूर्व पूजा हुई तो कई परिवारों ने सूर्योदय के बाद शीतला माता की विधिवत पूजा की। वहीं कागा तीर्थ स्थल में मां शीतला के मंदिर में सुबह से भीड़ पडनी शुरू हो गई। मंदिर के कपाट खुलते ही लोग शीतला माता की पूजा-अर्चना में जुट गए। दिन चढने के साथ लोगों की भीड़ बढ़ती गई। केवल जोधपुर ही नहीं बल्कि दूर-दराज के लोग भी माता के दर्शन करने पहुंचे। शीतला माता पूजन पूरे भारत में केवल जोधपुर में चैत्र कृष्ण पक्ष की सप्तमी के बजाय दूसरे दिन अष्टमी के दिन किया जाता है। इसका प्रमुख कारण विक्रम संवत 1826 में सप्तमी के दिन जोधपुर के तत्कालीन महाराजा विजयसिंह के महाराज कुमार की मृत्यु होने से जोधपुर सहित मारवाड़ के विभिन्न क्षेत्रों में अकता रखने की परम्परा है। कागा तीर्थ पर चल रहे मेले में मंदिर ट्रस्ट की ओर से विशेष इंतजाम किए गए है ताकि यहां आने वाले लोगों को किसी तरह की परेशानी ना उठानी पड़ी। दूसरी ओर स्थानीय प्रशासन की तरफ से भी सुरक्षा के मद्देनजर पुख्ता इंतजाम किए गए है। शीतला माता (कागा तीर्थ) ट्रस्ट के अध्यक्ष निर्मल कच्छवाहा ने बताया कि पर्याप्त संख्या में पुलिस के जवान मंदिर के आसपास मौजूद है जिससे कि असमाजिक तत्वों पर नजर रखी जा सके। मंदिर ट्रस्ट की ओर से दर्शनार्थियों के सुगम दर्शन की व्यवस्था के लिए स्वयंसेवक तैनात किए गए है। ट्रस्ट अध्यक्ष निर्मल कच्छवाहा ने बताया कि आगामी अमावस्या तक दर्शनार्थियों के लिए मन्दिर 24 घंटे खुला रहेगा। मन्दिर परिसर को प्लास्टिक मुक्त रखा गया है और दर्शनार्थियों के सहूलियत के लिए 24 घंटे दर्शन की व्यवस्था रहेगी। मेले के दौरान महिलाओं-पुरुषों के लिए अलग-अलग दर्शन की व्यवस्था रहेगी। मंदिर की सीढ़ियों से निकासी द्वार तक जगह-जगह क्लोज सर्किट कैमरे से नजर रहेगी। सुरक्षा के लिहाज से मंदिर परिसर में सुरक्षा गार्ड और करीब 55 हाई क्वालिटी के कैमरे भी लगवाए गए हैं। श्रद्धालुओं की भीड़ को देखते हुए बेरिकेडिंग भी की गई है। इसके अलावा पीने के पानी के लिए आरओ प्लांट भी लगाया गया है। धुलण्डी के दिन श्लील गायन की धूम मचने के बाद एक बार फिर शीतलाष्टमी के दिन परकोटे की गलियां श्लील गायन से गूंज उठा। शहर के विभिन्न फाग मण्डलियों की ओर से पारपरिक श्लील गाली गायन की प्रस्तुतियां दी गई व दशकों से चली आ रही परपरा में फिर से धमाल मचाया। गेरियों ने विभिन्न श्लील गायन के माध्यम से समाज में व्याप्त कुरीतियों को दूर करने का संदेश, हास्य व मनोरंजन प्रधान गालियों की प्रस्तुतियां दी।

गैस को लेकर अफवाह से मची अफरा-तफरी, सुबह से लगी लंबी कतार

भागलपुर (हिंस)। ईरान-इजरायल के बीच बढ़ते तनाव और उससे जुड़ी खबरों के कारण देशभर में गैस आपूर्ति को लेकर तरह-तरह की चर्चाएं चल रही हैं। इसी बीच अफवाहों का असर अब भागलपुर में भी देखने को मिल रहा है। शहर के कई गैस एजेंसियों के बाहर बुधवार सुबह से ही उपभोक्ताओं की लंबी कतार लग गई। लोग घरेलू एलपीजी सिलेंडर लेने के लिए अपना काम-काज छोड़कर अहले सुबह से ही एजेंसी पहुंच गए और घंटों लाइन में खड़े होकर अपनी बारी का इंतजार करते नजर आए। अचानक बढ़ी भीड़ के कारण कई जगहों पर उपभोक्ताओं को काफी देर तक इंतजार भी करना पड़ा। कई लोग खाली सिलेंडर लेकर एजेंसी के बाहर खड़े दिखाई दिए। कतार में लगे लोगों का कहना है कि गैस की कमी की खबरें सुनकर वे पहले ही सिलेंडर लेने आ गए हैं, ताकि आगे किसी तरह की परेशानी का सामना न करना पड़े। हालांकि गैस एजेंसियों का कहना है कि भागलपुर में घरेलू गैस सिलेंडर की कोई कमी नहीं है और एजेंसियों के पास पर्याप्त मात्रा में गैस उपलब्ध है। एजेंसी प्रबंधन के अनुसार अफवाहों के कारण अचानक भीड़ बढ़ गई है, जिससे वितरण में थोड़ी परेशानी हो रही है। इस मामले को लेकर एक गैस एजेंसी के प्रबंधक ने बताया कि लोग अफवाहों के कारण घबरा रहे हैं, जबकि ऐसी कोई स्थिति नहीं है। उन्होंने कहा कि जितनी जरूरत है, उतनी गैस उपलब्ध है और सभी उपभोक्ताओं को सिलेंडर मिलेगा।

भारत के सबसे बड़े बिटकाइन घोटाले में पहली गिरफ्तारी, दो भाइयों ने खेला था मुनाफे का खेल

नई दिल्ली

केंद्रीय जांच ब्यूरो ने लगभग 20,000 करोड़ के बहुचर्चित गेन बिटकाइन क्रिप्टोकरेंसी घोटाले में बड़ी कार्रवाई की है। एजेंसी ने डार्विन लैब्स के सह-संस्थापक आयुष वार्ष्णेय को गिरफ्तार कर लिया है। अधिकारियों ने बुधवार को इसकी जानकारी दी। सीबीआई के अनुसार, वार्ष्णेय इस मामले के मुख्य आरोपियों में शामिल हैं। एजेंसी ने उनके खिलाफ पहले ही लुक आउट सर्कुलर जारी कर रखा था। सोमवार को जब वह देश छोड़कर भागने की कोशिश कर रहे थे, तब मुंबई एयरपोर्ट पर अलर्ट जारी होने के बाद उन्हें हिरासत में लिया गया। इसके बाद मंगलवार को उन्हें औपचारिक रूप से गिरफ्तार कर लिया गया। जांच में क्या आया सामने जांच एजेंसी के मुताबिक, डार्विन लैब्स ने उस डिजिटल ढांचे को तैयार किया था, जिस पर कथित तौर पर चल रहे गेन बिटकाइन घोटाले की पूरी तकनीकी प्रणाली आधारित थी। जांच में डार्विन लैब्स प्राइवेट लिमिटेड और इसके सह-संस्थापकों आयुष वार्ष्णेय, साहिल बघला और निकुंज जैन की भूमिका सामने आई है। निकुंज जैन वर्तमान में वाओमी एआई के फाउंडर और चीफ कैपिटल आफिसर भी हैं। सीबीआई का आरोप है कि इन लोगों ने मिलकर एमसीएपी नामक क्रिप्टो टोकन और उससे जुड़े स्मार्ट कान्ट्रैक्ट को डिजाइन और विकसित किया था, जिसका इस्तेमाल इस कथित क्रिप्टो पोंजी स्कीम में किया गया। जांच में यह भी सामने आया है कि डार्विन लैब्स ने कई महत्वपूर्ण डिजिटल प्लेटफार्म तैयार किए थे, जिनमें नामक बिटकाइन माइनिंग पूल प्लेटफार्म, बिटकाइन पेमेंट गेटवे, काइन बैंक बिटकाइन वालेट और गेन बिटकाइन वेबसाइट शामिल हैं। इन प्लेटफार्म के जरिए निवेशकों से संपर्क और निवेश कराया जाता था। कब और कैसे हुआ पूरा घोटाला यह घोटाला वर्ष 2015 में गेन बिटकाइन नाम से शुरू हुआ था, जिसे कथित तौर पर वेरिएबलटेक प्राइवेट लिमिटेड के नाम पर संचालित किया जा रहा था। जांच एजेंसी के मुताबिक इस योजना का मास्टरमाइंड अमित भारद्वाज (अब मृत) और उसका भाई अजय भारद्वाज थे। इस योजना में निवेशकों को 18 महीने तक हर महीने 10% तक बिटकाइन रिटर्न देने का लालच दिया जाता था। लोगों को बाहरी एक्सचेंज से बिटकाइन खरीदकर गेन बिटकाइन में तथाकथित क्लाउड माइनिंग कान्ट्रैक्ट के जरिए जमा करने के लिए कहा जाता था।

न्यूज ब्रीफ

रोडस्टेर एक्स रेंज की कीमतों में बड़ी कटौती की घोषणा

नई दिल्ली। होली महोत्सव के अवसर पर ओला इलेक्ट्रिक ने अपनी रोडस्टेर एक्स रेंज की कीमतों में बड़ी कटौती की घोषणा की है। ओला इलेक्ट्रिक ने एंट्री-लेवल रोडस्टेर एक्स की शुरुआती कीमत घटाकर 79,999 रुपये कर दी है। कंपनी का कहना है कि अब इलेक्ट्रिक बाइकें पारंपरिक पेट्रोल बाइकों के मुकाबले अधिक किफायती विकल्प बन गई हैं और इससे इलेक्ट्रिक मोबिलिटी को देश में बढ़ावा मिलेगा। रोडस्टेर एक्स रेंज तीन बैटरी विकल्पों में उपलब्ध है। 2.5 केडब्ल्यूएच बैटरी वाला माडल 79,999 रुपये, 3.5 केडब्ल्यूएच माडल 92,999 रुपये और 4.5 केडब्ल्यूएच माडल 99,999 रुपये में मिलेगा। रोडस्टेर एक्स+ रेंज में 4.5 केडब्ल्यूएच माडल की कीमत 1,09,999 रुपये और 9.1 केडब्ल्यूएच वेरिएंट 1,89,000 रुपये रखी गई है। कंपनी ने कहा है कि इन विकल्पों से विभिन्न बजट और जरूरत वाले ग्राहक इलेक्ट्रिक बाइक खरीद सकते हैं। होली महोत्सव के तहत मुहूर्त महोत्सव आफर भी लान्च किया गया है, जिसमें सीमित समय के लिए चुनिंदा यूनिट्स विशेष कीमत पर उपलब्ध होंगी। इसके अलावा, एस1 प्रो और एस1 प्रो+ स्कूटर पर 8 साल तक की एक्सटेंडेड वारंटी भी दी जाएगी। ओला ने अपने मौजूदा ग्राहकों के लिए ओला इंसाइडर्स कम्युनिटी प्रोग्राम भी शुरू किया है। इस कार्यक्रम के तहत ग्राहक वाहन अपग्रेड, अतिरिक्त फीचर्स और रेफरल जैसे लाभ उठा सकते हैं। पुराने स्कूटर को जेन 3 एस1 और रोडस्टेर में अपग्रेड करने पर करीब 50,000 रुपये तक का फायदा मिलेगा।

टोयोटा की नई लैंड क्रूजर एफजे, बेबी लैंड क्रूजर जल्द होगी लांच

नई दिल्ली। भारतीय बाजार में टोयोटा की नई लेंड क्रूजर एफजे को जल्द ही लाने की तैयारी है। इसे मिनी फार्च्यूनर या बेबी लैंड क्रूजर के नाम से जाना जा रहा है। बाडी-आन-फ्रेम आईएमवी प्लेटफार्म पर बनी यह एसयूवी फार्च्यूनर, हाइलैक्स और इनोवा क्रिस्टा से शेयर करती है, लेकिन लंबाई में छोटी (4575एमएम) और आफ-रोडिंग में ज्यादा सक्षम है। यह लैंड क्रूजर परिवार का सबसे काम्पैक्ट और किफायती माडल है, जो क्लासिक एफजे क्रूजर की रग्ड डिजाइन के साथ आएगा। इसका बाक्सी और मस्कुलर लुक, चौड़े व्हील आर्च, सी-शेप्ड एलईडी लाइट्स, बोल्ड ग्रिल और साइड-ओपनिंग टेलगेट इसे आक्रामक आफ-रोड लुक देते हैं। 17 इंच के अलाय व्हील्स पर एटी टायर लगाए गए हैं। इंटीरियर में 5-सीटर केबिन, 12.5 इंच टचस्क्रीन, डिजिटल इंस्ट्रूमेंट क्लस्टर, ड्यूल-जोन क्लाइमेट कंट्रोल और रियर सीट रिक्लाइन शामिल हैं। कनेक्टिविटी के लिए एपल कारप्ले, एंड्राइड आटो और टोयोटा कनेक्टेड सर्विसेज मिलती हैं। मल्टी-टेरेन सिलेक्ट, हिल डिसेंट कंट्रोल और 4म4 मोड डायल आफ-रोडिंग को आसान बनाते हैं। सेफ्टी के लिए टोयोटा सेफ्टी सेंस, प्री-कालिजन सिस्टम, आटो ब्रेकिंग, लेन कीप असिस्ट, 6-7 एयरबैग्स, व्हीकल स्टेबिलिटी कंट्रोल और 360ए कैमरा दिए गए हैं। इंजन में 2.7 लीटर पेट्रोल (163 पीएस, 246 एनएम) और 6-स्पीड आटोमैटिक के साथ पार्ट-टाइम 4म4 सिस्टम मिलेगा। भविष्य में 2.0 लीटर स्ट्रान्ग हाइब्रिड व प्लग-इन हाइब्रिड विकल्प भी आएंगे।

मारुति सुजुकी नई टेक्नोलाजी और माडल करेगी पेश

नई दिल्ली। मारुति सुजुकी इंडिया अगले दो सालों में 10 लाख रुपये से कम कीमत वाले सेगमेंट में नई टेक्नोलाजी और माडल पेश करने वाली है। 2026-2027 के बीच चार नई कारें लान्च हो सकती हैं, जिनमें सस्ती इलेक्ट्रिक कार, फ्लेक्स-फ्यूल माडल, नई जेनरेशन की बलेनो हैचबैक और एक नई काम्पैक्ट 7-सीटर एमपीवी शामिल हैं। सबसे पहले फ्रोंक्स फ्लेक्स फ्यूल माडल की बात करें तो यह कार ई85 पेट्रोल पर चल सकती है। फिलहाल भारत में बिकने वाली फ्रोंक्स केवल ई20 फ्यूल के साथ कम्पैटिबल है। फ्लेक्स फ्यूल माडल भविष्य में बढ़ते एथेनाल ब्लेंडिंग को ध्यान में रखते हुए तैयार किया गया है और इसे 2026 में लान्च किए जाने का अनुमान है। इसके अलावा, कंपनी एक एंट्री-लेवल इलेक्ट्रिक कार भी लाने वाली है, जो सुजुकी ईडब्ल्यूएक्स कान्सेप्ट पर आधारित होगी।

सेडान ह्यूदै वरना अब नए अवतार में लॉन्च

नई दिल्ली

लोकप्रिय प्रीमियम सेडान ह्यूदै वरना अब भारतीय बाजार में नए अवतार में लान्च हो गई है। कंपनी ने इस बार रिस्पेक्ट द यंग कैंपेन के साथ खास तौर पर युवाओं को टारगेट किया है, जो स्टाइल और परफार्मेंस दोनों को महत्व देते हैं। ह्यूदै मोटर कंपनी ने 2026 माडल की शुरुआती एक्स-शोरूम कीमत 10,98,400 रुपये रखी है। नई वरना में डिजाइन, टेक्नोलाजी और सेफ्टी के मामले में 25 से ज्यादा बदलाव किए गए हैं। इस अपडेट के साथ यह सेडान अब होंडा सिटी और स्कोडा सेल्विया जैसी कारों को कड़ी टक्कर देने के लिए तैयार है। नई वरना के एक्सटीरियर को पहले से ज्यादा माडर्न और स्पोर्टी बनाया गया है।

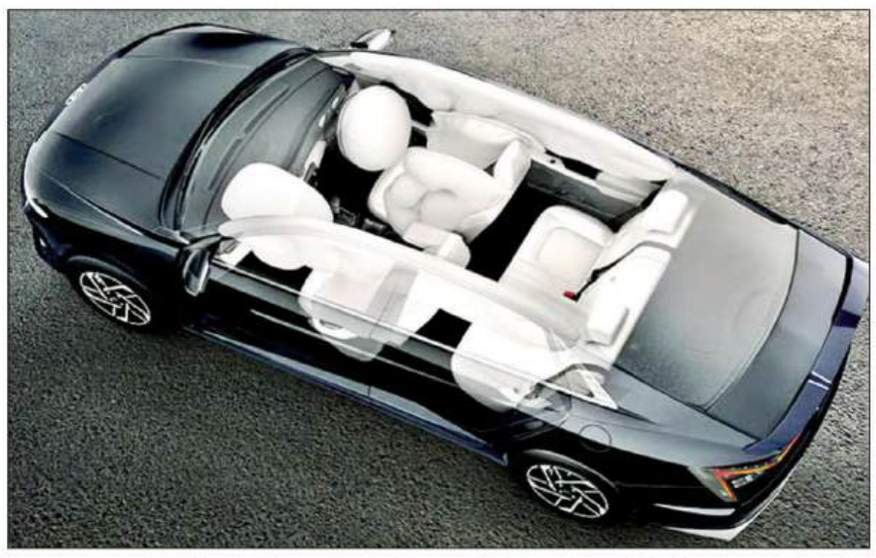

इसमें ब्लैक क्रोम रेडिएटर ग्रिल, ड्यूल एलईडी प्रोजेक्टर हेडलैंप्स और नए डिजाइन वाले फ्रंट व रियर बंपर दिए गए हैं। इसके अलावा 16-इंच के डायमंड-कट अलाय व्हील्स कार के लुक को और आकर्षक बनाते हैं। कंपनी ने ग्राहकों के लिए दो नए कलर विकल्प क्लासी ब्लू और टाइटन ग्रे मैट भी शामिल किए हैं। कार के इंटीरियर को भी पहले से ज्यादा प्रीमियम बनाया गया है। इसमें डी-कट स्टीयरिंग व्हील, लेदर सीटें और इलेक्ट्रिक एडजस्टमेंट की सुविधा दी गई है। ड्राइवर सीट 8-वे इलेक्ट्रिक एडजस्टमेंट और मेमोरी फंक्शन के साथ आती है, जबकि पैसेंजर सीट को 4-वे इलेक्ट्रिकली एडजस्ट किया जा सकता है। डैशबोर्ड पर 10.25-इंच का इंटीग्रेटेड इंफोटेनमेंट सिस्टम और डिजिटल इंस्ट्रूमेंट क्लस्टर दिया गया है। इसके साथ 6-स्पीड मैनुअल, आईवीटी और 7-स्पीड डीसीटी आटोमैटिक ट्रांसमिशन का विकल्प मिलता है। सेफ्टी के लिहाज से कार में स्मार्टसेंस लेवल-2 अडास, 7 एयरबैग, इनबिल्ट डैशकैम, रेन-सेंसिंग वाइपर्स और टायर प्रेशर मानिटरिंग सिस्टम जैसे 75 से ज्यादा फीचर्स दिए गए हैं। इस सेडान के टाप वेरिएंट की कीमत करीब 18.25 लाख रुपये तक जाती है।

नई इलेक्ट्रिक एसयूवी आईएम6 जल्द होगी पेश

नई दिल्ली। भारतीय बाजार में एमजी इंडिया जल्द ही अपनी नई इलेक्ट्रिक एसयूवी आईएम6 को पेश करने की तैयारी कर रही है। यह माडल फुल इंपोर्टेड होगा और केवल सेलेक्ट आउटलेट्स पर उपलब्ध होगा। इस एसयूवी की एक्स-शोरूम कीमत लगभग रुपए 60 लाख रहने की संभावना है। आईएम6 की टक्कर टेसला माडल वाय, बीवायडी सीलियोन 7, ह्यूदै आयोनिक 5 और किआ ईवी 6 जैसी प्रीमियम इलेक्ट्रिक कारों से होगी। आईएम6 में 100 केडब्ल्यूएच की बैटरी दी गई है, जो 800वी इलेक्ट्रिकल आर्किटेक्चर के साथ आती है और 396 केडब्ल्यू तक की डीसी फास्ट चार्जिंग को सपोर्ट करती है। कंपनी का दावा है कि बैटरी केवल 15 मिनट में 30 प्रतिशत से 80 प्रतिशत तक चार्ज हो सकती है। रियर-वील-ड्राइव वेरिएंट 408 एचपी और 500 एनएम टार्क प्रदान करता है, जबकि आल-वील-ड्राइव वर्जन में 778 एचपी और 802 एनएम टार्क मिलता है। आईएम6 आरडब्ल्यूडी 0-100 किमी/घंटा की रफ्तार 5.4 सेकंड में पकड़ती है, जबकि एडब्ल्यूडी वर्जन केवल 3.4 सेकंड में यह स्पीड हासिल कर लेती है। रेंज की बात करें तो आरडब्ल्यूडी माडल 555 किमी और एडब्ल्यूडी वर्जन 505 किमी की रेंज देता है। डिजाइन की दृष्टि से आईएम6 एक कूपे-क्रासओवर जैसी एसयूवी है। इसमें घुमावदार बाडी पैनल, एल-शेप एलईडी हेडलाइट्स और पीछे की ओर पूरी चौड़ाई वाली लाइट बार शामिल है। इंटीरियर में 26.3 इंच का पैनोरमिक स्क्रीन सेटअप और 10.5 इंच की वर्टिकल स्क्रीन दी गई है। उच्च वेरिएंट में लीडार, एनविडिया ओरिन एक्स और क्वालकाम स्नैपड्रेगन 8295 चिप जैसी इंटरनेशनल स्पेसिफिकेशन तकनीकें मौजूद हैं। एमजी भारत में 2026 तक स्टारलाइट 560 एसयूवी भी लान्च करने वाली है, जो 5-सीटर और 7-सीटर दोनों कान्फिगरेशन में उपलब्ध होगी। यह प्लग-इन हाइब्रिड और प्योर इलेक्ट्रिक दोनों विकल्पों के साथ आएगी और महिंद्रा एक्सयूवी 7एक्सह, एक्सईवी 9एस और टाटा हेरियर ईवी जैसी गाड़ियों को टक्कर देगी।

पीटर एल्बर्स के इस्तीफे के बाद राहुल भाटिया ने संभाली कमान कर्मियों से कहा- मैं हूं ना

नई दिल्ली

देश की सबसे बड़ी एयरलाइन कंपनी इंडिगो में एक बड़ा नेतृत्व परिवर्तन देखने को मिला है। इंडिगो के मुख्य कार्यकारी अधिकारीपीटर एल्बर्स ने मंगलवार को अचानक अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। वह पिछले तीन साल से अधिक समय से इस पद पर कार्यरत थे। उनके अप्रत्याशित इस्तीफे के बाद, एयरलाइन के सह-संस्थापक और प्रबंध निदेशक राहुल भाटिया ने कंपनी के कामकाज की पूरी कमान अपने हाथों में ले ली है। नेतृत्व में इस बड़े बदलाव के बीच राहुल भाटिया ने कर्मचारियों को एक भावुक और जिम्मेदारी भरा संदेश भेजा है, जिसके अंत में उन्होंने 2004 की मशहूर बालीवुड ब्लाकबस्टर फिल्म के तर्ज पर खुद को राहुल उर्फ मैं हूं ना कहकर संबोधित किया। दिसंबर की परिचालन बाधाओं और जवाबदेही का जिक्र पीटर एल्बर्स का यह इस्तीफा ऐसे समय में आया है, जब महज तीन महीने पहले एयरलाइन को भारी परिचालन बाधाओं का सामना करना पड़ा था। इस अव्यवस्था के कारण न केवल जनता में भारी रोष देखा गया था, बल्कि नियामक संस्थाओं ने भी सख्त कदम उठाए थे। इस घटना की जिम्मेदारी लेते हुए भाटिया ने अपने पत्र में स्पष्ट किया, पिछले साल दिसंबर में जो कुछ भी हुआ, वह कभी नहीं होना चाहिए था। हमारे ग्राहक इसके हकदार नहीं थे और न ही आप सभी, विशेष रूप से हमारे फ्रंटलाइन कर्मचारी, जिन्हें बिना किसी गलती के इस परेशानी का सबसे ज्यादा खामियाजा भुगतना पड़ा। कर्मचारियों और ग्राहकों के प्रति प्रतिबद्धता अपने विस्तारित पदभार को ग्रहण करते हुए, राहुल भाटिया ने कारपोरेट गवर्नेंस और परिचालन उत्कृष्टता को लेकर अपना दृष्टिकोण साफ किया। उन्होंने कहा, मैं इंडिगो के कामकाज के प्रबंधन की अपनी विस्तारित भूमिका को जिम्मेदारी की गहरी भावना के साथ स्वीकार कर रहा हूं। यह जिम्मेदारी न केवल कंपनी के ग्राहकों और शेयरधारकों के प्रति है, बल्कि हर उस कर्मचारी के प्रति है जो इस एयरलाइन को चलाता है। उन्होंने फ्रंटलाइन कर्मचारियों के धैर्य की सराहना करते हुए कहा, मैं अपने उन सभी सहयोगियों के प्रति आभार व्यक्त करना चाहता हूं जिन्होंने गरिमा के साथ कंपनी का भार उठाया और इंडिगो की परिचालन अखंडता को बहाल करने के लिए रातों की नींद हराम की। आप वास्तव में इंडिगो की जीवित आत्मा हैं।

पृष्ठ तीन का शेष

सीएमएएए योजना के ...

आगे कहा कि दूसरी किस्त प्राप्त कर चुके लाभार्थियों को हम बैंकों से जोड़ रहे हैं ताकि वे अपने कारोबार को और आगे बढ़ा सकें। राज्य सरकार उनके वित्तीय बोझ को कम करने के लिए उनके ऋणों पर ब्याज का एक हिस्सा भी वहन करेगी। शर्मा ने आगे घोषणा की कि सरकार ने इस कार्यक्रम का विस्तार करते हुए इस वर्ष योजना के दायरे में अतिरिक्त 75,000 युवाओं को शामिल किया है, जिससे इस पहल का पैमाना काफी बढ़ गया है। उन्होंने कहा कि हमारा लक्ष्य धीरे-धीरे लगभग 10 लाख लोगों को इस योजना के दायरे में लाना है। हालांकि, इसका विस्तार लाभार्थियों के प्रदर्शन और प्रतिबद्धता पर निर्भर करेगा। हमारा उद्देश्य ऐसे वास्तविक उद्यमियों को प्रोत्साहित करना है जो कड़ी मेहनत करने और टिकाऊ उद्यम स्थापित करने के लिए तैयार हों। कार्यक्रम के पीछे की व्यापक दृष्टि पर प्रकाश डालते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि इस योजना का उद्देश्य युवाओं को अपने स्वयं के उद्यम शुरू करने के लिए सशक्त बनाकर नौकरी चाहने वालों के बजाय नौकरी सृजनकर्ता तैयार करना है। उन्होंने कहा कि ये युवा उद्यमी *आत्मनिर्भर असम* की भावना को आगे बढ़ा रहे हैं। सही कौशल और सरकार से समय पर मिलने वाले सहयोग से वे साबित कर रहे हैं कि उनकी सफलता की कोई सीमा नहीं है।

राइजर दल के साथ ...

दुर्भाग्य से कई कोशिशों के बाद भी राइजर दल के साथ हम गठबंधन के लिए हम एक सुविधाजनक और उम्मीद भरा माहौल नहीं बना पा रहे हैं। उन्होंने लिखा कि चुनावी गठबंधन का पहला लक्ष्य सीटों के जीतने की संभावना के वास्तविक पहलू को विशेष महत्व देना है। इस दिशा पर नजर रखते हुए हम सीटों को व्यापक परिप्रेक्ष्य के साथ कुछ सीटें लेने और कुछ छोड़कर आगे बढ़ गये थे, लेकिन अलग-अलग कारणों से, हम दोनों पक्षों के बीच गठबंधन के मामले को उस तरह से बनाने में असमर्थ हैं।

बरपेटा मेडिकल कॉलेज ...

हम इसे गुवाहाटी, धुबड़ी, सिलचर, बंगाईगांव, विश्वनाथ और सोनितपुर के मेडिकल कॉलेजों में देखते हैं। इन शहरों में मौजूद सभी मेडिकल कॉलेजों का नाम उनके शहरों के नाम पर ही है। मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने कहा कि बरपेटा स्थित मेडिकल कॉलेज के नाम फखरुद्दीन अली अहमद मेडिकल कॉलेज और अस्पताल रख दिया गया था, जो अलग लगता था। खासकर अन्य मेडिकल कॉलेजों के नाम के प्ररूप से मेल भी नहीं खाता था। लोग इसे निजी मेडिकल कॉलेज समझते थे। बस इसी भ्रम को दूर करने के लिए और असम कैबिनेट ने मेडिकल कॉलेज का नाम बदलने का फैसला किया। अब कैबिनेट ने इसका नाम बदलकर बरपेटा मेडिकल कॉलेज और अस्पताल करने का फैसला लिया है। असम सीएम ने कहा कि सरकार पूर्व राष्ट्रपति फखरुद्दीन अली अहमद की प्रतिष्ठा का सम्मान करती है। सरकार जल्द ही उनके नाम पर किसी अन्य संस्थान का नाम रखेगी। असम कैबिनेट ने फेमस सिंगर और कल्चरल आइकन जुबीन गर्ग के सम्मान में भी एक बड़ा फैसला लिया है। सीएम हिमंत विश्व शर्मा ने जुबीन गर्ग समाधि क्षेत्र के निर्माण के लिए सांस्कृतिक मामलों के विभाग को 10 बीघा जमीन देने की मंजूरी दी है।

पीएम मोदी के कोकराझाड़ ...

हमने इस बात पर चर्चा की कि इस आयोजन को सफलतापूर्वक कैसे आयोजित किया जा सकता है ताकि हर समुदाय और जनजाति इसमें भाग ले सके। शुरुआती अनुमान से कहीं अधिक लोगों के आने की संभावना है। इस बीच, असम पुलिस ने प्रधानमंत्री की यात्रा के दौरान सुरक्षा, जन सुरक्षा और वीवीआईपी काफिले की सुचारू आवाजाही सुनिश्चित करने के लिए यातायात संबंधी सलाह जारी की है। इन उपायों को 8 मार्च को आयोजित जिला सड़क सुरक्षा समिति की एक विशेष बैठक के दौरान अंतिम रूप दिया गया, जिसकी अध्यक्षता कोकराझाड़ के उपायुक्त पंकज चक्रवर्ती ने की और जिसमें कोकराझाड़ के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ने भाग लिया। काफिले की सुरक्षित आवाजाही को सुगम बनाने और प्रतिभागियों को निर्दिष्ट पार्किंग क्षेत्रों तक ले जाने वाले वाहनों के यातायात को विनियमित करने के लिए, विशिष्ट मार्गों पर अस्थायी यातायात प्रतिबंध और मार्ग परिवर्तन लागू किए जाएंगे। सलाह के अनुसार, ये प्रतिबंध सुबह 10 बजे से शाम 5 बजे तक प्रभावी रहेंगे, जिसके दौरान वीवीआईपी काफिले के गुजरने के दौरान और निर्धारित कार्यक्रम समाप्त होने तक वाहनों की आवाजाही को अस्थायी रूप से विनियमित या रोका जा सकता है।

पीएम मोदी तीन शहरों ...

अधिकार प्रमाण पत्र प्रधानमंत्री द्वारा एक योग्य चाय बागान कार्यकर्ता को दिया जाएगा। इसके बाद, पूरे असम में चाय बागान भूमि स्वामित्व वितरण कार्यक्रम शुरू किया जाएगा। मुख्यमंत्री शर्मा ने आगे कहा कि प्रधानमंत्री मोदी 14 मार्च को सिलचर-शिलांग-गुवाहाटी एक्सप्रेसवे की आधारशिला रखेंगे। उन्होंने कहा कि वे राज्य सरकार की 150 मेगावाट की कोपिली जलविद्युत परियोजना को भी राष्ट्र को समर्पित करेंगे, जिसे हमने पूरा कर लिया है। गुवाहाटी से वे 10,000 करोड़ रुपए की परियोजनाओं का भी उद्घाटन करेंगे। 14 मार्च को सुबह 11 बजे वे सिलचर में होंगे और 22,000 करोड़ रुपए की लागत से बनने वाले सिलचर-शिलांग-गुवाहाटी एक्सप्रेसवे की आधारशिला रखेंगे। वे कुछ और परियोजनाओं का भी राष्ट्र को समर्पण करेंगे और फिर कोलकाता के लिए रवाना होंगे। असम के तीन अलग-अलग हिस्सों में तीन बैठकें होंगी। गृह मंत्री अमित शाह की यात्रा के बारे में उन्होंने कहा कि 15 मार्च को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह असम का दौरा करेंगे। सुबह करीब 10 बजे वे प्राग्ज्योतिषपुर मेडिकल कॉलेज का उद्घाटन करेंगे और 11 बजे से गुवाहाटी में भाजपा के युवा संकल्प समावेश में शामिल होंगे। असम भाजपा के अनुसार, गुवाहाटी के खानापारा स्थित पशु चिकित्सा महाविद्यालय मैदान में आयोजित होने वाले युवा संकल्प समावेश में लगभग एक लाख युवा कार्यकर्ताओं के भाग लेने की उम्मीद है।

लखीमपुर में टोल गेट ...

लौट रहा था। दीपांकर हजारिका नंबर 2 गार्मुर एमई स्कूल में शिक्षक थे। सबसे कम उम्र की पीड़िता बिदिशा अगले दिन अपना पहला जन्मदिन मनाने वाली थी। इस त्रासदी ने पूरे इलाके में मातम का माहौल बना दिया है, स्थानीय लोग एनएच-15 पर अप्रयुक्त चार-लेन टोल प्लाजा और संरचना के दोनों ओर गति नियंत्रण उपायों की कमी के बारे में गंभीर चिंता व्यक्त कर रहे हैं।

लोकसभा अध्यक्ष ओम...

ने अपने वक्तव्य में उनसे हटकर सरकार की आलोचना की है। इससे पहले गृहमंत्री अमित शाह ने विपक्ष के प्रस्ताव की निंदा की और कहा कि भारतीय जनता पार्टी विपक्ष में रहने पर कभी अध्यक्ष के खिलाफ प्रस्ताव नहीं लाई। उन्होंने कहा कि भले हम अध्यक्ष के मत से असहमत हों लेकिन हमारे लिए वे बाध्यकारी हैं।

बुकिंग के ढाई ...

कि एलपीजी बुकिंग को लेकर लोगों को घबराने की जरूरत नहीं है। देश की वर्तमान में प्राकृतिक गैस की दैनिक खपत लगभग 189 मिलियन मीट्रिक मानक घनमीटर प्रतिदिन है। इसमें से लगभग 97.5 मिलियन मीट्रिक मानक घनमीटर प्रतिदिन का उत्पादन घरेलू स्तर पर होता है और शेष आयात किया जाता है। आयात से लगभग 47.4 मिलियन मीट्रिक मानक घन मीटर की आपूर्ति अप्रत्याशित परिस्थितियों के कारण प्रभावित हुई है। उन्होंने कहा कि आपूर्ति प्रभावित होने के कारण सरकार प्राथमिकता वाले क्षेत्रों को गैस उपलब्ध करा रही है। फिलहाल, एलपीजी की आपूर्ति घरेलू क्षेत्र के लिए की जा रही है। गैर-घरेलू एलपीजी आपूर्ति में अस्पतालों और शैक्षणिक संस्थानों जैसे आवश्यक क्षेत्रों को प्राथमिकता दी जा रही है। घरों, पीएनजी और वाहनों के लिए सीएनजी की 100 प्रतिशत आपूर्ति की जाएगी। वहीं, उपभोक्ताओं की सुरक्षा के लिए लागत में हुई वृद्धि का एक बड़ा हिस्सा सरकार वहन करेगी। दिल्ली में वर्तमान में गैस की कीमत 913 रुपए है। एलपीजी बुकिंग के बीच न्यूनतम अंतराल को 21 दिनों से बढ़ाकर 25 दिन कर दिया गया है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि खाड़ी क्षेत्र में संघर्ष के बीच सरकार भारतीय समुदाय की सुरक्षा सुनिश्चित कर रही है। सरकार कंट्रोल रुम संचालित कर रही है।

ईरान का यूएन को...

यूनाइटेड स्टेट्स ने ईरान के खिलाफ सैन्य कार्रवाई जारी रखी, तो ईरान क्षेत्र में मौजूद सभी अमेरिकी सैन्य ठिकानों और सुविधाओं को निशाना बना सकता है।

कभी भी कर ...

अमेरिकी और इजराइली अधिकारियों का कहना है कि अभी तक यह तय नहीं हुआ है कि सैन्य कार्रवाई कब रोकी जाएगी। ट्रंप ने बुधवार को समाचार वेबसाइट एक्सियोस को फोन पर दिए एक छोटे इंटरव्यू में यह बातें कही। यह बातचीत करीब 5 मिनट चली। ट्रंप ने कहा कि यह युद्ध अमेरिका की योजना से भी ज्यादा सफल रहा है। उन्होंने कहा कि तय छह हफ्तों की योजना के मुकाबले अमेरिका ने उससे भी ज्यादा नुकसान ईरान को पहुंचाया है। ट्रंप ने यह भी कहा कि ईरान की दुश्मनी सिर्फ अमेरिका और इजराइल तक सीमित नहीं थी, बल्कि वह पूरे मिडिल ईस्ट को निशाना बनाना चाहता था। उन्होंने कहा कि ईरान ने पिछले 47 सालों में जो हिंसा और तबाही फैलाई है, अब उसकी कीमत चुका रहा है।

12 साल से कोमा ...

जेबी पारदीवाला की बेंच ने फैसला सुनाते हुए कहा कि ईश्वर किसी मनुष्य से यह नहीं पूछता कि वह जीवन को स्वीकार करता है या नहीं, जीवन उसे लेना ही पड़ता है, ये हेनरी डेविड थूरो के शब्द हैं, जिनका विशेष महत्व तब उभरकर सामने आता है जब अदालतों के समक्ष यह सवाल आता है कि क्या किसी व्यक्ति को मरने का विकल्प चुनने का अधिकार है। इसी संदर्भ में विलियम शेक्सपीयर का प्रसिद्ध कथन टू बी ऑर नॉट टू बी यानी जीना या न जीना भी इस दार्शनिक और विधिक विमर्श को गहराई प्रदान करता है।

गारो पहाड़ में हिंसा के ...

एक वीडियो मैसेज के जरिए मुख्यमंत्री कॉनराड के. सांग्मा ने कहा कि गारो पहाड़ जिले में मौजूदा कानून-व्यवस्था की स्थिति और लोगों को हो रही मुश्किलों का रिव्यू करने और उन पर विचार करने के बाद मेघालय सरकार ने गारो हिल्स ऑटोनॉमस डिस्ट्रिक्ट काउंसिल के चुनाव टालने का फैसला किया है। इस बीच, राज्य प्रशासन के एक बड़े अधिकारी ने कहा कि हालांकि वेस्ट गारो पहाड़ जिले में अभी हालात शांत हैं, लेकिन तनाव बना हुआ है।

होर्मुज में इंडिया आ...

11 समुद्री मील (लगभग 18 किलोमीटर) उत्तर में घटी। मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, यह तेल पोत भारत जा रहा था। थाई नौसेना ने कहा कि वह पोत को सहायता प्रदान करने और उसमें सवार लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए अंतर्राष्ट्रीय समन्वय चैनलों के माध्यम से काम कर रही है। हमले की सूचना मिलते ही आपातकालीन सहायता की व्यवस्था कर दी गई थी। थाई मीडिया की प्रारंभिक रिपोर्टों से पता चलता है कि पोत से 20 चालक दल के सदस्यों को बचा लिया गया है। हालांकि, बचाव कार्य जारी रहने के दौरान माना जा रहा है कि तीन लोग अभी भी पोत पर फंसे हुए हैं। अधिकारियों ने यह भी पुष्टि की कि मयूरी नारी एकमात्र प्रभावित पोत नहीं थी।

भारतीय टीम जून से फिर अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में होगी वयस्त

साल 2027 एकदिवसीय विश्वकप तक खेलनी है कई देशों से सीरीज

मुम्बई

टी20 विश्वकप की जीत का जश्न मना रही भारतीय क्रिकेट टीम के खिलाड़ी अब कुछ दिनों के ब्रेक के बाद इस माह के अंत में शुरु हो रहे आईपीएल में खेलेंगे। विश्वकप जीतने के बाद से ही खिलाड़ियों का मनोबल बढ़ा हुआ है। ऐसे में 28 मार्च से शुरु हो रहे आईपीएल में भी इन खिलाड़ियों का प्रदर्शन शीर्ष स्तर का रहने की संभावना है। 31 मई को होने वाले आईपीएल फाइनल के बाद टीम एक बार फिर अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में व्यस्त हो जाएगी। भारतीय टीम 2027 एकदिवसीय विश्वकप को ध्यान में रखते हुए तैयारी करेगी। इस दौरान कोचिंग स्टाफ और चयनकर्ता विश्वकप के लिए टीम संयोजन बेहतर बनाने का प्रयास करेंगे। सीमित ओवरों के क्रिकेट के साथ-साथ टीम इंडिया वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप 2025-27 चक्र भी बेहतर प्रदर्शन करना चाहेगी। भारत का लक्ष्य एक बार फिर विश्व टेस्ट चैम्पियनशपिपन फाइनल में जगह बनाना होगा, जिससे टेस्ट क्रिकेट में भी आईसीसी ट्राफी जीत सके। जून में अफगानिस्तान के खिाफ घरेलू सीरीज भारतीय टीम को अब जून में अफगानिस्तान से खेलेगी। टीम अफगानिस्तान के खिलाफ 1 टेस्ट और तीन एकदिवसीय खेलेगी। ये मुकाबल भारत में ही 6 से 20 जून के बीच खेले जाएंगे। इंग्लैड दौरा भारतीय टीम जुलाई में 5 टी20 और 3 एकदिवसीय मैचों के लिए इंग्लैंड जाएगी। ये मुकाबले एक से 19 जुलाई के बची होंगे। श्रीलंका दौरा भारतीय टीम इसके बाद अगस्त में श्रीलंका का दौरा कर दो टेस्ट और 2 टी20 खेलेगी। बांग्लादेश दौरा भारतीय टी सितंबर में बांग्लादेश जाकर एक से 13 सितंबर के बीच तीन एकदिवसीय और तीन टी20 खेलेगी। एशियाई खेल इसके बाद भारतीय टीम को एशियाई खेलों में भाग लेने जाने जापान जाना है। ये मुकाबले 19 सितंबर से 4 अक्टूबर के बीच खेले जाएंगे। वेस्टइंडीज का भारत दौरा भारतीय टीम वेस्टइंडीज के खिलाफ तीन एकदिवसीय और 3 टी20 मैच अक्टूबर माह में खेलेगी। भारत का न्यूजीलैंड दौरा भारीय टीम इस दौरे में दो टेस्ट, तीन तीन एकदिवसीय के अलावा 5 टी20 मुकाबले खेलेगी। ये मुकाबले अक्टूबर से नवंबर के बीच खेले जाएंगे। श्रीलंका का भारत दौरा भारतीय टीम श्रीलंका के साथ साल के अंत में तीन एकदिवसीय और इतने ही टी20 मैच खेलेगी। बार्डर-गावस्कर ट्राफी भारतीय टीमी अपनी ही धरती पर आस्ट्रेलिया के खिलाफ पांव 5 टेस्ट साल 2027 की वहीं क्वालीफाई करने पर जून में इंग्लैंड में उसे विश्व टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल खेलने जाना होगा।

मैच: 1 टेस्ट तारीख: जून 2027 मेजबान देश: इंग्लैंड एशिया कप 2027 भारतीय टीम एशिया कप किए जुलाई में बांग्लादेश जाएगी। एकदिवसीय क्रिकेट विश्वकप 2027 ये मुकाबले दक्षिण अफ्रीका, जिम्बाब्वे, नामीबिया में खेले जाएंगी। जिसमें भारतीय टीम खिताबी दावेदार के तौर पर उतरेगी।

न्यूज ब्रीफ

आईसीसी रैंकिंग में भारत की मंधाना नंबर एक पर बरकरार, हरमनप्रीत आठवें नंबर पर पहुंची, जेमिमा 12 वें स्थान पर

दुबई। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की ताजा एकदिवसीय बल्लेबाजी रैंकिंग में भारतीय महिला क्रिकेट टीम की स्टार खिलाड़ी स्मृति मंधाना शीर्ष पर बनी हुई है। मंधाना हाल में आस्ट्रेलिया दौरे में अपने शानदार प्रदर्शन से नंबर एक स्थान पर बरकरार हैं। वहीं भारतीय टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर आठवें स्थान पर हैं पर जेमीमा रोड्रिग्स एक स्थान नीचे आकर 12वें स्थान पर फिसल गयी हैं। हाल में जिम्बाब्वे के खिलाफ सीरीज में अच्छे प्रदर्शन के कारण न्यूजीलैंड की आलरांउडर अमेलिया केर गेंदबाजी रैंकिंग में पांच स्थान के लाभ के साथ ही 11वें स्थान पर आ गयी हैं जबकि आलराउंडर की सूची में भी एक स्थान के लाभ के साथ ही पांचवें नंबर पर आ गयी है। न्यूजीलैंड की ही बल्लेबाज ब्रुक हैलीडे आठ स्थान के लाभ के साथ ही 11वें स्थान पर और मैडी ग्रीन चार स्थान के लाभ के साथ ही 22वें स्थान पर आ गयी हैं। हैलीडे ने सीरीज के पहले मैच में शतक लगाया जबकि ग्रीन ने अर्धशतक। वेस्टइंडीज के खिलाफ अच्छे प्रदर्शन के कारण श्रीलंका की बाएं हाथ की बल्लेबाज हसिनी परेरा ताजा बल्लेबाजी रैंकिंग में 15 स्थान की लंबी छलांग लगाकर 28वें स्थान पर पहुंच गयी है। इमेशा दुलानी बल्लेबाजी रैंकिंग में 17 स्थान के फायदे से 72वें नंबर पर हैं पर कविशा दिलहारी गेंदबाजी रैंकिंग में तीन स्थान के लाभ के साथ ही 21वें पायदान पर पहुंच गयी है।

आईपीएल 2026 सत्र के कार्यक्रम की घोषणा शीघ्र की जाएगी : बीसीसीआई

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने कहा है कि इसी माह के अंत में शुरु होने वाले इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के लिए कार्यक्रम की घोषणा शीघ्र ही की जाएगी। टी20 विश्व कप समाप्त होने के बाद से ही प्रशंसक अब आईपीएल के 19 सत्र का इंतजार कर रहे हैं। ये सत्र 28 मार्च से होना है पर अभी तक कार्यक्रम घोषित नहीं होने से प्रशंसक संशय में है कि किस टीम को मैच कब खेला जाएगा। बीसीसीआई ने कार्यक्रम की घोषणा में हो रही देरी का भी कारण बताया और कहा कि कुछ राज्यों के चुनाव की तारीखों का इंतजार किया जा रहा है। इसी कारण अब बोर्ड कार्यक्रम के सभी मैचों की एकसाथ घोषणा न करते हुए दो चरणों में करेगा। बीसीसीआई सचिव देवजीत सैकिया ने कहा कि अगले 2-3 दिनों में आईपीएल के पहले 20 दिनों का कार्यक्रम जारी किया जाएगा।

कबड्डी के चाणक्य रणधीर सिंह सेहरावत बने गुजरात जायंट्स के मुख्य कोच

अहमदाबाद। अदाणी स्पोर्ट्सलाइन ने आगामी प्रो कबड्डी लीग सत्र से पहले अनुभवी कोच रणधीर सिंह सेहरावत को गुजरात जायंट्स का मुख्य कोच नियुक्त किया है। कबड्डी के चाणक्य के नाम से प्रसिद्ध सेहरावत लीग के सबसे अनुभवी कोचों में गिने जाते हैं। वह वर्ष 2014 में शुरू हुई प्रो कबड्डी लीग से ही इससे जुड़े रहे हैं। उनके मार्गदर्शन में टीमों ने एक बार खिताब जीता है और छह बार प्लेआफ में जगह बनाई है। अर्जुन पुरस्कार से सम्मानित सेहरावत के पास कबड्डी का लंबा अनुभव है। उन्होंने भारतीय रेल कबड्डी टीम के कोच के रूप में पुरुष और महिला दोनों टीमों को कई राष्ट्रीय चैंपियनशिप खिताब दिलाए हैं। खिलाड़ी के रूप में भी सेहरावत का करियर शानदार रहा है। उन्होंने भारतीय राष्ट्रीय कबड्डी टीम का प्रतिनिधित्व करते हुए कई अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में हिस्सा लिया, जिनमें एशियाई कबड्डी चैम्पियनशिप 1988, दक्षिण एशियाई खेल 1989 और एशियाई खेल 1990 शामिल हैं। 1990 के एशियाई खेलों में वह उपकप्तान के रूप में स्वर्ण पदक जीतने वाली भारतीय टीम का हिस्सा रहे थे। अपनी नियुक्ति पर रणधीर सिंह सेहरावत ने कहा कि वह एक बार फिर प्रो कबड्डी लीग में वापसी कर बेहद खुश हैं और इस अवसर के लिए अदाणी स्पोर्ट्सलाइन के आभारी हैं। उन्होंने कहा कि गुजरात जायंट्स के पास युवा और अनुभवी खिलाड़ियों का अच्छा मिश्रण है और वह टीम के साथ मिलकर खिताब जीतने के लक्ष्य की ओर काम करेंगे। अदाणी स्पोर्ट्सलाइन के मुख्य व्यवसाय अधिकारी संजय अडेसरा ने कहा कि रणधीर सिंह सेहरावत जैसे अनुभवी कोच का टीम से जुड़ना गुजरात जायंट्स के लिए बड़ी उपलब्धि है। उनका अनुभव और खेल की गहरी समझ टीम को मजबूत बनाने में अहम भूमिका निभाएगी।

खाड़ी क्षेत्र में संकट के कारण टी20 वर्ल्ड कप टीमों की वापसी में देरी : आईसीसी

नई दिल्ली

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने बुधवार को बयान जारी कर बताया कि आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप 2026 में हिस्सा लेने वाली कुछ टीमों के खिलाड़ियों, कोचों, सपोर्ट स्टाफ और उनके परिवारों की घर वापसी में देरी हो रही है। आईसीसी ने कहा कि टूर्नामेंट में अपने अभियान समाप्त कर चुके सभी लोग जल्द से जल्द घर लौटना चाहते हैं, लेकिन मौजूदा परिस्थितियों के कारण यह संभव नहीं हो पाया है। आईसीसी के अनुसार यह देरी खाड़ी क्षेत्र में जारी संकट के कारण हो रही है, जिसकी वजह से अंतरराष्ट्रीय हवाई यात्रा गंभीर रूप से प्रभावित हुई है। कई देशों के हवाई क्षेत्र बंद हैं, मिसाइल चेतावनियां जारी की जा रही हैं और उड़ानों के मार्ग बदले जा रहे हैं। इसके अलावा कई कमर्शियल और चार्टर उड़ानों को अचानक रद्द या पुनर्निर्धारित करना पड़ा है।

आईसीसी ने स्पष्ट किया कि ये परिस्थितियां उसके नियंत्रण से बाहर हैं, जिससे खिलाड़ियों की यात्रा व्यवस्था सामान्य से कहीं अधिक जटिल और समय लेने वाली हो गई है। आईसीसी ने बताया कि वह लगातार एयरलाइंस, चार्टर आपरेटर, एयरपोर्ट प्राधिकरण, ग्राउंड हैंडलर और विभिन्न देशों की सरकारी एजेंसियों के साथ संपर्क में है, ताकि सभी प्रभावित समूहों की सुरक्षित घर वापसी जल्द से जल्द सुनिश्चित की जा सके। वर्तमान व्यवस्था के अनुसार दक्षिण अफ्रीका क्रिकेट टीम के सदस्य दक्षिण अफ्रीका के लिए रवाना होना शुरू करेंगे और अगले 36 घंटों के भीतर सभी के प्रस्थान की उम्मीद है। वहीं वेस्टइंडीज क्रिकेट टीम के नौ सदस्य पहले ही कैरेबियन के लिए रवाना हो चुके हैं, जबकि बाकी 16 सदस्य अगले 24 घंटों के भीतर भारत से उड़ान भरेंगे। आगे की प्रस्थान व्यवस्था की पुष्टि होने पर आईसीसी अतिरिक्त जानकारी साझा करेगा। आईसीसी ने यह भी स्पष्ट किया कि इन फैसलों के पीछे केवल सुरक्षा, व्यवहारिकता और खिलाड़ियों के कल्याण को ध्यान में रखा गया है। मीडिया के कुछ मंचों पर सामने आ रही अन्य अटकलों को परिषद ने पूरी तरह गलत और भ्रामक बताया।

परिषद ने कहा कि दक्षिण अफ्रीका और वेस्टइंडीज के लिए की गई यात्रा व्यवस्था का पहले इंग्लैंड क्रिकेट टीम या किसी अन्य देश की व्यवस्था से कोई संबंध नहीं है, क्योंकि सभी मामलों में परिस्थितियां, यात्रा मार्ग और उड़ान विकल्प अलग-अलग रहे हैं।

आईसीसी ने दोहराया कि इस पूरे समय उसकी सर्वोच्च प्राथमिकता खिलाड़ियों और उनके परिवारों की सुरक्षा और भलाई है। परिषद ने कहा कि जब तक यात्रा व्यवस्था पूरी तरह सुरक्षित नहीं हो जाती, तब तक किसी को भी रवाना नहीं किया जाएगा।

आईसीसी ने खिलाड़ियों, टीम प्रबंधन, क्रिकेट बोर्ड और सहयोगी साझेदारों को इस कठिन परिस्थिति में धैर्य और सहयोग बनाए रखने के लिए धन्यवाद भी दिया।

फीफा विश्व कप 2026 प्लेआफ से पहले इराकी खिलाड़ियों को मिलना शुरू हुए वीज़ा

मेक्सिको सिटी

फीफा विश्व कप 2026 के अंतरमहाद्वीपीय प्लेआफ मुकाबले से पहले इराक राष्ट्रीय फुटबाल टीम के खिलाड़ियों को वीज़ा जारी करने की प्रक्रिया शुरू हो गई है। मेक्सिको के विदेश मंत्रालय ने बताया कि 31 मार्च को मान्टेरी में होने वाले क्वालीफायर मुकाबले से पहले इराकी खिलाड़ियों के लिए वीज़ा जारी किए जा रहे हैं।

मंत्रालय के अनुसार 8 मार्च को कुछ खिलाड़ियों की वीज़ा प्रक्रिया मेक्सिको दूतावास, सऊदी अरब में पूरी की गई थी, जबकि अन्य खिलाड़ियों और अधिकारियों की प्रक्रिया मंगलवार को मेक्सिको दूतावास, कतर में पूरी की जानी है। हालांकि सरकार ने यह नहीं बताया कि अब तक कितने खिलाड़ियों को वीज़ा दिया गया है।

दरअसल क्षेत्र में जारी युद्ध के कारण इराकी टीम को यात्रा संबंधी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। हवाई क्षेत्र बंद होने के कारण टीम के कई खिलाड़ी अभी तक एक स्थान पर एकत्र नहीं हो पाए हैं, जिससे उनकी तैयारियों पर असर पड़ा है।

अंतरमहाद्वीपीय प्लेआफ में इराक राष्ट्रीय फुटबाल टीम का सामना सूरीनाम राष्ट्रीय फुटबाल टीम और बोलीविया राष्ट्रीय फुटबाल टीम के बीच होने वाले मुकाबले के विजेता से होगा। इस मैच के विजेता को विश्व कप के ग्रुप चरण में जगह मिलेगी, जहां उसे फ्रांस राष्ट्रीय फुटबाल टीम, नार्वे राष्ट्रीय फुटबाल टीम और सेनेगल राष्ट्रीय फुटबाल टीम के साथ ग्रुप में रखा जाएगा। इराक के मुख्य कोच ग्राहम अर्नोल्ड ने मौजूदा परिस्थितियों को देखते हुए फीफा से अंतरमहाद्वीपीय क्वालीफायर को स्थगित करने का अनुरोध भी किया है। उनका कहना है कि इराक का हवाई क्षेत्र बंद होने के कारण टीम के अधिकांश खिलाड़ी, जो घरेलू लीग में खेलते हैं, अभी तक एक साथ नहीं जुट पाए हैं। इस बीच मेक्सिको के विदेश मंत्रालय ने बताया कि वह मेक्सिको में इराक दूतावास के संपर्क में है और इराकी राष्ट्रीय टीम के सभी सदस्यों के दस्तावेज़ तैयार करने में हर संभव सहायता प्रदान करेगा। गौरतलब है कि फीफा विश्व कप 2026 की मेजबानी संयुक्त रूप से मेक्सिको, संयुक्त राज्य अमेरिका और कनाडा कर रहे हैं। यह टूर्नामेंट 11 जून 2026 से शुरू होगा।

द हंड्रेड लीग में बर्मिंघम फीनिक्स की कप्तानी करेंगे जैकब बेथेल

लंदन। टी20 विश्वकप में भारतीय टीम के खिलाफ शतकीय पारी खेलने वाले इंग्लैंड के युवा आलराउंडर जैकब बेथेल को द हंड्रेड लीग में बर्मिंघम फीनिक्स ने अपना कप्तान बनाया है। बेथेल को आगामी सत्र के लिए होने वाली नीलामी ही लियम लिविंगस्टोन की जगह कप्तान बनाया गया है। वहीं लिविंगस्टोन इस बार लंदन स्पिरिट से खेलते नजर आयेंगे। कप्तानी मिलने से उत्साहित बेथेल ने कहा कि यह उनके लिए सम्मान की बात है। उन्होंने कहा, बर्मिंघम फीनिक्स का कप्तान बनना मेरे लिए बहुत गर्व की बात है। पिछले साल इंग्लैंड की कप्तानी करने के कारण उन्हें अंदाज है कि ये जिम्मेदारी कितनी बड़ी होती है। इसमें हमें और टीम से सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन लेना होता है। हाल बेथेल ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में अपने प्रदर्शन से सभी को प्रभावित किया है। वह अंतरराष्ट्रीय स्तर पर लिस्ट ए, फर्स्ट क्लास और टी20 तीनों फार्मेट में शतक लगाने वाले खिलाड़ियों में शामिल हैं। टी20 विश्व कप 2026 के सेमीफाइनल में खिलाफ उन्होंने में शानदार शतक लगाकर अपनी क्षमता साबित की थी। बर्मिंघम फीनिक्स के मुख्य कोच शेन बान्ड ने बेथेल की कप्तानी कौशल को सराहा है। उन्होंने कहा कि बेथेल बेहद प्रतिभाशाली खिलाड़ी हैं और कम उम्र में ही उनकी नेतृत्व सामने आई है। बान्ड के मुताबिक, पिछले साल इंग्लैंड की कप्तानी करते समय हमने उनकी कप्तानी देखी है। बेथेल ने साल 2022 में वेल्श फायर के लिए द हंड्रेड में डेब्यू किया था। इसके बाद 2023 में उन्हें बर्मिंघम फीनिक्स ने टीम में शामिल किया, लेकिन उस सीजन में वह केवल एक ही मैच खेल पाये थे।

इंडियन वेल्स में आर्यना सबालेंका ने नाओमी ओसाका को हराया, क्वार्टरफाइनल में प्रवेश

इंडियन वेल्स

विश्व की नंबर एक बेलारूस की आर्यना सबालेंका ने ग्रैंड स्लैम विजेताओं की टक्कर में शानदार प्रदर्शन करते हुए मंगलवार को जापान की नाओमी ओसाका को 6-2, 6-4 से हराकर इंडियन वेल्स ओपन के क्वार्टरफाइनल में प्रवेश कर लिया। अब सबालेंका क्वार्टरफाइनल में अमांडा अनिसिमोवा और विक्टोरिया मबोको के बीच होने वाले मुकाबले की विजेता से भिड़ेंगी।

सबालेंका ने पूरे मुकाबले में आक्रामक खेल दिखाते हुए 31 विनर और आठ ऐस लगाए। उन्होंने पहले सेट में दो बार ओसाका की सर्विस तोड़ते हुए आसानी से सेट अपने नाम कर लिया। दूसरे सेट में ओसाका ने लय पकड़ने की कोशिश की, लेकिन सबालेंका की मजबूत सर्विस को भेदने में वह नाकाम रहीं। सबालेंका ने दूसरे सेट में मिले दोनों ब्रेक प्वाइंट बचाए और 4-3 की बढ़त बनाने के लिए शानदार फोरहैंड विनर लगाए।

दोनों खिलाड़ियों के बीच यह सिर्फ दूसरा मुकाबला था। इससे पहले 2018 में खेले गए मैच में ओसाका ने जीत हासिल की थी और उसी वर्ष उन्होंने अपना पहला ग्रैंड स्लैम खिताब जीता था। सबालेंका ने मैच के बाद कहा कि उन्होंने कोर्ट पर विविधता लाते हुए लगातार दबाव बनाए रखा, जिससे अहम मौकों पर ओसाका भ्रमित नजर आईं।

तालिया गिब्सन का शानदार प्रदर्शन

इस बीच आस्ट्रेलिया की क्वालीफायर तालिया गिब्सन ने भी शानदार प्रदर्शन करते हुए सातवीं वरीयता प्राप्त जैस्मिन पाओलिनी को 7-5, 2-6, 6-1 से हराकर क्वार्टरफाइनल में जगह बना ली। 21 वर्षीय गिब्सन ने मैच में कुल 42 विनर लगाए और अपने करियर में पहली बार किसी शीर्ष-10 खिलाड़ी को हराया। पहले सेट में उन्होंने आखिरी क्षणों में ब्रेक हासिल कर बढ़त बनाई। दूसरे सेट में पाओलिनी ने 3-0 की बढ़त के साथ वापसी की, लेकिन निर्णायक सेट में गिब्सन ने आक्रामक खेल दिखाते हुए मैच अपने नाम कर लिया। विश्व रैंकिंग में 112वें स्थान पर काबिज गिब्सन ने मैच के बाद कहा कि वह इस जीत से बेहद भावुक हैं और खुद भी अपने प्रदर्शन से हैरान हैं। उन्होंने कहा कि उनका आक्रामक खेल उन्हें लगातार मौके बनाने में मदद करता है और इंडियन वेल्स में वह उसी रणनीति के साथ आगे बढ़ रही हैं। अब क्वार्टरफाइनल में गिब्सन का सामना लिंडा नोस्कोवा और अलेक्जेंड्रा ईला के बीच होने वाले मुकाबले की विजेता से होगा।

न्यूजीलैंड ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टी20 सीरीज के लिए घोषित की टीम

विश्वकप फाइनल खेले आठ अनुभवी खिलाड़ियों की जगह युवाओं को किया शामिल

आकलैंड

न्यूजीलैंड क्रिकेट बोर्ड ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ होने वाली पांच मैचों की घरेलू टी20 सीरीज के लिए टीम घोषित कर दी है। इस सीरीज में टी20 विश्वकप फाइनल में शामिल रहे आठ अनुभवी खिलाड़ियों को जगह नहीं मिली है। इसमें अनुभवी टिम सिफर्ट, फिन एलन, रचिन रविंद्र, ग्लेन फिलिप्स, मार्क चैपमैन, डेरिल मिचेल, मैट हेनरी और जैकब डफी को जगह नहीं मिली है।

इन खिलाड़ियों में से कई इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 में भी हिस्सा लेंगे। इस कारण भी इनको आराम दिया गया है। 15 मार्च से होने वाली इस सीरीज में कप्तान मिचेल सैंटनर पहले तीन टी20 मैच ही खेलेंगे। इसके बाद बचे हुए मैचों में टाम लैथम कप्तानी करेंगे। वहीं कैटेने क्लार्क, निक केली और जेडन लेनाक्स को पहली बार शामिल किया गया है। क्लार्क और लेनाक्स को आखिरी दो एकदिवसीय के लिए रखा गया है। डेवोन कानवे की जगह युवा विकेटकीपर बल्लेबाज डेन क्लेवर को टीम में शामिल किया गया है। चयनकर्ता गेविन लार्सन ने कहा, इस टीम का चयन करते समय हमने युवाओं को प्राथमिकता दी। इससे हमें कुछ अनुभवी खिलाड़ियों को आराम देने और नए चेहरों को अवसर देने का मौका मिला है। यह कई खिलाड़ियों के लिए टी20 टीम में अपनी जगह पक्की करने का अच्छा अवसर है, क्योंकि हम एक नए विश्वकप चरण की शुरुआत कर रहे हैं।

टीम इस प्रकार है

मिचेल सैंटनर (कप्तान) (तीन मैच), कैटेने क्लार्क (आखिरी दो मैच), जोश क्लार्कसन, डेन क्लेवर (विकेटकीपर) (आखिरी दो मैच), डेवोन कानवे (विकेटकीपर) (पहले तीन मैच), लाकी फर्ग्यूसन (दूसरा और तीसरा मैच), जैक फाल्क्स, बेवन जैकब्स, काइल जैमीसन, निक केली, टाम लैथम (कप्तान) (आखिरी दो मैच), जेडन लेनाक्स (आखिरी दो मैच), कोल मैकंकोंची, जिम्मी नीशम, टिम राबिन्सन, बेन सीयर्स, नाथन स्मिथ, ईश सोढ़ी।

लिविंग रूम को स्टाइलिश बना देंगे ये लैंप

घर में लिविंग रूम सबसे खास होता है। यह घर को वो खास हिस्सा है जहां पर आप मेहमनों का स्वागत कर सकते हैं और सारे दिन की थकावट भी इसी रूम में आराम करके उतर जाती है। इस खास जगह का इंटीरियर भी अगर शानदार हो तो यहां समय बिताने में बहुत मजा भी आता है। आजकल लोग घर के इंटीरियर को लेकर बहुत चूजी हो गए हैं। वह घर में हर चीज को स्टाइलिश तरीके से रखना पसंद करते हैं। पहले सिर्फ सोफे और कुर्सी को इंटीरियर का खास हिस्सा माना जाता था लेकिन अब इसमें वॉल डैकोरेशन,शो पीस,प्लांटस के साथ-साथ लैंप को भी इसके साथ जोड़ा जा रहा है। घर की खूबसूरती और भी बढ जाती है स्टाइलिश चेयर और सोफे के साथ लैंप भी शानदार हो। इससे घर को रॉयल लुक भी मिलती है। आजकल बाजार में बहुत तरह के लैंप आसानी से मिल जाते हैं,जिसे आप अपने लिविंग रूम का खास हिस्सा बना सकते हैं।

इस तरह के लैंप टेबल पर नहीं बल्कि फ्लोर पर रखने वाले होते हैं। जो सिंपल से सोफा और चेयर सैट को भी स्टाइलिश लुक देता है। आप अपने फर्नीचर या फिर रूम के कलर के हिसाब से मैच करके भी रख सकते हैं। रूम को लग्जरी लुक देना चाहते हैं को इस तरह के लैंप आपके लिए बैस्ट हैं। कम फर्नीचर के साथ भी यह कमरे की खूबसूरती को बढ़ा देते हैं।

मॉडर्न स्टाइल से घर को सजाना है तो इस तरह के लैंप बहुत अच्छे लगते हैं। इनकी लैंथ फ्लोर से बहुत ऊंची होती हैं।

इस तरह बनाए पुराने स्मार्टफोन से

सीसीटीवी कैमेरा

अक्सर लोग नया फोन लेते समय लोग आपने पुराने स्मार्टफोन को फैंक देते है। अगर आपका फोन ठीक से काम करता हो तो आप उसे बेच देते है या फिर उसे घर पर ऐसे ही पड़ा रहने देते है लेकिन अब आप उसे बेचने की बजाए घर के लिए सीसीटीवी कैसरा बना सकते है। इससे आपको पुराना फोन कम दाम पर बेचना भी नहीं पड़ेगा और वो आपके काम भी आ जाएगा।

ऑफिस या घर पर सीसीटीवी कैमरा लगवाने के लिए काफी पैसे खर्च कर देते है लेकिन मंहगा होन के कारण कई लोग इसे खरीद नहीं पाते है। पुराने फोन की मदद से आप घर के लिए बिना किसी मदद के सीसीटीवी कैसरा बना सकते है। इससे आपके पैसे भी नहीं खर्च करने पड़ेगें और आपके घर के लिए सीसीटीवी कैसरा भी बन जाएगा। स्मार्टफोन से घर के लिए सीसीटीवी कैसरा बनाने के लिए आप उसमें सीसीटीवी ऐप को डाउनलोड कर लें। प्ले स्टोर में सीसीटीवी सर्च करने पर आपको कई ऐप मिल जाएंगे।

डाउनलोड होने के बाद यूजर अपनी गूगल अकाउंट की डिटेल को ऐप में डाल दें। डिटेल देने के बाद आपको इसमें कैमरा और व्यूअर नजर आ जाएगा। नेक्सट करने के बाद कैमरे के स्क्रीन व्यू को सिलेक्ट करें। इससे आपका स्मार्टफोन ब्लैंक या फिर विजिबल मोड पर आ जाएगा। अब आप इसे घर की सेफ्टी के लिए इस्तेमाल कर सकते है। आप इससे स्क्रीन रिकॉर्डिंग भी कर सकते है।

जिसे आप बाद में देख सकते है। अगर आपका फोन चार्ज नहीं होगा तो आप रिकॉर्डिंग को देख नहीं पाएगें। इसलिए समय-समय पर अपने फोन को चेक करते रहें और बैटरी लो होने पर इसे चार्ज कर लें। इसे आप अपने टीवी के साथ भी कनेक्ट कर सकते है।

बेकार रस्सियों से बनाएं घर के लिए क्रिएटिव

घर में बहुत सी बेकार चीजें होती है, जिन्हें आप इस्तेमाल करने की बजाए फैंक देती है। उसी तरह घर में पड़ी बेकार रस्सी को भी आप बिना उसके फायदे जाने फैंक देती है। घर में पड़ी बेकार रस्सी का इस्तेमाल आप अपने घर के लिए टोकरी बना सकती है। इस टोकरी का इस्तेमाल आप किचन से लेकर मेकअप का सामान रखने के लिए कर सकती है। आइए जानते है कि किस तरह से आप बेकार रस्सीयों से अपने घर की सजावट कर सकती है।

जरूरी सामान

रस्सी से कलाकृति बनाने के लिए आपको बेकार रस्सी, प्लॉस्टिक का टब (किसी भी साइज का), ग्लू, कलर चाहिएं होंगे।

बनाने का तरीका

1. सबसे पहले तो टब को प्लास्टिक बैग में लपेट दें। इसके बाद इसके ग्लू से रस्सी को चारों तरफ लपेटते हुए चिपका दें।
2. अच्छी तरह से चारों तरफ रस्सी चिपकाने के बाद टब के सखने के लिए रख दें। सूखने के बाद आप टब को धीरे-धीरे रस्सीयों के अंदर से निकाल लें।
3. टब निकालने के बाद इसे थोड़ी देर और सूखने के लिए रख दें। जब टब अच्छी तरह से सूख जाएं तो इसपर आप अपनी पंसद से कोई भी कलर कर दें। इसके अलावा इस आप अपनी पसंद से फूल भी लगा सकती है।
4. इस सुंदर टोकरी में आप किचन या घर का कोई भी सामान रख सकती है। इसके अलावा इस तरीके से छोटी टोकरी बना कर आप इसमें अपना मेकअप का समान भी रख सकती है।
5. टोकरी बनाने के अलावा इससे आप घर की बाकी चीजे जैसे फोटो फ्रेम, मिरर या फिर कोई भी सामान डेकोरेट कर सकती है। इसकी टोकरी बना कर आप उसमें फूलों को लगा कर गार्डनिंग भी कर सकती है।

विवाह कार्ड में भी लोग अपनाते हैं वास्तु नियम

हर लड़का और लड़की का सपना होता है कि वह शादी करें। आजकल के लोग शादी के हर फकंशन को पूरी तरह से एज्वाय भी करते है। शादी से जुड़ी हर रस्म को लोह बहुत अरमानों के साथ निभाते हैं। कहा जाता है कि अगर किसी काम की शुरूवात अच्छे से हो तो सारी जिंदगी अच्छे से गुजरती है। इसी तरह शादी की शुरूवात भी न्योते यानि मेहमानों को बांटे जाने वाले कार्ड से होती है लेकिन क्या आप जानते हैं कि ये निमंत्रण पत्र भी वास्तु के हिसाब से ही होने चाहिए। इसका पूरा असर वर-वधू की जिंदगी पर पड़ता है।

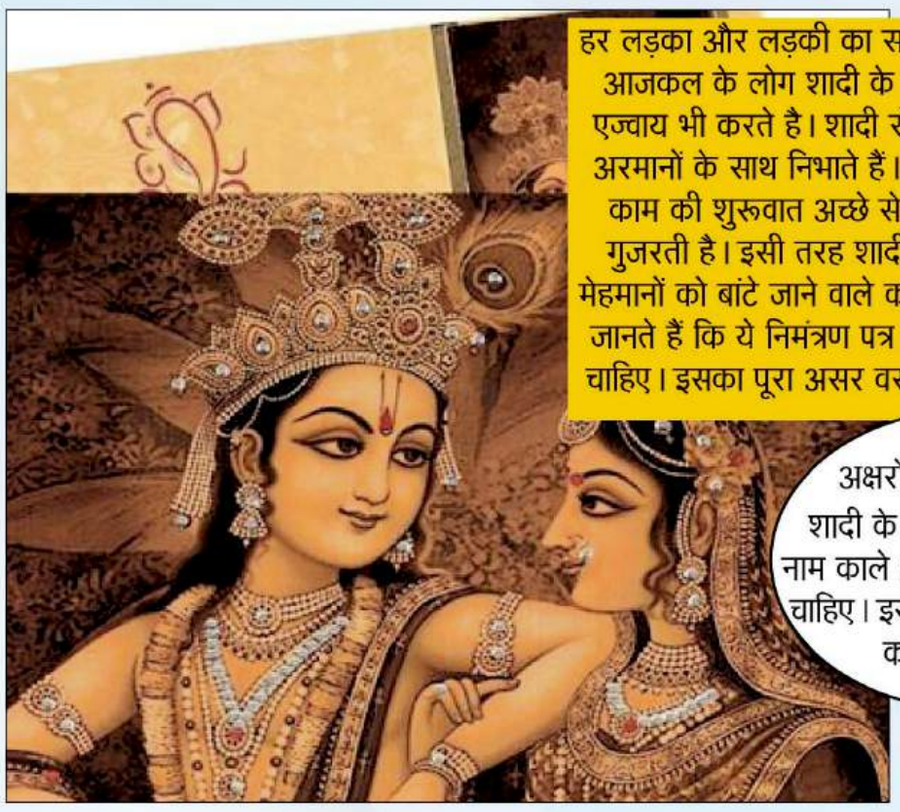

वास्तु के अनुसार कार्ड

शादी के कार्ड का आकार और रंग भी साकारात्मक और नाकारात्मक ऊर्जा को प्रवाहित करता है। कार्ड बनवाने से पहले वास्तु के हिसाब से ही कार्ड के अक्षरों का रंग और स्टाइल का चुनाव करें।

कार्ड का आकार

कार्ड का आकार लाइफ पर भी असर डालता है। टेढे-मेढे आकार के कार्ड साकारात्मक ऊर्जा का संचार नहीं करते। वर्गाकार आकार के कार्ड सबसे बेहतर हैं।

काले अक्षरों में न लिखाएं नाम

शादी के कार्ड पर वर-वधू का नाम काले अक्षरों में नहीं लिखवाना चाहिए। इससे अशुभ घटनाएं घटने का डर रहता है।

रंगों का चुनाव

शादी के निमत्रंण पत्र में रंगों को भी खास ख्याल भी रखना चाहिए। बैंगनी,ऑफ व्हाइट,ग्रे और काले रंगों का इस्तेमाल कार्ड में न करें। लाल,पीला और हरा रंग शुभ संकेत है और यह साकारात्मक ऊर्जा का भी संचार करता है।

न करें तस्वीरों का इस्तेमाल

आजकल लोग शादी के कार्ड पर दूल्हा-दुल्हन की तस्वीरें लग देते हैं। इन कार्ड को लोग बाद में फैक देते हैं जो शुभ संकेत नहीं है। इससे दोनों की सेहत और खुशियों पर बुरा असर पड़ता है।

कमल का फूल

कमल के फूल को बहुत शुभ माना जाता है। कार्ड किसी न किसी रूप में कमल की आकृति जरूर छपवाएं। इससे जिदगी में खुशियां आती है।

पथरी से बचना चाहते हैं तो, इन चीजों से बना लें दूरी

रोजमर्रा की भागदौड़ भरी जिंदगी में लोग अपने खान-पान का ध्यान रख पाते हैं। इसी वजह से वे कई गंभीर बीमारियों को न्यौता दे रहे हैं। ऐसी ही कुछ चीजें हैं जिन्हें खाने से आप पथरी का शिकार बन रहे हैं इसलिए इन चीजों से आपको दूर रहना चाहिए।

- पालक में ऑक्सलेट होता है जो कैल्शियम के मिलकर उसे बांध लेता है और यूरीन में नहीं जाने देता। इसलिए अगर पथरी से बचना चाहते हैं तो पालक का कम सेवन किया करें।
- टमाटर के बीजों में ऑक्सलेट भरपूर मात्रा में होता है। इसलिए हमेशा टमाटर के बीज निकालकर ही इसका इस्तेमाल करें।
- सी फूड्स में प्यूरीन नाम का तत्व मिला होता है। इसकी वजह से शरीर में ज्यादा यूरिक एसिड बनने लगता है। इसलिए इनका सेवन कम किया करें । क्योंकि यूरिक एसिड से पथरी होने की संभावना बढ़ जाती है।
- सोडियम की ज्यादा मात्रा लेने से भी पथरी की संभावना बढ़ जाती है। इसलिए पथरी से दूर रहने के लिए नमकीन चीजों का सेवन कम से कम करें।
- पथरी की परेशानी से दूर रहने के लिए सोडा कम से कम पिएं। दरअसल, इसमें फॉस्फोरिक एसिड होता है । जिससे स्टोन होने का खतरा बढ़ता है।

सोराइसिस से बचाती है हल्दी, एंटी सेप्टिक गुण

सोराइसिस त्वचा का ऐसा गंभीर रोग है, जिसमें त्वचा की पर्त बदसूरत व बदरंग होने लगती है। यह रोग अधिकतर खून की खराबी से उत्पन्न होते हैं। सोराइसिस होने का एक मुख्य कारण शरीर में अम्ल व क्षार का असंतुलन और इम्यून सिस्टम के कमजोर होने के कारण होता है। यह रोग अधिकतर खून की खराबी से उत्पन्न होते हैं। सोराइसिस में हल्दी का प्रयोग फायदेमंद होता है। हल्दी औषधीय गुणों से भरपूर है। इसके एंटीबैक्टीरियल और एंटी सेप्टिक गुण सोराइसिस की बीमारी से बचाव करते है।

सोराइसिस का इलाज

कच्ची हल्दी में एंटीबैक्टीरियल और एंटी सेप्टिक गुण होते हैं। इसमें इंफेक्शन से लडने के गुण भी पाए जाते हैं। इसमें सोराइसिस जैसे त्वचा संबंधी रोगों से बचाव के गुण होते हैं। हल्दी में छः प्रतिशत एक हरे भूरे रंग का कर्पूर की सी गन्ध वाला उड़नशील तेल पाया जाता है तथा इसमें करक्यूमिन नामक रंजक द्रव्य होता है। इसके अतिरिक्त इसमें स्टार्च एवं एल्ब्यूमिनॉयड पाए जाते हैं।

हल्दी का रक्त विकार एवं त्वचा रोगों की अन्य औषधियों के साथ उपयोग होता है। हल्दी पूरी तरह से एंटी बायोटिक होती है। इसलिए इसके सेवन से आपके शरीर की प्रतिरोधक क्षमता बढ़ जाती है और बीमारी होने की संभावना कम होती है। हल्दी खून को साफ करती है और ऊर्जा को निर्मल बनती है। हल्दी सिर्फ आपके शरीर पर ही काम नहीं करती,बल्कि यह आपकी ऊर्जा को भी प्रभावित करती है। यह शरीर, खून और ऊर्जा तंत्र की सफाई करती है।

हल्दी प्रयोग करने का तरीका

आधा किलो हल्दी पीसकर चार लीटर पानी में घोलकर उबालें और ठण्डा करके इसमें दो सौ ग्राम शहद मिला दें। इस मिश्रण को किसी शीशे के बर्तन में दो सप्ताह तक रखा रहने दें, अब इसको छानकर किसी साफ बोतल में भरकर रख दें। खाना खाने के बाद इस आसव को दस या पन्द्रह ग्राम की मात्रा में सेवन करें। इस आसव को पीने से रक्त साफ हो जाता है। शहद युक्त हल्के गुनगुने पानी के साथ नीम और हल्दी का सेवन एक शानदार तरीके से कोशिकीय स्तर पर सफाई कर उन्हें खोलने का काम करता है, जिससे वे अपने भीतर अच्छी तरह से ऊर्जा अवशोषित कर सकें। यह शरीर, खून और ऊर्जा तंत्र की सफाई करती है। बाहरी सफाई के लिए अपने नहाने के पानी में एक चुटकी हल्दी डालें और इस पानी से नहाएं। आप पाएंगे कि आपका शरीर दमकने लगेगा। दूध में हल्दी चूर्ण मिलाकर सुबह शाम लेना चाहिए। रोज के अपने खाने में हल्दी को शामिल करें। हल्दी विस्मयकारी गुणों से भरपूर है । परंतु कुछ लोगों पर इसके विपरीत प्रभाव पड़ सकते हैं। जिन लोगों को हल्दी से एलर्जी है उन्हें पेट में दर्द या डायरिया जैसे लक्षण सामने आ सकते हैं।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, पोस्ट एवं पीएस : गड़चुक, कटाबाड़ी मस्जिद के पास, कामरूप (मेट्रो), गुवाहाटी-35 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : प्रदीप शील ● सहयोगी संपादक : रवि शंकर चौधरी ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**